धनबाद
सोमवार 24.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-5 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-12
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

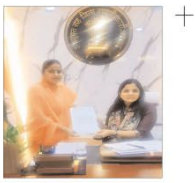

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू

आज सभी दल करेंगे बैठक बनाएंगे रणनीति

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा का छठा बजट सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इसे लेकर रविवार को सत्ता पक्ष और विपक्ष की अलग-अलग बैठकें होंगी। सत्ता पक्ष की बैठक एटीआई में होगी, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे, जबकि बीजेपी विधायकों की बैठक पार्टी कार्यालय में होगी।

झामुमो विधायक दल के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने बताया कि बैठक में इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल- कांग्रेस, राजद और माले के विधायक शामिल होंगे। इसमें विपक्ष के हमलों का जवाब देने

और सरकार की उपलब्धियों को सामने रखने की रणनीति बनेगी। सत्ता पक्ष का दावा है कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, फिर भी हर सवाल का जवाब पूरी तैयारी के साथ दिया जाएगा।

२४ फरवरी से २७ मार्च तक चलने वाले सत्र के दौरान जिला प्रशासन ने विधानसभा परिसर के ७५० मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। इस दौरान जुलूस, रैली, प्रदर्शन और घेराव पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। विपक्ष, खासकर बीजेपी इस सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है।

बीजेपी मैट्रिक परीक्षा के पेपर लीक, जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति न होने समेत कई मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधेगी।

इसके लिए रविवार शाम ६ बजे बीजेपी विधायक दल की बैठक प्रदेश कार्यालय में होगी, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्रनाथ त्रिपाठी और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह मौजूद रहेंगे।

राजद विधायक दल की बैठक रविवार को दोपहर ३ बजे पार्टी कार्यालय में होगी। पहले यह बैठक ४ बजे तय थी, लेकिन इंडिया गठबंधन की बैठक के कारण इसे पहले कर दिया गया। इसमें बजट सत्र में विपक्ष की रणनीति को विफल करने पर चर्चा होगी। कांग्रेस विधायक दल की बैठक रविवार को ११:३० बजे रांची परिसदन में होगी। इसमें प्रदेश प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश भी शामिल होंगे। कांग्रेस सदन में विपक्ष के हंगामे से निपटने के लिए अपने रणनीति तय करेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की पाकिस्तान पर धमाकेदार जीत

गृह मंत्री अमित शाह समेत कई हस्तियों ने दी बधाई

रांची (एजेंसी): टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हराकर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली है. रोहित ब्रिगेड ने दुबई में खेले गए अपने दूसरे मैच में पाकिस्तान को ६ विकेट से हराया. टीम इंडिया ने बांग्लादेश के बाद पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की. टीम इंडिया की जीत में विराट कोहली ने अहम रोल निभाया. इस जीत के साथ देश भर में जन्न का माहौल है. टीम इंडिया की इस जीत पर गृहमंत्री सहित कई दिग्गजों ने टीम इंडिया को बधाई दी है.केंद्रीय मंत्री ने अमित शाह ने बधाई दी है.

किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया पर बधाई देते हुए लिखा है- क्या जबर्दस्त खेल था. बहुत बढ़िया टीम इंडिया. केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बधाई देते हुए लिखा- शानदार खेलचैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ महत्त्वपूर्ण मैच जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम, खेल प्रेमियों और देशवासियों को हार्दिक बधाई.

देश के मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने अनोखे अंदाज में दी बधाई ममत बनर्जी ने भी दी बधाई इस जीत में किंग कोहली का महत्वपूर्ण योगदान रहा है. उन्होंने वनडे करियर का ५१वां शतक जड़ा. श्रेयस अय्यर ने कोहली का भरपूर साथ निभाया. दोनों ने पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर खबर ली. ओपनर शुभमन गिल ने भी बेहतरीन पारी खेली.

गेंदबाजी में कुलदीप यादव और हार्दिक पंड्या ने धमाल मचा दिया. भारत ४ अंक लेकर अपेन ग्रुप में टॉप पर है. पाकिस्तान की लगातार यह दूसरी हार है. रिजवान एंड कंपनी चैंपियंस ट्रॉफी से लगभग बाहर हो चुकी है. भारत अपने आखिरी लीग मैच में न्यूजीलैंड से २ मार्च को भिड़ेगा.

पाकिस्तान की ओर से रखे गए २४२ रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने ४२.३ ओवर में ४ विकेट पर २४४ रन बनाए. भारत की ओर से विराट कोहली ने सर्वाधिक नाबाद १०० रन बनाए. कोहली ने १११ गेंदों पर सात चौके जड़े. श्रेयस अय्यर ने ६७ गेंदों पर ५६ रन बनाकर आउट हुए. उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में ५ चौके और एक छक्का लगाया. ओपनर शुभमन गिल ५२ गेंदों पर ४६ रन बनाकर आउट हुए वहीं कप्तान रोहित शर्मा ने १५ गेंदों पर २० रन का योगदान दिया. हार्दिक पंड्या हाथ खोलने के प्रयास में ८ रन बनाकर चलते बने. पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने २ विकट झटके जबकि अबरार अहमद और खुशदिल शाह ने एक एक विकेट लिया.

दिल्ली विधानसभा का सत्र आज से नए विधायक लेंगे शपथ

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली की नवगठित विधानसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है, जो २४ फरवरी से २७ फरवरी तक चलेगा। इस सत्र के दौरान तीन दिन विधायी कार्यों के लिए बैठकें आयोजित की जाएंगी, जबकि २६ फरवरी को कार्यवाही स्थगित रहेगी।

सत्र की शुरुआत में सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ ग्रहण करेंगे और इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। इसके बाद २५ फरवरी को उपराज्यपाल के अभिभाषण के बाद आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल से संबंधित भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक

(केग) की १४ लंबित रिपोर्ट्स सदन में पेश की जाएंगी।

२७ फरवरी को उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी और विधानसभा उपाध्यक्ष का चुनाव संपन्न होगा। यह सत्र दिल्ली की राजनीति में कई महत्वपूर्ण निर्णयों का रास्ता खोलेगा, और आम आदमी पार्टी की सरकार के कार्यकाल पर होने वाली चर्चा और रिपोर्ट्स के मद्देनजर यह सत्र खासा दिलचस्प रहने की उम्मीद है।

कटरा में तीर्थयात्रियों से भरी बस खाई में गिरी, एक की मौत, 16 घायल

जम्मू (ईएमएस): जम्मू-कश्मीर में कटरा से तीर्थयात्रियों को लेकर दिल्ली जा रही बस सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। इस घटना में एक यात्री की मौत हो गई जबकि १६ लोग घायल हुए है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक बस जम्मू बस स्टैंड से करीब आठ किलोमीटर की दूरी पर मांडा में दुर्घटना ग्रस्त हुई है।

अधिकारियों के मुताबिक एक मोड पर बस चालक ने बस पर से अपना नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद बस फिसलकर खाई में गिर गई। इसके बाद तुरंत ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। उन्होंने बताया कि १७ लोगों को बचाया गया है। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर एक को मृत घोषित कर दिया गया है। इस घटना में बस चालक की मौत हो गई थी। बचाव अभियान के लिए घटना स्थल पर पहुंची पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य बलों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी लोगों को बाहर निकाला। मृतक की पहचान राकेश के रूप में हुई है। इस घटना में घायल हुए ज्यादातर तीर्थ यात्री दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल के रहने वाले थे।

इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने चालक के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ की कामना की।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मांडा में हुई बस दुर्घटना से बहुत दुःखी हूं। इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले चालक के परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

आस्था का यह केंद्र अब बनेगा आरोग्य का भी केंद्र

पीएम मोदी ने बागेश्वर धाम में बालाजी कैंसर इंस्टीट्यूट का शिलान्यास कर कहा

छतरपुर (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को मध्य प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर बागेश्वर धाम पहुंचे, जहां उन्होंने बालाजी भगवान के दर्शन किए और बालाजी सरकार कैंसर इंस्टीट्यूट का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आस्था का यह केंद्र अब आरोग्य का भी केंद्र बनने जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बालाजी भगवान के दर्शन किए और इसी दौरान उन्होंने कहा, आज हनुमान दादा की कृपा मुझ पर हुई है और मैंने भी पहली पर्ची निकाली है। यह सुनना था कि वहां मौजूद पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री मुस्कुरा उठे। पीएम मोदी ने कहा कि बहुत कम दिनों में दूसरी बार वीरों की धरती पर आने का सौभाग्य मिला है। पीएम मोदी ने कहा कि बागेश्वर धाम में अब

भजन, भोजन और निरोगी जीवन मिलेगा। उन्होंने यहां पर कुछ नेताओं और विदेशी ताकतों पर निशाना साधा और कहा, कि आजकल कुछ लोग धर्म का मजाक उड़ाते हैं, सनातन और संस्कृति पर कीचड़ उछालते हैं।

हिमाचल प्रदेश में आया 3.7 तीव्रता वाला भूकंप, लोग घरों से आए बाहर

शिमला (ईएमएस): हिमाचल प्रदेश की धरती रविवार सुबह कांप गई। हिमाचल के मंडी में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता ३.७ मापी गई है। कुछ दिन पहले दिल्ली-एनसीआर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, तब तो लोग डरकर घर से बाहर निकल आए थे। अभी तक किसी जान माल की हानि की खबर नहीं है।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर ३.७ मापी गई और इसका केंद्र सुंदरनगर के किआरगी क्षेत्र में स्थित था।

भूकंप के झटके सुबह ८ बजकर ४२ मिनट पर आए जिनकी गहराई करीब ५ किलोमीटर थी। धरती के कांपते ही कुछ लोग डर से घरों से बाहर निकल आए, हालांकि इसकी तीव्रता कम होने के कारण अधिकतर लोगों को इसका आभास नहीं हुआ।

हिमाचल प्रदेश का चंबा, शिमला, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, कांगड़ा, किन्नौर और मंडी जिले भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील जोन-५ में आते हैं, जहां अक्सर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। बता दें १९०५ में कांगड़ा में आए भूकंप को हिमाचल प्रदेश के इतिहास में सबसे विनाशकारी भूकंप माना जाता है। यह भूकंप ४ अप्रैल १९०५ को सुबह ६ बजकर १९ मिनट पर आया था और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर ७.८ मापी गई थी।

यूएसएआईडी फंडिग का सच जल्द आएगा सामने: जयशंकर

नई दिल्ली (ईएमएस): अमेरिका से भारत को हुई कथित फंडिंग को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भरोसा दिलाते हुए कहा है कि इसकी सच्चाई भी सामने आएगी। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) की चुनाव संबंधित फंडिंग पर जारी जानकारी चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि क्या कोई लोग बुरी नीयत की गतिविधियों से जुड़े हैं। जयशंकर यह बयान दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव में दे रहे थे।

इस दौरान उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा दिए गए उस बयान का संदर्भ लिया जिसमें डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशियंसी (डीओजीई) द्वारा यूएसएआईडी की ओर से दुनिया भर में सौ करोड़ डॉलर की रकम को रद्द करने की बात कही गई है। इसमें भारत में वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिए दिए जाने वाले २.१ करोड़ डॉलर का फंड भी शामिल था। जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ जानकारी ट्रंप प्रशासन द्वारा साझा की गई है और यह निश्चित रूप से चिंताजनक है। इसका मतलब यह हो सकता है कि कुछ गतिविधियां एक निश्चित उद्देश्य को लेकर की जा रही हैं, जिससे कोई दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा रहा हो। उन्होंने यह भी कहा कि यूएसएआईडी को भारत में ईमानदारी से काम करने की उम्मीद के साथ प्रवेश दिया गया था। अब जो सुझाव सामने आ रहे हैं कि कुछ गतिविधियां बुरी नीयत से जुड़ी हैं, उन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अगर इसमें कुछ सच्चाई है तो देश को यह जानने का हक है कि कौन लोग इन बुरी नीयत वाली गतिविधियों में शामिल है।

कांगड़ा के फतेहपुर में हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप

कांगड़ा (ईएमएस): हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के फतेहपुर में रविवार दोपहर एक हैंड ग्रेनेड मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना २३ फरवरी दोपहर करीब १२:३० बजे की बताई जा रही है। कुछ स्थानीय लोगों ने झाड़ियों में संदिग्ध वस्तु देखी, जिसके बाद करीब जाकर देखा गया तो पता चला कि यह एक हैंड ग्रेनेड है।

ग्रेनेड मिलने की खबर इलाके में आग की तरह फैली, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। इसकी सूचना जैसे ही पुलिस को मिली वह भी बिना देर किए मौके पर पहुंची और इलाके को सील कर दिया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। साथ ही, पुलिस ने तुरंत पठानकोट स्थित भारतीय सेना को भी सूचित किया। खबर लिखे जाने तक एसपी नूरपुर अशोक रतन और आर्मी की टीम मौके पर पहुंच चुकी थी और ग्रेनेड की जांच कर रही थी।

यह पहली बार नहीं है जब फतेहपुर इलाके में इस तरह के हथियार या विस्फोटक सामग्री मिली हो। बल्कि इससे पहले भी यहां बम मिलने की घटनाएं हो चुकी हैं, हालांकि अभी तक कोई बड़ी घटना नहीं घटी है। सेना ने पहले भी इस तरह के ग्रेनेड को डिफ्यूज किया है।

स्थानीय लोगों ने जांच की मांग की

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता और भय का माहौल व्याप्त हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को मामले की गंभीरता से जांच करनी चाहिए कि यह ग्रेनेड कहां से आया, इसे यहां किसने रखा, और क्या यह किसी शरारती तत्व की हरकत है या फिर कोई साजिश।

तेलंगाना में टनल में फंसे दो इंजीनियरों समेत 8 लोगों को बचाने की जद्दोजहद जारी

राहुल गांधी ने सीएम रेड्डी से की बात, सभी को बचाने के प्रयास करने को कहा

हैदराबाद (ईएमएस): तेलंगाना में टनल का हिस्सा धंसने के बाद ८ मजदूरों को बचाने की जद्दोजहद जारी है। सेना के साथ-साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें ऑपरेशन में जुटी हुई है। अब भी रेस्क्यू में कई बड़ी चुनौतियां सामने आ रही है। हालांकि थोड़ी राहत की बात यह है कि रेस्क्यू टीम टनल के १३ किलोमीटर अंदर उस स्थान तक पहुंच गई है, जहां पर सुरंग का हिस्सा धंसा है, लेकिन कीचड़ और पानी रेस्क्यू ऑपरेशन में बड़ी बाधा बन रहे है।

टनल के अंदर पहुंची एनडीआरएफ की टीम के डिप्टी कमांडर ने बताया कि शनिवार को करीब १० बजे टीम विश्लेषण करने सुरंग में गई। सुरंग के अंदर १३ किलोमीटर की दूरी में से ११ किलोमीटर लोकोमोटिव पर और बाकी बचा २ किलोमीटर का हिस्सा कन्वेयर बेल्ट के जरिए तय किया। जब टीम टनल बोरिंग मशीन के आखिर में पहुंची तो वहां फंसे श्रमिकों के नाम पुकारे। इस तरह उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। फंसे हुए श्रमिकों का सही स्थान अभी तक पता नहीं चल पाया है।

टनल में हादसे वाली जगह के बारे में बताते हुए कमांडर ने कहा कि जहां टनल धंसी है, वहां २०० मीटर का पैच मलबे से भरा हुआ है। जब तक यह मलबा साफ नहीं हो जाता, तब तक फंसे हुए श्रमिकों के सही स्थान का पता नहीं लगा पाएगा और उन्हें बचा नहीं पाएंगे। सुरंग के ११ से १३ किलोमीटर के बीच के पैच में पानी भरा हुआ है और जब तक पानी नहीं निकल जाता, तब तक मलबा सफाई का काम शुरू नहीं हो पाएगा। फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए पहले हमें पानी निकालने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी और फिर मलबा हटाना होगा। टनल में दो इंजीनियर एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी से, दो ऑपरेटर अमेरिकी कंपनी के वहीं चार मजदूर उत्तर प्रदेश, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर से हैं जो टनल में फंसे हुए हैं।

तेलंगाना सरकार की वित्तीय हालत खस्ता, जरुरत से ज्यादा लिया कर्ज

रामाराव ने सीएम रेड्डी को राज्य के वित्त पर बहस करने की दी चुनौती

हैदराबाद (ईएमएस): तेलंगाना में बजट सत्र से पहले पैसे की कमी है। पहले २९७ करोड़ का फायदा होने वाला था, लेकिन जनवरी तक २६,०५० करोड़ का घाटा हो गया। सरकार की जेब खाली हो रही है। अगर तीन बड़ी योजनाओं शुरू हो गई तो ये और भी बढ़ जाएगा।

पहली योजना रायतू भरोसा है। इसमें किसानों को हर साल प्रति एकड़ १२ हजार मिलेंगे। दूसरी योजना इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा है। इसमें भूमिहीन मजदूरों को १२ हजार सालाना मिलेंगे। तीसरी योजना इंदिराम्मा इंदुलू है। इसमें बेघर लोगों को घर बनाने के लिए पांच लाख की मदद दी जाएगी।

तेलंगाना सरकार ने जरुरत से ज्यादा कर्ज ले लिया है। ४९,२५५ करोड़ के बजट की जगह जनवरी तक ५८,५९६

करोड़ का कर्ज लिया गया। इसमें से १०,३८६ करोड़ तो सिर्फ एक महीने में ही लिया। चुनाव में महिलाओं को हर महीने २,५०० रुपए देने का वादा भी अभी पूरा नहीं हुआ है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सीएम ए रेवंत रेड्डी को विधानसभा में राज्य के वित्त पर बहस के लिए चुनौती दी है। केटीआर ने सीएम रेड्डी पर राज्य को गलत प्रबंधन और झूठे प्रचार से वित्तीय संकट में धकेलने का आरोप लगाया है।

केटीआर ने कहा कि हिम्मत है, तो आइए तथ्यों पर बहस करें। हम बताएंगे कि कैसे कांग्रेस की लापरवाह नीतियां तेलंगाना को बर्बाद कर रही हैं। जनता को सच्चाई जानने का हक है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना की प्रगति के बारे में झूठ फैला रही है। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई हमारे राज्य का अपमान करेगा या उसे कम आंकने की कोशिश करेगा तो हम चुप नहीं बैठेंगे। केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना की उपलब्धियों को झूठ और प्रचार से मिटाया नहीं जा सकता।

बीआरएस नेता ने कहा कि राज्य सांख्यिकी की रिपोर्ट जो एक आधिकारिक सरकारी दस्तावेज है, ने सच्चाई सामने ला दी है। उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट रेवंत रेड्डी के बढ़ते कर्ज के बयानों का खंडन करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने खुद एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें दिखाया गया है कि केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना की वित्तीय स्थिति कैसे मजबूत हुई। फिर भी रेवंत झूठ फैला रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद २०१४ में पांच लाख करोड़ रुपए से बढ़कर २०२३ तक १५ लाख करोड़ रुपए हो गया, यानी ३०० फीसदी की बढ़ोतरी। केटीआर ने जोर देकर कहा कि इस विकास ने तेलंगाना को गुजरात जैसे औद्योगिक रूप से उन्नत राज्यों से आगे रखा है।

टाटा डीएवी स्कूल में लीगल लिटरेसी की शुरुआत

कालीमेला/जोड़ापोखर (ससे) : रविवार को टाटा डीएवी स्कूल जामाडोबा में स्कूल के दयानंद ब्लॉक में लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन समारोह विद्यालय के प्रधानाचार्य के निरीक्षण में करवाया गया। जिसके मुख्य अतिथि न्यायिक दंडाधिकारी सह मेघा प्रियंका लकड़ा दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर विद्यालय में लीगल सेल का उद्घाटन किया। उनके साथ कन्हैया लाल ठाकुर (अधिवक्ता) ने डॉ. बी आर अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया। विद्यालय के प्राचार्य अनुज कुमार मिश्रा, प्रथम न्याय दंडाधिकारी सह सिविल जज मेघा प्रियंका लकड़ा, कन्हैया लाल ठाकुर, रोहित रजक और धर्मराज ने गायत्री मंत्र का उच्चारण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रधानाचार्य ने सभी अतिथिगणों को शॉल देकर और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। उसके बाद स्वागत भाषण संगीता मुखर्जी ने किया। उसके बाद संगीत विभाग से श्रुति पाठक एवं अभिषेक पाठक ने स्वागत गीत गाकर मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। कन्हैया लाल ठाकुर ने लीगल सेल क्यों जरूरी है इसके बारे में बच्चों को बताया। उसके बाद मेघा प्रियंका मैडम ने अपने भाषण में लीगल सेल की महत्वता के बारे में बच्चों को समझाया और आने वाले भविष्य में विषय चुनाव पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने शब्दों में विद्यालय की रिपोर्ट और लीगल सेल के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के छात्र तन्मय पांडे ने कविता सुनाया। प्रियांशु ने लीगल सेल पर अपना विचार प्रस्तुत किया।

धन्यवाद ज्ञापन बिनोद कुमार तिवारी तथा मंच संचालन संगीता मुखर्जी ने किया। अंत में लीगल लिटरेसी क्लब का वर्चुअल उद्घाटन जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद ने किया और साथ ही साथ विद्यालय में फीता काटकर प्रियंका लकड़ा ने और विद्यालय के प्राचार्य ने उद्घाटन किया।

नारी अपने पति में ही देवत्व स्थापित करें : उत्तम कृष्ण शास्त्री

मिरसा (ससे) : धर्म उत्थान समिति की ओर से जुनकुंदर ब्रह्मस्थान स्थित मंगल मूर्ति धाम में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के पांचवे दिन रविवार को उत्तम कृष्ण शास्त्री (वृंदावन) ने श्री कार्तिकेय, गणेश जन्मोत्सव व विवाहोत्सव और माता पार्वती के पूर्व मां मैना द्वारा दी गई उपदेश की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि शिव विवाह से पहले उनके सांप, भस्म जैसे अद्भुत श्रृंगार से संसारियों को ज्ञान होता है।

विदाई से पूरे माता मैना ने पार्वती को उपदेश की एक नारी के लिए पति ही भगवान होते है। इसलिए नारी को चाहिए कि वह अपने पति में ही देवत्व को स्थापित करें। अपने आचरण से परिवार को प्रसन्न करें। नारी का जीवन सदैव त्यागशील रहा है। एक स्त्री को अपने भाई, पिता, पति, पुत्र सानिध्य में रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज समाज में ठीक इसके विपरित स्थिति बन गई है। अपने बच्चों को यह सब शिक्षा नहीं दे पा रही है।

माइके में अत्यधिक हस्तक्षेप के कारण परिवार बिखर रहे हैं। अध्यधिक मोबाइल पर बात करने से पारिवारिक जीवन पर ध्यान नहीं दे पाती है। जो परिवार के टूटने का कारण बन रहा है। इसलिए माता पिता को बेटी की पारिवारिक जीवन में अत्यधिक हस्तक्षेप न करें। उसे स्वयं सही ग़लत का निर्णय लेने का योग्य बनाएं। इस प्रकार माता मैना और हिमाचल राज ने पार्वती को दान दहेज देकर विदा किया। पिता द्वारा प्रसन्नता से दिया गया दान दहेज का रुप माना जाता है।

उन्होंने कहा कि दहेज मांगने वाले समाज से बचना चाहिए। क्योंकि दहेज रुपी कुरीतियों से हमारी बेटियां प्रताड़ित हो रही है। इसलिए समाज के लोगों को बेटियों को सम्मान और समन्वय स्थापित करने के लिए दहेज नहीं मांगना चाहिए। मुख्य यजमान अजय सिंह, उनकी पत्नी रीता सिंह, मनोज सिंह, उनकी पत्नी प्रतिभा सिंह थे।

आचार्य मनीष शर्मा ने विधिवत पूजाअर्चना कराई। मौके पर पुजारी रितेश पांडेय, अध्यक्ष चंद्रदेव यादव, उपाध्यक्ष भरत सिंह, काजल चक्रवर्ती, सुभाष सिंह, पंडित रामजी पांडेय, सदन सिंह, वीरेंद्र गोस्वामी, गोपाल सिंह, गुड्डू सिंह, रिंटू पाठक, राजू चौहान, इंद्रदेव प्रसाद, वीरेंद्र अटल, भोला चौहान, पप्पू शर्मा, दनोज ठाकुर, मंटू ठाकुर, शैलेश सिंह, रामप्रवेश ठाकुर, अरुण मोदी, वीरु राय, रवि महतो, शीतल राय चौधरी, संतोष प्रसाद, बाबन मित्रा, संजय चौधरी, राजेश्वर साव, अखिलेश यादव, धीरज सिंह, राजू रक्षित, कमलेश यादव, ब्रह्मदेव गोप, स्वरुप सरकार, कमलदीप चौहान, संजय चौहान, सुदामा प्रसाद, बुबाई मुखर्जी, आदित्य, ललकू रवानी, यश, अमन, राजा, आयुष, सदानंद ठाकुर, सरगुन ठाकुर, सोनू राय आदि थे।

डीएवी मुनीडीह में खुला लीगल लिटरेसी क्लब

पुटकी (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल मुनीडीह, धनबाद में झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के सहयोग से वर्चुअल लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि मैडम अपेक्षा जूडिशियल मजिस्ट्रेट फस्ट क्लास (जे एम एफ सी), नीरज गोयल अस्टिंटेंट (एनएडीसीएस) लीगल एवं डीफेंस काउंसन सिस्टम, माणिक कुमार दुबे (पीएलवी) एवं विद्यालय के प्राचार्या इंदु प्रासाद ने सम्मिलित रूप से मंगलदीप प्रचलित कर लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन किया। प्राचार्य महोदया ने आगत अतिथिगणों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि मैडम अपेक्षा ने अपने संबोधन में कहा कि लीगल लिटरेसी क्लब झालसा की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकार व जिम्मेदारियों से अवगत कराना तथा शिक्षित करना है। इसकी सहायता से बच्चे अपने सांवैधानिक अधिकार, न्याय व मानवाधिकार के बारे में सीख पाएंगे। इसमें छात्रों को पैरो लीगल वांलटीयर के तौर पर काम करने का मौका भी मिलेगा। बाल मित्र, डिजिटल क्राइम, कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न, मुवावजा योजना, उपभोक्ता जागरूकता, वितीय समस्या, नशे का लत, आदि का निवारण क्लब का उद्देश्य है। एन एल एस ए जरूरतमंदों और पीडितों के बीच सेतु का काम करती है। मौके पर एम पी सिंह, आर पी सिंह, आर के दुबे, राजेश कुमार राही, आर सी खुटिया,जितेन्द्र शर्मा, रूबी सिंह, करूणा सिंघु, भरत लाल, विजय नरायन मिश्रा, सुमा पाल्लित, सरिता सिंह, कुसुम सिंह आदि उपस्थित थे।

डीएवी में वर्चुअल लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा, धनबाद में झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के सहयोग से वर्चुअल लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि श्वेता कुमारी, सिविल जज, सीनियर डिवीजन टू, धनबाद, स्वाति कुमारी, अस्सिटेंट एलईडीसीएस व विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता ने सम्मिलित रूप से मंगलदीप प्रचलित कर लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन किया। प्राचार्य ने आगत अतिथिगणों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया। उन्होंने कहा कि लीगल लिटरेसी क्लब झालसा की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकार व जिम्मेदारियों से अवगत कराना तथा शिक्षित करना है। इसकी सहायता से बच्चे अपने सांवैधानिक अधिकार, न्याय व मानवाधिकार के बारे में सीख पाएंगे। मौके पर ए० के० तिवारी, बी के भारती, संजय कुमार, ए० के० मिश्र, बीके सिंह, विजेता कुमारी, पंकज कुमार, बीके मंडल, अमृता सांवरिया आदि उपस्थिति थे।

रुद्र महायज्ञ को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

महुवा (ससे) : भाटडीह पुराना ओपी के समीप शिव मंदिर के प्रांगण में श्री श्री १०८ रुद्र महायज्ञ वार्षिक महोत्सव को लेकर पांच दिवसीय का आयोजन आज कलश यात्रा के साथ शुरू हो गया।

कलश यात्रा में १०८ महिलाएं एवं कुमारी बच्चियों ने कलश लेकर भाटडीह पुराना ओपी पावर हाउस शिव मंदिर से कलश लेकर दामोदर नदी भाटडीह घाट तक पहुंचे, वहां पंडित आचार्य गौतम कुमार पाण्डेय, पंडित मृत्युंजय पाण्डेय, मथुरा प्रसाद पाण्डेय के द्वारा मुख्य यजमान अर्जुन राउत एवं उनके धर्मपत्नी ललिता देवी के द्वारा १०८ कन्याओं के साथ भाटडीह दामोदर नदी पर पूजा-अर्चना कर जल भराई कर पुनः पुराना ओपी भाटडीह के प्रांगण शिव मंदिर पावर हाउस पहुंचकर विधिविधान पूर्वक पूजाअर्चना कर मण्डप प्रवेश किया गया। जल यात्रा में बाजे गाजे के साथसाथ शिव पार्वती भूत पिसाच के वेशभूषा में व हाथ में निशान लिए लोग चल रहे थे, शोभायात्रा में मुखिया बदरुद्दीन अंसारी, संदीप राउत, कुलदीप भुईयां, राघु राय, सन्तोष कुमार ठाकुर, मनीष राय, विजय कुमार, मन्टु शर्मा, नकुल राउत, अनुपा देवी, राधा कुमारी, बबिता देवी, अनु देवी, आशा देवी, अनिता देवी, अंजली कुमारी, ज्योति कुमारी, अननिया कुमारी, ज्योति ठाकुर, पूजा कुमारी, यश राउत, रामु राउत, आमन अंसारी के अलावे सैकड़ों महिलापुरुष शामिल थे। इधर जल यात्रा में महुदा पंचायत के मुखिया बदरुद्दीन अंसारी भी शामिल थे।

लिटरेसी क्लब से जुड़ा डीएवी अलकुसा

पुटकी (ससे) : हाई कोर्ट रांची के द्वारा चलाए जा रहे लिटरेसी क्लब की जागरूकता अभियान में वर्चुअल इनॉग्रेशन के माध्यम से डीएवी पब्लिक स्कूल अलकुसा जुड़ा।

प्राचार्य एस मोदक ने दीप प्रज्वलित कर वर्चुअल लिटरेसी क्लब की शुरुआत की तथा ऑनलाइन के माध्यम से हाई कोर्ट के जज सुरेश उरांव एवं वकील रंजय कुमार सिंन्हा ने जागरूकता अभियान के तहत बाल विकास नियम, बच्चों की सुरक्षा, अधिकार, आवश्यकता आदि की जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य एवं वरिष्ठ शिक्षक ए के मिश्रा ने इस जागरूकता को प्रत्येक व्यक्ति एवं परिवार तक पहुंचाने तथा उनके सुरक्षा में अपना योगदान देने तथा विशेष कक्षा की शुरुआत करने का प्रण लिया।

डीएवी स्कूल में मिला लीगल लिटरेसी का सहयोग

सिन्दरी (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल सिंदरी में रविवार को लीगल लिटरेसी क्लब का उद्घाटन धनबाद के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट निर्भय प्रकाश के द्वारा किया गया। मौके पर अजय कुमार भट्ट डिप्टी चीफ एलडीसी धनबाद सहित कई अन्य न्यायायिक प्रतिनिधि भी उपस्थित थें। इस अवसर पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए न्यायाधीश निर्भय कुमार ने कहा कि कानून की शिक्षा हमें विद्यालय में प्रथम दिन से शुभारंभ करना चाहिए। हमें अपने कर्तव्य और मूल अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए यदि हम अपने मुख्य कर्तव्यों के बारे में जानकारी और जीवन में शामिल करने का प्रयास करेंगे तो अच्छे नागरिक बनेंगे। यदि हम अपने आप को ही अच्छे नागरिक के रूप में प्रस्तुत करें तो यह देश की सेवा होगी। कानून की जानकारी होना सभी के लिए आवश्यक है। प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमें अपने नियम और कानून की जानकारी सभी को होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि क्लब के माध्यम से कक्षा १ से १२ तक के विद्यार्थियों को समयसमय पर जिला न्यायालय परिसर में विजिट कराकर न्यायालय की कार्य प्रमाली के बारे में जानकारी दी जाएगी। क्लब द्वारा बाल विवाह की रोकथाम, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, एंटी रैगिंग कानून, यातायात सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने घरेलू हिंसा अधिनयम, दहेज उत्पीड़न, मानवाधिकार, दिव्यांग के अधिकार, पर्यावरण सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार एवं कैरियर गाइडेंस व काउंसलिंग के संबंध में जानकारी दी जाएगी। वहीं कर आभासी माध्यम से न्यायमूर्ति एम.एस. रामचंद्र राव मुख्य न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालयसहमुख्य संरक्षक, झालसा, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय एवं अध्यक्ष, एचसीएलएससी की गरिमामयी उपस्थिति में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं विशिष्ट अतिथिगण उपस्थिति रहे। यह कार्यक्रम झारखंड के सभी डीएवी स्कूलों में गूगल मिट के माध्यम किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी छात्र और छात्राओं के साथ विद्यालय के शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थें।

प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन करेगा संयुक्त मोर्चा

बाघमारा (ससे) : ब्लॉक टू क्षेत्र के एबीएससीपी माइन के १४ नंबर हाजिरी घर के समीप संयुक्त मोर्चा ब्लॉक टू क्षेत्र द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान मजदूर संगठनों ने क्षेत्रीय प्रबंधन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की और उनके निर्णयों को एकतरफा करार दिया। संयुक्त मोर्चा के नेताओं का कहना है कि ब्लॉक टू क्षेत्र के प्रबंधन द्वारा बिना सलाहकार समिति से चर्चा किए मशीन को क्षेत्र संख्या एक, दामोदा भेजा जा रहा है, जिससे मजदूरों में आक्रोश फैल गया है।

संगठन के नेताओं ने इस कदम को मजदूरों के हितों के खिलाफ बताते हुए चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने अपनी नीति में बदलाव नहीं किया, तो मजदूर कड़ा विरोध करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जनता मजदूर संघ के क्षेत्रीय सलाहकार समिति सदस्य गोपाल मिश्रा, यूसीयू के सलाहकार समिति सदस्य तुलसी साहब, धनबाद कॉलेज कर्मचारी संघ के केंद्रीय पदाधिकारी चंद्रशेखर राय, क्षेत्रीय सलाहकार समिति सदस्य उत्तम कुमार पांडे, एमपी के क्षेत्रीय सलाहकार समिति सदस्य गोपाल चंद्र गोप, धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के राम कुमार पांडे, अविनाश दुबे, खपा कमर, रणविजय कुमार, यूसीडब्ल्यूयू के मुरारी पांडे, एचएन पांडे, ओम प्रकाश पांडे, बच्चन शाह, जनता मजदूर संघ के अखिलेश नोनिया, बृजेश पांडे, शंकर महतो सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधि एवं सैकड़ों मजदूर उपस्थित थे।

प्रबंधन के इस फैसले के खिलाफ २५ फरवरी को महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना देने की घोषणा की गई है। इस धरने का नोटिस प्रबंधन को सौंप दिया गया है, जिस पर सभी संगठनों के सलाहकार समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मजदूर संगठनों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

स्थानीय नागरिकों की बैठक में उठा रोड जाम का मामला

कतरास (ससे) : बैठक में कतरास के व्यवसायी, सब्जी विक्रेता, चैंबर ऑफ कॉमर्स सहित स्थानीय नागरिकों ने कतरास बाजार में हो रहे जाम की समस्या को उठाते हुए कहा कि कतरास में ट्राफिक व्यवस्था में सुधार ना होने से दुकानदारों की समस्या, जोगता रानीबाजार में सरकारी हॉस्पिटल को सुदृढ़ बनाने, नगर निगम क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट कि समस्या को दूर करने, साथ ही सफाई व्यवस्था में सुधार, पानी के किलने से कतरास बाजार के लोग जूझ रहे पर पहल, टोटो संचालन में रणनीति बनाने पर बल देते हुए जनप्रतिनिधियों से इस समस्या के समाधान की मांग किया। जनप्रतिनिधियों ने इस समस्या पर गंभीरता से विचार करते हुए समाधान के लिए पहल करने का आश्वासन दिया। यह बैठक कतरास बाजार में यातायात व्यवस्था सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। मौके पर धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, कतरास थाना प्रभारी आसित कुमार सिंह, बाघमारा अंचलाधिकारी डी महतो, प्रिंस शर्मा, प्रदीप पांडे, वार्ड संख्या ५ पार्षद राजेंद्र प्रसाद, वार्ड नंबर ३ के पार्षद विनायक गुप्ता, सुरेश केडिया,प्रकाश राम गुप्ता, विजय तुलस्यान, महेश पासवान, मोहम्मद शहाबुद्दीन, मुकेश झा, मनोज गुप्ता, मंजर आलम, कुंदन सिंह, श्याम किशोर, अमित भगत, मुन्ना यादव, विनय पासवान, बबलू गुप्ता, एमडी शब्बीर आलम पप्पू, सुरेश शर्मा, विनय वर्मा, छोटू पासवान, इंदर सिंह, प्रिंटर शर्मा, मिंटु अंसारी, विमल तिवारी, चेतन शर्मा, नितिन शर्मा, आदि लोग मौजूद थे।

मुफ्त मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए लगा जांच शिविर

सिंदरी (ससे) : शैल देवी पब्लिक स्कूल मोतीनगर, गौशाला सिंदरी में रविवार को हाईटेक हॉस्पिटल गोविंदपुर एवं प्रधानाचार्य विनोद कुमार सिंह के सौजन्य से मुफ्त मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ० विनीता कुमारी के द्वारा ५९ रोगियों की जांच की गई। २५ रोगियों को ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया। जिनका ऑपरेशन सोमवार को हाईटेक हॉस्पिटल गोविंदपुर में होगा। समय पर हॉस्पिटल स्टाफ संदीप गुप्ता, रवि, प्रेम सुंदर मंडल, उप प्रधानाचार्या रुबी कुमारी, सुधा कुमारी, पूनम कुमारी इत्यादि उपस्थित थी।

बागसुमा में दो लॉटरी विक्रेता टिकट के साथ धराए

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर पुलिस ने मोदी अस्पताल बागसुमा के समीप रविवार को दो लॉटरी विक्रेताओं को लॉटरी टिकट के साथ पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों में मनोज रजवार एवं संतोष राय दोनों नेरो बागसुमा के निवासी हैं। इनके पास से १३० लॉटरी टिकट बरामद किया गया। बताया जाता है कि थाना के सहायक अवर निरीक्षक लक्ष्मी नारायण महतो ने पेट्रोलिंग के दौरान दोनों युवकों को संदिग्ध हालत में पाया। पुलिस गाड़ी को देखते ही दोनों भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दोनों को दबोचा। दोनों की तलाशी ली गई। इस क्रम में दोनों के जेब से १३० टिकट बरामद किए गए। नागालैंड और सिक्किम के लॉटरी टिकट थे। अधिकांश टिकट के मूल्य १२ हैं। पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली ने बताया कि संबंध में लक्ष्मी नारायण महतो के आवेदन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा २९३, २९७, ३(५) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कांड के अनुसंधान की जिम्मेदारी सहायक अवर निरीक्षक कामेश्वर महतो को दी गई है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -नगेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

लोदना में जनता श्रमिक संघ का मिलन समारोह आयोजित

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना श्रमिक कल्याण स्थित कार्यालय में जनता श्रमिक संघ का मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से झरिया विधायक सह जनता श्रमिक संघ की महामंत्री रागिनी सिंह उपस्थित थी।

इस दौरान विभिन्न संगठन छोड़कर सैकड़ों की संख्या में मजदूरों भाईबहनों ने जनता श्रमिक संघ का दामन थामा। जहां सभी को विधायक रागिनी सिंह ने माला पहनकर संघ में स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए रागिनी सिंह ने कहा कि एक लंबे संघर्ष के बाद ६ नंबर एवं ९ नंबर साइडिंग के मजदूरों का जो कर्मचारी भविष्य निधि एवं प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम १९५२ के अंतर्गत पीएफ का मामला लंबित चल रहा था उसका समाधान हो चुका है।

साइडिंग के २४२ मजदूरों का वर्ष २०२४ तक का पीएफ अपडेट करा दिया गया है और उनके खाते में भी राशि चढ़ा दी गई है। यहां तक की मजदूरों को पीएफ खाता भी उपलब्ध करा दिया गया है। इसका श्रेय जनता श्रमिक संघ के नेताओं को जाता है। क्योंकि वर्षो से यह मामला चल रहा था और हमने वादा किया था कि मजदूरों को उनका हक दिला कर रहेंगे एवं हमने अपने वादा को पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा विस्थापन की समस्या लोदना में है इसलिए आप लोग घबराए नहीं। बिना समुचित व्यवस्था के यहां से एक को भी जाने नहीं देंगे। पानी की समस्या का भी समाधान किया जाएगा। इसके अलावा भी जो समस्याएं हैं उसका समाधान करने का काम किया जाएगा। जहां इस दौरान मजदूरों में खुशी की लहर देखी गई। इस दौरान मुख्य रूप से शैलेंद्र सिंह उर्फ छोटू सिंह, संजय पासवान, संजय यादव सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

राज कंस्ट्रक्शन निर्माण परियोजना का उद्घाटन

सिन्दरी (ससे) : जनता की चिर-प्रतिक्षित मांग राज कंस्ट्रक्शन नामक निर्माण परियोजना का उद्घाटन रविवार को हीरक रोड में किया गया।

इस विकास से जुड़ी परियोजना की कुल लागत १ करोड़ ९७ लाख रुपये है। परियोजनाओं का उद्देश्य स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार करना और संभावित ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना हो सकता है। कार्यक्रम में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो उर्फ बबलू महतो भी उपस्थित थे। इस उद्घाटन कार्यक्रम और राज कंस्ट्रक्शन परियोजना का महत्व न केवल उस क्षेत्र के विकास के लिए बल्कि पूरे राज्य के समग्र विकास के लिए है। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण से यह सुनिश्चित होता है कि वहां के लोग बेहतर जीवन जी सकें और उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस प्रकार की परियोजनाएं स्थानीय राजनीति और प्रशासन के सहयोग से ही सफल होती हैं और विधायक चंद्रदेव महतो का समर्थन इसे और भी प्रभावी बना सकता है।

कुम्भ स्नान करने जा रही महिला की चंदौली में सड़क हादसे में मौत

बाघमारा (ससे) : मधुबन थाना क्षेत्र के महेशपुर टू पंचायत के पंचायत समिति सदस्य टिंकू प्रसाद की भाभी व संवेदक मुन्ना प्रसाद की ४० वर्षीय पत्नी नीलम देवी की मौत शनिवार की रात कुम्भ स्नान करने जाने के क्रम में सड़क दुर्घटना में हो गई। घटना के विषय में बताया जा रहा है कि नीलम देवी शिव पार्वती नगर लाहबनी धैया धनबाद से अपनी साथी के साथ निजी फोर वीलर वहां से कुम्भ स्नान के लिए प्रयागराज जा रही थी। रात्रि में उत्तर प्रदेश के चंदौली में सड़क जाम में इन लोगों की गाड़ी फंस गई थी।

जाम से निकलने के बाद गाड़ी को रोक कर दाहिने साइड में उतरने के क्रम में पीछे से आ रही तेज गति से गाड़ी ने नीलम देवी व उनके गाड़ी को जोर से टक्कर मारते हुए निकल गई। जिससे मौके पर ही नीलम देवी की मौत हो गई। गाड़ी में नीलम देवी सहित राजेश सिंह, मुकेश सिंह, मनीष कुमार अपनी पत्नी के साथ थे। जिसमे एक छोटा बच्चा भी था। गाड़ी में सवार सभी लोगों को आंशिक रूप से चोट लगी है। घटना की सूचना पाकर धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने नीलम देवी के परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए चन्दौली में प्रशासन से अपने स्तर से संपर्क कर शव को और सभी घायलों के इलाज और सभी को सही सलामत वापस धनबाद लाने की व्यवस्था की। मृतिका अपने पीछे पति सहित दो पुत्र व एक

पुत्री छोड़कर चली गई। इधर घटना के बाद पुरा महेशपुर में मातम छाया हुआ है। समाचार लिखे जाने तक शव महेशपुर नहीं पहुचा था।

पुलिस एसोसिएशन के चुनाव प्रचार में धनबाद पहुंची प्रतिनिधियों की टीम

धनबाद (कासं) : पुलिस केंद्र धनबाद में भी पुलिस एसोसिएशन द्वारा आगामी २८ फरवरी को होने वाले चुनाव की युद्ध स्तरीय तैयारी शुरू हो गई है। राहुल कुमार मुर्मू के नेतृत्व में आज केंद्रीय पुलिस एसोसिएशन झारखण्ड रांची की टीम पहुंची और अपने समर्थन में चुनाव अभियान की शुरूआत कराई। मौके पर आम सदस्यों के पास एसोसिएशन के द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताया गया। साथ हीं अपने समर्थन में वोट माँगा गया। टीम को देखकर सभी सदस्यों में भारी उत्साह देखा गया। सभी ने उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद धनबाद जिला, रेल जिला, धनबाद जैप ३ के डेलीगेट प्रतिनिधियों के द्वारा दिया गया है।

धनबाद जिला, रेल धनबाद जैप ३ के पुलिस पदा० सुरेश पासवान, प्रक्षेत्रीय मंत्री आर०एन० ठाकुर, अक्षय राम, रस्म अवधेश कुमार, मुस्लिम खा, बिनोद उरांव, गंगा सागर ओझा, राकेश पाठक, नूतन मोदी एवं भारी संख्या में सदस्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित हुए एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त की।

इस आयोजन को सफल बनाने में राहुल कुमार मुर्मू अध्यक्ष, रोहित कुमार रजक उपाध्यक्ष, अशोक कुमार तिवारी उपाध्यक्ष, संजीव कुमार महामंत्री, संतोष कुमार महतो संयुक्त सचिव, राकेश कुमार पाण्डेय संयुक्त सचिव तथा मंटू कुमार संगठन सचिव सहित सभी प्रत्याशी झारखण्ड पुलिस एसोसिएशन झारखण्ड रांची शामिल हैं।

विस्थापन व प्रदूषण को लेकर डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन करेगा सीटू

जोड़ापोखर (ससे) : सीटू ने विस्थापन और प्रदूषण के मुद्दे पर जन कंवेंशन आयोजित कर आंदोलन का ऐलान किया। ११ मार्च को उपायुक्त के समक्ष होगा प्रदर्शन। उक्त निर्णय आज सीटू का जिला स्तरीय विस्थापन और पर्यावरण पर के कन्वेंशन में लिया गया है।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता सीटू राज्य उपाध्यक्ष साथी प्रकाश विप्लव ने कंवेंशन को संबोधित करते हुए कहा कि विस्थापन और प्रदूषण धनबाद सहित झारखंड की एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। जिसके चलते एक ओर स्थानीय आबादी का पलायन हो रहा है दूसरी ओर भारी प्रदूषण के चलते यहां के लोगों को पर्यावरण संकट, जल संकट, श्वांस संबंधी बीमारी सहित कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या का हल निकालने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति के साथ निर्णायक संघर्ष का रास्ता अपनाना होगा तभी इस संकट से निजात मिल सकता है। यह बात आज लोदना एरिया जियेलगोरा गेस्ट हाउस में विस्थापन और पर्यावरण पर कन्वेंशन को सम्बोधित करते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड में विस्थापन और पर्यावरण के मुद्दे पर दो तरह से सोचने वाले लोग हैं।

एक वे लोग हैं जो अपने पुराने अनुभव से इस नतीजे पर पहुंचें हैं कि जब तक किसी भी प्रकार का खनन होगा विस्थापन और पर्यावरण की समस्या बनी रहेगी। कुछ स्वयंसेवी संस्थायें भी इसी रुख का समर्थन करती है।

आज जरूरत इस बात की है कि खनन का काम शुरू होने से पहले ही विस्थापितों के अधिकार, मुआवजा, नौकरी और पुनर्वास का पैकेज अग्रिम तैयार हो और उसके लागू होने के बाद ही खनन का काम शुरू किए जाने की इजाजत दी जाए। कंवेंशन को संबोधित करते हुए सीटू के राज्य कमिटी सदस्य और बोकारो इस्पात मजदूर मोर्चा के पदाधिकारी राजकुमार गोराई ने कहा कि राज्य में कई जगह सैकड़ों की संख्या में विस्थापितों के संगठन बने हुए हैं आज जरूरत इस बात की है कि उन सभी संगठनों से समन्वय कर एक राज्य स्तरीय संघर्ष समिति बनाया जाए जिसमें किसानों के संगठनों महिलाओं और युवाओं के भी संगठनों को शामिल कर एक चरणबद्ध आंदोलन की शुरूआत की जाए।

महामंत्री साथी राम कृष्णा पासवान ने लिखित प्रस्ताव रखे, जिस पर साथी सुरेश प्रसाद गुप्ता सीटू राज्य पदाधिकारी, साथी राजेन्द्र प्रसाद राजा सीटू राज्य पदाधिकारी, साथी भारत भूषण सीटू राज्य पदाधिकारी, साथी प्रह्लाद महतो बीसीकेयू केंद्रीय कमिटी, साथी विश्वनाथ बनर्जी किसान सभा राज्य पदाधिकारी, साथी सबूर गोराई बीसीकेयू लोदना एरिया, साथी सपन बनर्जी जेसीएमयू व सीटू जिला सचिव, साथी गौतम प्रसाद ठीका मजदूर यूनियन सिंदरी, साथी भगवान दास पासवान संयोजक नागरिक एकता मंच लोदना, साथी सुनील झारखंड परिवहन मजदूर यूनियन, साथी जियाउल रहमान झरिया कोल्डफील्ड बचाओ समिती, साथी मनोज पासवान ठीका मजदूर बीसीकेयू, साथी राजीव बोस स्टॉफ कोऑर्डिनेशन, साथी नौशाद अंसारी डीवाईएफआई जिला सचिव, साथी लिलामय गोस्वामी, निरंजन महतो, पशुपतिनाथ देव, देवरंजन दास, मलय चंद महतो, प्रभाष सिंह, आनन्द लाल महतो, पतिक पावन मांझी, जितेंद्र निषाद, दलगोविंद गोविंद सिंह, रविंद्र प्रसाद, लक्ष्मी टुडु, संजय महतो, शिबू मांझी, जगदंबो महतो, रंजित यादव, मोतीलाल हेंब्रम, सुरेंद्र पासवान मुख्य रूप से प्रस्ताव पर चर्चा कर प्रतिवेदन को समर्थन किया। कन्वेंशन की अध्यक्षता सीटू जिला अध्यक्ष साथी आनंदमय पाल, सीटू कार्यकारी अध्यक्ष साथी नकुल चंद महतो, शिव बालक पासवान, हराधन रजवार, शिव कुमार सिंह, दिलीप चक्रवर्ती, योगेंद्र महतो तथा तुलसी रवानी की अध्यक्ष मंडली ने किया। कन्वेंशन को सफल करने में शंकर पासवान, कुंदन, प्रजा पासवान धर्मेंद्र राय, मधुसूदन बनर्जी तथा कई अन्य साथी शामिल थे।

चिरकुंडा थाना क्षेत्र में बढ़ी गाय चोरी की घटनाएं

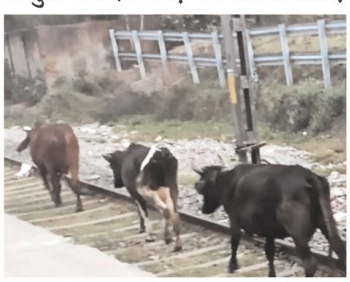

निरसा (ससे) : चिरकुंडा थाना क्षेत्र में इन दिनों गायों की चोरी काफी बढ़ गई है। अगर अब गाय के मालिक अपने अपने गायों को बांध कर नहीं रखेगें व सावधानी नहीं बरती तो कभी भी उनकी गायों की चोरी हो सकती है। पिछले बुधवार की रात में कुमारधुबी कोलियरी स्थित माया नगरी स्थित चंदन यादव के गोहाल में बंधी गाय चोरों ने चोरी कर ली। वहीं कुछ दिन पूर्व पूना यादव का गाय चोरी हो गई।

पूना यादव की गाय रात में गाय चर कर नहीं आई। उसने समझा कि कभीकभी उसकी अपने पुराने मालिक के घर पर चली जाती है। लेकिन काफी खोजबीन के बाद पता चला कि उस रात कुछ लोग एक गाय को टेंपों में लाद कर ले गए। अब रात में गाय चोर सक्रिय हो गए है। पहले कोलियरी क्षेत्रों में आवारा किश्म की जंगली गाएं चरती नजर आती थी। लेकिन अब क्षेत्र में गाय व सांढ़ काफी कम नजर आते।

कहीं न कहीं सभी गाएं चोरों के शिकार हो गए। इस क्षेत्र में सबसे अधिक सुविधा है कि गाय चोर गायों की चोरी कर बराकर नदी टपा कर बंगाल लेकर चले जाते है। जहां से गायों को वाहनों पर लादकर कसाई आसानी से उन्हें भेज देते है। क्योंकि बंगाल में गो वंश की तस्करी पर कोई रोक नहीं है। जिसका फायदा गो वंश चोर उठा रहे है।

विधायक रागिनी सिंह ने उपायुक्त से की मुलाकात

जोड़ापोखर (ससे) : झरिया में ११२ करोड़ की लागत से झमाडा विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य में

अनियमितता बरते जाने को लेकर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने धनबाद जिला उपायुक्त माधवी मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें इस गंभीर विषय से अवगत कराया। वहीं उन्हें धीमी गति से चला रहे कार्य पर अपनी आपत्ति जताई और जल्द से जल्द कार्य को पूरा किए जाने की मांग रखी। वही संवेदक द्वारा कार्य में किए जा रहे धांधली के प्रति अपना रोष व्यक्त कर निष्पक्ष जांच की मांग की। वही योजना निधि फंड का नगर निगम विभाग द्वारा खर्च का विवरण नहीं देने और निरीक्षण के वक्त कार्यस्थल पर अधिकारियों की मौजूदगी न होने पर अपनी आपत्ति जताते हुए सभी बातों से उपयुक्त श्रीमती मिश्रा को अवगत करा विभागीय कार्रवाई की मांग की। उन्होंने बताया कि वो इस मामले को सदन में उठाएंगी। वही पाथरडीह माटडीह बस्ती में वर्षों से रुके रेलवे अंडरपास के कार्य को शुरू किए जाने को लेकर अपनी बात रखी। माडा में रखे गए सिक्योरिटी फंड को जल से संबंधित कार्य को पूरा किया जाने को लेकर अपनी बात रखी।

महेशपुर कोलियरी में पुनः चालू होगी आउटसोर्सिंग कंपनी

बाघमारा (ससे) : बीसीसीएल एरिया ३ के महेशपुर कोलियरी में बंद पड़ी आउटसोर्सिंग कंपनी को फिर से चालू करने की तैयारी में है। इसको लेकर बीसीसीएल प्रबंधक ने सिनीडीह मेन रोड से लेकर हरदेव नगरी, मछली पटी, ७५ क्वार्टर, बती घर ऊपर धौड़ा, सुरेंद्र मार्केट, नदी किनारे, रह रहे लोगों के नोटिस जारी कर जगह खाली करने को कहा है। लोगों का कहना है कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए प्रबंधन द्वारा जगह छोड़ने की चिट्ठी दी जा रही है। बीसीसीएल लोगों को मानसिक टॉर्चर कर रहे हैं। आउटसोर्सिंग साल भर के लिए आता है और जगह को बर्बाद करके चला जाता है। मजदूरों को कहना है कि हम सभी मजदूर कहीं नहीं जाएंगे वहीं रैयतों को अभी तक मुआवजा एवं नौकरी बीसीसीएल नहीं दिया है जमीन का बिना अधीग्रहण किए जमीन को बर्बाद कर दिया है। जिन विस्थापितों को टुण्डु स्टेशन के बगल में बसाया गया था उनको अभी तक कंपनी के द्वारा पानी आदि की कोई सुविधा नहीं दिया गया है।

सिंगर ददलानी ने किया समय रैना का बचाव, महाकुंभ में हुई मौतों का किया जिक्र

नई दिल्ली (ईएमएस) : समय रैना का शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवादों में घिरा हुआ है। इस शो पर यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के एक विवादित कमेंट पर उठा बवाल थम नहीं रहा है। कोर्ट के निर्देशों के बाद समय रैना को यूट्यूब से विवादित एपिसोड के साथ ही सारे एपिसोड भी डिलीट करना पड़े और इस मामले में सुनावई पूरी न होने तक समय रैना, रणवीर इलाहाबादिया समेत कई यूट्यूबर्स को कंटेट पोस्ट करने की इजाजत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए रणवीर को जमकर फटकारा था।

इस मामले के तूल पकड़ते ही बॉलीवुड जगत और सोशल मीडिया के सितारे दो हिस्सों में बंट गए। एक सेक्शन ने रणवीर के कमेंट और समय के शो को अश्लील बताया तो वहीं दूसरी तरफ पूनम पांडे, भारती सिंह जैसे सेलेब्रिटीज ने समय रैना का बचाव किया है और लोगों से उन्हें माफ करने की अपील की है। अब कॉमेडियन समय रैना का बचाव करने वालों की सूची में बॉलीवुड के मशहूर कंपोजर और सिंगर विशाल ददलानी का नाम भी शामिल हो गया है।

विशाल ददलानी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस मामले में अपनी राय दी है उन्होंने लिखा कि सरकार इंडियाज गॉट लेटेंट के विवाद को जानबूझकर बढ़ावा दे रही है ताकि वह सोशल मीडिया के कंटेंट पर शिकंजा कस सके। इसके साथ ही ददलानी ने लिखा कि यह सरकार की तरफ से महाकुंभ में हुई मौतों के मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए सोचीसमझी साजिश है। ददलानी ने कॉमेडियन समय रैना का सपोर्ट किया और इस बवाल को सरकार का एजेंडा बताया है। उन्होंने अपने लंबे पोस्ट के जरिए लोगों पर भी गुस्सा निकाला। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई स्टोरी में लिखा-'आप समय रैना को रोजसेज परेशान करेंगे या फिर एक बार में ही इस पाखंडी ड्रामा को बंद कर देंगे। ये सरकार ऑनलाइन कंटेट पर पाबंदी लगाने की कोशिश कर रही है। उनके ये प्रयास असफल हो रहे हैं, लेकिन वह समय रैना को निशाना बनाकर अपना मकसद पूरा करना चाहते हैं। उन्होंने आगे लिखा- हमारी मासूमअनपढ़ जनता टीवी पर दिखाई जा रही इन बातों में आ जाती है। आप अपनी ही अभिव्यक्ति की आजादी गंवा देंगे। महाकुंभ में हुई मौतों का क्या..उनके बारे में कौन बात करेगा। बता दें, सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया के देश छोड़कर जाने पर रोक लगा दी है। वहीं, समय रैना फिलहाल कनाडा और अमेरिका में अपना शो अनफिल्टर्ड कर रहे हैं।

घूमने जा रहे छात्रों की बस अचानक पलटी

मुन्नार (ईएमएस) : केरल के मट्टुपेट्टी के इको प्वाइंट पर एक बस के पलट जाने से उसमें सवार तमिलनाडु की दो लड़कियों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई जबकि ३० से ज्यादा लोग घायल हो गए है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना उस उस समय हुई जब कन्याकुमारी से मुन्नार घूमने छात्रों को ले जा रही पर्यटक बस पलट गई। इस दुर्घटना में दो लड़कियों और एक लड़के समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान आदिका (१९), वेनिका (१९) और सुथन (१९) के रूप में हुई है। ये सभी कन्याकुमारी जिले के नागरकोइल स्थित स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज में पढ़ते थे। पुलिस ने बताया कि बस में कम से कम ४७ छात्र सवार थे जिनमें से कम से कम ३० घायल हो गए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा संदेह है कि बस की रफ्तार ज्यादा होने से वह पलट गई। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि अन्य को पास के ही अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज जारी है।

अंधेरी गेस्ट हाउस में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने किया पर्दाफाश

मुंबई (ईएमएस) : मुंबई पुलिस ने अंधेरी इलाके में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने यहां से एक नाबालिग लड़की का रेस्क्यू किया है, जिसका शोषण किया जा रहा था। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सहार पुलिस को अंधेरी इलाके के मरोल में एक गेस्ट हाउस में वेश्यावृत्ति की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस ने गेस्ट हाउस में छापा मारा। जहां एक नाबालिग का रेस्क्यू किया। नाबालिग को पैसों का लालच दिया गया था। जांच में पता चला कि आरोपी नाबालिग लड़कियों को विदेशी पुरुषों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करते थे। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार लोगों की पहचान सलमान और जबरूल के रूप में हुई है। आरोपियों में से एक गेस्ट हाउस का मैनेजर है। पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर लड़कियों को फंसाते थे और उन्हें वेश्यावृत्ति में धकेल देते थे।

सर! ऐसी गोली बताएं जिससे की सास को मार सकूं

बेंगलुरु (ईएमएस) : कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक महिला ने अपनी सास की हत्या करने के लिए डॉक्टर से गोलियों की मांग की। हालांकि बाद में उसने कारण बदल दिया। इस घटना से परेशान डॉक्टर ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने महिला को पूछताछ के लिए थाने बुलाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी बेंगलुरु के डॉक्टर सुनील कुमार को एक महिला ने मैसेज भेजा कि वह अपनी सास को मारने के लिए गोलियां लेना चाहती है। इसकी शिकायत के लिए डॉक्टर पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने पुलिस से महिला की पहचान करने और कार्रवाई की मांग की। हालांकि डॉक्टर की और से आपत्ति जताए जाने के बाद महिला ने तुरंत मैसेज डिलीट कर दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टर ने जो बताया कि वह बहुत हैरान करने वाला है। डॉक्टर ने कहा हम कैसे समय में रह रहे हैं, जहां एक महिला गोलियां देकर अपनी सास को मारने के लिए डॉक्टर की मदद मांग रही है। डॉक्टर ने महिला से साफ कह दिया था कि डॉक्टर जीवन बचाने के लिए हैं, किसी की जिंदगी लेने के लिए नहीं। जब उन्होंने महिलस से ऐसा कहा तो महिला ने मैसेज डिलीट कर दिए। हालांकि, डॉक्टर ने मैसेज के स्क्रीनशॉट ले लिए और पुलिस को दिए हैं। डॉक्टर ने बताया कि उनके पास एक मैसेज आया। जो कन्नड़ भाषा में लिखा था और पहले कहा था कि वह कुछ पूछना चाहती है। इसके बाद मैसेज में लिखा कि आप डॉटेंगे तो नहीं। इसके बाद महिला ने पूछा कि कुछ टैबलेट बता दें ताकि उम्रदराज सास को मौत की नींद सुला सके। उन्होंने बताया कि उसकी सास ७० साल की हैं और उसे परेशान करती हैं। डॉक्टर की शिकायत के बाद पुलिस ने महिला को पूछताछ के लिए थाने बुलाया। पुलिस के मुताबिक पति के साथ थाने पहुंची महिला ने कहा कि वह आत्महत्या करना चाहती थी। उन्होंने कहा कि अगर वह डॉक्टर से खुद को मारने के लिए टैबलेट पूछती तो वह मना कर देते।

संपादकीय | राजनीति पर अपराध का बढ़ता दाग चिंताजनक

राजनीति को अपराध के दाग से मुक्त करने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है लेकिन जिस तरह से राजनीति में लगातार दागी लोग चुनकर आ रहे हैं, उससे लगता है कि इस मांग का हश्र चिकने घड़े पर पानी डालने जैसा ही हो रहा है. चुनाव अधिकार निकाय 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के अनुसार दिल्ली में हाल ही में शपथ लेने वाले सात मंत्रियों में से मुख्यमंत्री सहित पांच ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं.

इनमें से एक मंत्री आशीष सूद पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं. यह सच है कि जनप्रतिनिधियों या जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुकों पर राजनीतिक विद्वेष के चलते भी आरोप लगाकर आपराधिक मामले दर्ज कराए जाते हैं लेकिन यह कहावत भी गलत नहीं है कि बिना आग के धुआं नहीं उठता है. मामूली अपराधों तक तो फिर भी ठीक है लेकिन गंभीर अपराध बेबुनियाद दर्ज होने की बात हजम नहीं होती.

राजनीति का यह दुर्भाग्य ही है कि इसके बावजूद राजनीतिक दल चुनाव में मामूली अपराध के मामले तो दूर, कई बार दुर्दांत अपराधियों को भी टिकट देने से हिचकते नहीं हैं. हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में राजनीति के अपराधीकरण पर एक रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें बताया गया कि 543 लोकसभा सांसदों में से 251 (46 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं. इनमें से 170 सांसदों पर तो ऐसे गंभीर अपराधों के आरोप हैं जिनकी सजा 5 साल या उससे ज्यादा की कैद हो सकती है.

यही नहीं बल्कि विगत एक जनवरी तक मौजूदा या पूर्व विधायकों के खिलाफ 4,732 आपराधिक मामले लंबित हैं.

ये आंकड़े राजनीति के अपराधीकरण की गंभीरता को दर्शाते हैं. चिंताजनक बात यह है कि यह आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है. पिछली लोकसभा में 514 लोकसभा सदस्यों में 225 (44 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले होने की घोषणा चुनावी हलफनामों में की थी, जिनमें 29 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे. वर्ष 2004 में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सांसदों की संख्या 128 थी जो वर्ष 2009 में 162 और 2014 में बढ़कर 185 हो गई.दरअसल राज्यों की विधानसभाओं और देश की संसद में जब दागी सदस्यों की संख्या बढ़ती है तो निचले स्तर के निर्वाचनों पर भी इसका बुरा असर पड़ता है. वर्ष 1993 में वोहरा समिति की रिपोर्ट और वर्ष 2002 में संविधान के कामकाज की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि भारतीय राजनीति में गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों की संख्या बढ़ रही है.

हालांकि जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 दोषी राजनेताओं को चुनाव लड़ने से रोकती है, लेकिन ऐसे नेता जिन पर केवल मुकदमा चल रहा है, वे चुनाव लड़ने के लिए स्वतंत्र होते हैं. इसलिए राजनीति को अपराधमुक्त करने का दायित्व राजनीतिक दलों और उनके नेताओं का ही है और उन्हें ही तय करना होगा कि यह काम कैसे करना है.

भूकंप की सटीक चेतावनी पर क्यों बंधे हैं हाथ?

अभिषेक कुमार सिंह

देश में अब चक्रवाती तूफान वैसी आपदा नहीं लाते हैं, जैसी वे आज से डेढ़-दो दशक पहल लाते थे. इसकी वजह यह है कि हमारे मौसम विभाग ने उपग्रहों, रडारों और चेतावनी देने वाली सूचनाओं के संग्रहण तथा विश्लेषण का एक सटीक तंत्र इस संबंध में विकसित कर लिया है. इससे चक्रवाती तूफान की चाल, हवाओं के वेग और बारिश की मात्रा आदि का सही अनुमान पेश कर चिह्नित इलाकों से आबादी को हटाने का प्रबंध किया जा सकता है. लेकिन भूकंप के मामले में ऐसा नहीं है. 17 फरवरी को पहले तो देश की राजधानी दिल्ली-एनसीआर इलाके में और फिर बिहार के सिवान में भूकंप के झटके दर्ज किए गए. रिक्टर स्केल पर एक जैसी तीव्रता यानी चार की शक्ति वाले भूकंप से जानमाल का कोई नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन इसे एक चेतावनी की तरह लिया गया है. वजह यह है कि एक महीने पहले ही तिब्बत में आए भूकंप से भारी विनाश हुआ था. साथ ही, भारत के पूरे हिमालयी क्षेत्र और उससे सटे इलाकों में भारी भूकंप की भविष्यवाणियां अतीत में की जा चुकी हैं. हालांकि बड़ा सवाल यह है कि जब भी कोई भूकंप आता है, न तो जनता और न ही इससे जुड़े तंत्र को इसका कोई पूर्वानुमान होता है. अहम सवाल यह है कि जब धरती और उसके वातावरण से जुड़े हरेक परिवर्तन को हमारे उपग्रह और तमाम सिस्टम हर क्षण दर्ज कर रहे हैं, तो उससे भूकंप की पूर्व सूचना क्यों नहीं मिल पा रही है? उल्लेखनीय है कि एक महीना पहले जनवरी, 2025 में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के डेढ़ सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक नई योजना- मिशन मौसम का आरंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों से भूकंप का सटीक पूर्वानुमान लगाने और चेतावनी देने वाली प्रणाली विकसित करने का आह्वान किया था. आह्वान का उद्देश्य यह था कि यदि हमारा तंत्र चक्रवात आदि मौसमी गतिविधियों का सटीक पूर्वानुमान लगा सकता है तो भूकंप को पहले से भांपने में क्या अड़चन है. वैसे तो इस सिलसिले में कुछ छिटपुट प्रयास सरकारी सिस्टम की ओर से किए जाते रहे हैं. जैसे, वर्ष 2023 में सरकार की ओर से आपदा प्रबंधन की तैयारियों के सिलसिले में दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने देश भर की जनता को मोबाइल फोन पर सचेतक संदेश (अलर्ट मैसेज) भेजने का देशव्यापी प्रयोग किया था. बताया गया कि सरकार यह व्यवस्था राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ मिलकर लोगों को भूकंप, सुनामी और बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं के बारे में समय रहते सचेत करने के लिए बना रही है. लेकिन यह एक विरोधाभास ही है कि एक तरफ इस तरह का सिस्टम बन रहा था, तो दूसरी तरफ उसी दौरान दिल्ली-एनसीआर समेत तकरीबन पूरे उत्तर भारत ने दो भूकंपों का सामना किया, पर इस सिस्टम से कोई चेतावनी नहीं मिली.

आज का कार्टून

एयर इंडिया के बदइंतजामी पर भड़के शिवराज टूटी और धंसी हुई सीट पर जताई नाराजगी

तीस्ता प्रोजेक्ट में चीन शामिल, भारत की बढ़ेंगी मुश्किलें?

"भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद का मुख्य मुद्दा तीस्ता नदी का बांग्लादेश में कम वर्षा वाले मौसम में प्रवाह है. बांग्लादेश के 2,800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से होकर सिक्किम के मैदानों से होकर बहती है. अपनी कुल 414 किलोमीटर की लंबाई में से तीस्ता नदी लगभग 151 किलोमीटर सिक्किम से, लगभग 142 किलोमीटर पश्चिम बंगाल से और अंतिम 121 किलोमीटर बांग्लादेश से होकर बहती है. बांग्लादेश में तीस्ता बैराज के ऊपर, दलिया में नदी का औसत ऐतिहासिक प्रवाह 7932.01 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड (क्यूमेक) अधिकतम और 283.28 क्यूमेक न्यूनतम था. 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान भारत और बांग्लादेश तीस्ता जल मुद्दे पर एक समझौते पर पहुंचने के करीब था. लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, मनमोहन सिंह के साथ नहीं थीं. अंतिम समय में समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सका. बनर्जी इस समझौते के खिलाफ हैं, क्योंकि उनका मानना है कि तीस्ता नदी का पानी तेजी से घट रहा है. यह नदी उत्तरी पश्चिम बंगाल में 1.20 लाख हेक्टेयर अत्यधिक कृषि योग्य भूमि की सिंचाई की सुविधा प्रदान करती है."

अरुणिम भुयान

बांग्लादेश एक बार फिर तीस्ता नदी प्रबंधन परियोजना में मदद के लिए चीन की ओर रुख कर रहा है. इसके बाद भारत की मुश्किल बढ़ सकती है. यह बात तब सामने आई है जब भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता जल बंटवारे के मुद्दे पर अभी तक समझौता नहीं हुआ है. अब जब बीजिंग को सक्रिय रूप से भागीदार के रूप में माना जा रहा है, तो भारत को बांग्लादेश के साथ अपने राजनयिक संबंधों को संतुलित करने और क्षेत्र में चीन की बढ़ती उपस्थिति का मुकाबला करने की चुनौती का सामना करना पड़ सकता है.

29 जनवरी को बांग्लादेश जल विकास बोर्ड (बीडब्ल्यूडीबी) और चीन की सरकारी स्वामित्व वाली पावरचाइना ने तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन एवं पुनरुद्धार परियोजना (टीआरसीएमआरपी) को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस सौदे के तहत पावर चाइना दिसंबर तक एक रिपोर्ट तैयार करेगी. 2026 में इसका अध्ययन करेगी. इसके बाद तीस्ता परियोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा. डेली स्टार ने पर्यावरण सलाहकार सईदा रिजवाना हसन के हवाले से कहा, हमने परियोजना के तहत दो कार्यों को पूरा करने के लिए चीन को दो साल का समय देने पर सहमति जताई है.

ढाका स्थित नागरिक समाज संगठन रिवराइन पीपल के महासचिव शेख रोकोन ने ईटीवी भारत को फोन पर बताया, पावर चाइना ने जो मास्टर प्लान बनाया था, उसकी समय सीमा दिसंबर 2024 में समाप्त हो गई है. अंतरिम सरकार ने एमओयू के विस्तार के लिए चीन के सामने दो शर्तें रखी हैं. पहली यह कि मास्टर प्लान दिसंबर 2026 तक अंतिम रूप दे दिया जाना चाहिए. दूसरी यह कि जन सुनवाई की जानी चाहिए ताकि नदी के किनारे रहने वाले लोग अपनी चिंताओं और अपेक्षाओं को व्यक्त कर सकें. रोकोन का मानना है कि टीआरसीएमआरपी के कार्यान्वयन से पहले यह महत्वपूर्ण है कि नई दिल्ली और ढाका लंबे समय से लंबित द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करें, क्योंकि भारत ऊपरी तटवर्ती देश है. उन्होंने बताया, भारत और बांग्लादेश में तीस्ता नदी पर 70 किलोमीटर के दायरे में दो बैराज हैं. भारत (पश्चिम बंगाल) में गजोल्डोबा बैराज है जो देश के अलग-अलग इलाकों में जाने वाली नहरों में पानी को मोड़ता है. बांग्लादेश में दुअनी बैराज पानी की कमी के कारण लगभग काम नहीं कर रहा है. हालांकि बांग्लादेश ने टीआरसीएमआरपी के कार्यान्वयन के लिए चीन से पुनः संपर्क किया है, तथापि रोकोन का मानना ??है कि मास्टरप्लान अंततः बहुपक्षीय होना चाहिए.

बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था और राजनीति के एक भारतीय विशेषज्ञ के अनुसार, परियोजना के लिए ढाका द्वारा दोबारा बीजिंग से संपर्क करना नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय होगा. नाम न बताने की शर्त पर विशेषज्ञ ने ईटीवी भारत को बताया, तीस्ता नदी बेसिन चिकन नेक के बहुत करीब है, जो पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों और भूटान के डोकलाम क्षेत्र से जोड़ता है. हम बांग्लादेश से कह रहे हैं कि वह इस परियोजना को लागू करने के लिए चीन के साथ आगे न बढ़े. मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि ढाका और बीजिंग के बीच नवीनतम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद चीनी अधिकारी पहले से ही परियोजना स्थल पर मौजूद हैं. हिमालय से निकलने वाली और सिक्किम तथा पश्चिम बंगाल से होकर असम में ब्रह्मपुत्र नदी (बांग्लादेश में जमुना नदी) में विलय होने वाली तीस्ता नदी के जल का बंटवारा भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद है. तीस्ता नदी सिक्किम के लगभग पूरे मैदानी इलाके को कवर करने के साथ-साथ बांग्लादेश के लगभग 2,800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को भी कवर करती है. पश्चिम बंगाल के लिये भी तीस्ता नदी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी सिक्किम और बांग्लादेश के लिये. पश्चिम बंगाल के आधा दर्जन ज़िलों की जीवन रेखा मानी जाती है.

भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद का मुख्य मुद्दा तीस्ता नदी का बांग्लादेश में कम वर्षा वाले मौसम में प्रवाह है. बांग्लादेश के 2,800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से होकर सिक्किम के मैदानों से होकर बहती है. अपनी कुल 414 किलोमीटर की लंबाई में से तीस्ता नदी लगभग 151 किलोमीटर सिक्किम से, लगभग 142 किलोमीटर पश्चिम बंगाल से और अंतिम 121 किलोमीटर बांग्लादेश से होकर बहती है. बांग्लादेश में तीस्ता बैराज के ऊपर, दलिया में नदी का औसत ऐतिहासिक प्रवाह 7932.01 क्यूबिक मीटर प्रति सेकंड (क्यूमेक) अधिकतम और 283.28 क्यूमेक न्यूनतम था. 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की ढाका यात्रा के दौरान भारत और बांग्लादेश तीस्ता जल मुद्दे पर एक समझौते पर पहुंचने के करीब था. लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, मनमोहन सिंह के साथ नहीं थीं. अंतिम समय में समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो सका. बनर्जी इस समझौते के खिलाफ हैं, क्योंकि उनका मानना है कि तीस्ता नदी का पानी तेजी से घट रहा है. यह नदी उत्तरी पश्चिम बंगाल में 1.20 लाख हेक्टेयर अत्यधिक कृषि योग्य भूमि की सिंचाई की सुविधा प्रदान करती है.

हसीना की जून 2024 की यात्रा के बाद, दोनों पक्षों द्वारा जारी एक संयुक्त दस्तावेज़ में कहा गया कि हमारे द्विपक्षीय संबंधों में जल संसाधन प्रबंधन के महत्व को पहचानते हुए, हम संयुक्त नदी आयोग की सिफारिशों के आधार पर डेटा के आदान-प्रदान को प्राथमिकता देने और अंतरिम जल बंटवारे के लिए रूपरेखा तैयार करने में लगे रहेंगे. हम 1996 की गंगा जल बंटवारा संधि के नवीनीकरण के लिए चर्चा शुरू करने के लिए एक संयुक्त तकनीकी समिति के गठन का स्वागत करते हैं. हमारे विकास सहयोग के हिस्से के रूप में, हम आपसी सहमति से तय समय सीमा के भीतर भारतीय सहायता से बांग्लादेश के अंदर तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन का भी काम करेंगे.

तीस्ता नदी अपने क्षेत्रों में सिंचाई, पीने के पानी और जैव विविधता के पोषण के लिए महत्वपूर्ण है. हालांकि, नदी को मौसमी जल की कमी, अवसादन और प्रदूषण जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. जिससे इसका संरक्षण और प्रबंधन बांग्लादेशी सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन जाता है. बांग्लादेश सरकार द्वारा जल संसाधन प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र बहाली, प्रदूषण नियंत्रण और सामुदायिक सहभागिता के लिए टीआरसीएमआरपी की शुरुआत की गई थी. इसके उद्देश्यों में कृषि, औद्योगिक और घरेलू उपयोग के लिए पानी का एक स्थायी और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना है.बांग्लादेश सरकार ने चीन के साथ मिलकर तीस्ता नदी के लगातार जल संकट को दूर करने के लिए टीआरसीएमआरपी की शुरुआत की. 2016 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बांग्लादेश यात्रा के दौरान, बीजिंग ने 24 बिलियन डॉलर मूल्य के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर प्रतिबद्धता जताई. जिसमें नदी प्रबंधन पर केंद्रित एक समझौता ज्ञापन के साथ-साथ आपसी लाभ और समानता पर आधारित कई अन्य समझौते भी शामिल थे. चीन ने समुद्र और नदी दोनों मोर्चों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के जवाब में भूमि सुधार प्रयासों के लिए तकनीकी सहायता का वादा किया.इन समझौतों के अनुरूप, बांग्लादेश जल विकास बोर्ड और पावरचाइना ने बांग्लादेश में जल क्षेत्र की परियोजनाओं पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए. तीस्ता नदी पर व्यवहार्यता अध्ययन किया गया, जिसके बाद पावर चाइना ने टीआरसीएमआरपी रिपोर्ट प्रस्तुत की. इस रिपोर्ट को बाद में 30 मई, 2019 को मंजूरी दी गई. हालांकि, नई दिल्ली के लिए यह चिंता का विषय था क्योंकि इसे चीन द्वारा भारत के नजदीकी पड़ोस में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में देखा गया. हसीना की यात्रा के बाद, पर्यवेक्षकों का मानना था कि टीआरसीएमआरपी का अध्ययन करने के लिए एक तकनीकी टीम भेजने का निर्णय लेकर भारत ने बांग्लादेश को मात दे दी है. विशेषज्ञ ने कहा, हम जानते हैं कि जब चीनी आएंगे, तो वे जासूसी गतिविधियों में शामिल होंगे. पश्चिम बंगाल, बिहार, पूर्वोत्तर भारत के साथ-साथ भूटान और नेपाल के अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा खतरे होंगे. ढाका में अंतरिम सरकार (अगस्त 2024 में) के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान, बांग्लादेशी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण दे रहा है. अब, एक नया बांग्लादेश-चीन-पाकिस्तान अक्ष बन रहा है.

छत्तीसगढ़ में ट्रिपल इंजन की सरकार...

"सुशासन से समृद्ध छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नीतियां जन-जन के लिए कल्याणकारी और उपयोगी साबित हुई है। लोकतंत्र में जनता के मंशानुरूप और उनके भरोसे को कायम रखकर काम करना कुशल नेतृत्व का परिचायक है। एक के बाद एक लगातार लोकसभा और नगरीय निकाय में मिला बड़ा जनादेश विष्णु देव साय की कुशल रणनीति, साफ नीयत और पारदर्शी शासन व्यवस्था का ही परिणाम है। इन दिनों हर जुबां पर एक ही चर्चा है- सुशासन के दम पर बगिया के लाल विष्णु देव ने कर दिया कमाल।"

संदीप शर्मा

छत्तीसगढ़ में इस समय ट्रिपल इंजन की सरकार है। यह संभव हो सका है प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और सुशासन से। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए उन्होंने संवेदनशीलता के साथ हर वर्ग का ध्यान रखकर नीतियां बनायी। परिणाम सबके सामने है। साय सरकार के 14 महीने की अल्पावधि में ही चहुंओर सांय-सांय काम हो रहा है।

छत्तीसगढ़ की जनता का विश्वास जीतने में विष्णु देव साय कामयाब हुए। नतीजतन, हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। विधानसभा, लोकसभा के बाद अब नगरीय निकायों के चुनाव में भारी सफलता ने विष्णु देव के कुशल नेतृत्व पर मुहर लगा दी है। निश्चय ही ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से अब छत्तीसगढ़ में विकास की गति तेज होगी।

दूरस्थ आदिवासी अंचल जशपुर के बगिया गांव में विष्णुदेव साय का जन्म 21 फरवरी 1964 को हुआ। तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि बगिया का यह लाल, एक दिन छत्तीसगढ़ के मुखिया की महती जिम्मेदारी संभालेंगे। छत्तीसगढ़ के प्रथम निर्विवाद आदिवासी मुख्यमंत्री होने का इतिहास विष्णुदेव साय के नाम पर दर्ज है। उनके सहज, सरल व्यक्तित्व में छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री होने का भाव साफ झलकता है। मृदुभाषी होने के साथ ही प्रशासनिक कसावट को लेकर उनकी छवि ने जन सामान्य का दिल जीत लिया है। वैसे तो पंच से लेकर सरपंच, विधायक, सांसद, केंद्रीय राज्यमंत्री और मुख्यमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर उपलब्धियों भरा है। लेकिन, बीते 14 महीने में मुख्यमंत्री के रूप में उनके द्वारा बनाई गई जनहितैषी नीतियों से सभी वर्ग के लोगों को लाभ मिल रहा है।

विष्णुदेव साय किसान पुत्र हैं। वे किसानों के दुख-दर्द को भलीभांति जानते और समझते हैं। अन्नदाता किसानों की चिंता करते हुए विष्णु देव साय ने सरकार बनते ही सबसे पहले किसानों का दो साल का बकाया बोनस दिया। 3100 रूपये प्रति क्वंटिल की दर से 21 क्वंटिल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी सुनिश्चित की। इससे किसानों के जीवन में खुशहाली आयी है। किसान अब धान की खेती से धनवान बनने की ओर अग्रसर हैं।

कोई भी नागरिक खुले आसमान के नीचे नहीं सोएगा, सबका खुद का आशियाना होगा, इसकी चिंता करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 18 लाख से अधिक जरूरतमंद हितग्राहियों के लिए प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति मुख्यमंत्री बनते ही दी। यह उनकी संवेदनशीलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। इसी तरह माता-बहनों को स्वावलंबी बनाने की दिशा में महतारी वंदन योजना मील का पत्थर साबित हो रहा है। हर महीने करीब 70 लाख महिलाओं के खाते में सीधा एक हजार रूपये जमा होने से उनके जीवन स्तर में बहुत कुछ बदलाव आया है। माताएं-बहनें आत्मनिर्भर हो रहीं हैं।

युवाओं का विश्वास सरकारी व्यवस्था पर से उठने लगा था। पूर्ववर्ती सरकार में पीएससी में हुए बड़े पैमाने पर घोटाले की वजह से युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे थे। युवा, किसी भी देश-राज्य के भविष्य की रीढ़ हैं। पीएससी परीक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन और पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं आयोजित होने से युवाओं का भरोसा जीतने में विष्णु देव साय कामयाब हुए हैं।

छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति को लोकव्यापी और सुगम बनाकर इन्वेस्टर को आकर्षित करने में विष्णु देव साय कामयाब हुए हैं। विकासशील छत्तीसगढ़ में उद्योग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में साय सरकार की नई औद्योगिक नीति निश्चित रूप से मील का पत्थर साबित होगी।

धर्म-कर्म-अध्यात्म, सनातन की रीढ़ हैं। चाहे राजिम कुंभ कल्प को पुर्नप्रतिष्ठित करने की बात हो, या प्रयागराज महाकुंभ में छत्तीसगढ़ पवेलियन बनाकर श्रद्धालुओं को सुविधाएं मुहैया कराने की बात अथवा श्रीराम लला अयोध्या धाम दर्शन योजना से प्रदेश के 20 हजार से अधिक नागरिकों को अयोध्या धाम का दर्शन कराने की बात हो, विष्णु देव ने देवतुल्य जनता का बखूबी ख्याल रखा है।

सुशासन से समृद्ध छत्तीसगढ़ बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नीतियां जन-जन के लिए कल्याणकारी और उपयोगी साबित हुई है। लोकतंत्र में जनता के मंशानुरूप और उनके भरोसे को कायम रखकर काम करना कुशल नेतृत्व का परिचायक है। एक के बाद एक लगातार लोकसभा और नगरीय निकाय में मिला बड़ा जनादेश विष्णु देव साय की कुशल रणनीति, साफ नीयत और पारदर्शी शासन व्यवस्था का ही परिणाम है। इन दिनों हर जुबां पर एक ही चर्चा है- सुशासन के दम पर बगिया के लाल विष्णु देव ने कर दिया कमाल।

अवैध प्रवासी भारत की चुनावी प्रक्रिया में कर रहे हस्तक्षेप

नई दिल्ली,(ईएमएस): उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अवैध प्रवासियों को लेकर दावा किया है कि अवैध प्रवासी देश की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं और इसके प्रति जागरूकता होनी चाहिए। अमेरिकी सरकार की ओर से हाल में अवैध प्रवासियों को भारत भेजने पर उन्होंने कहा कि हरेक भारतीय को पूछना चाहिए कि हमारे देश में यह प्रक्रिया कब शुरू होगी।

धनखड़ ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के ६५वें दीक्षांत समारोह में बोले रहे थे। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोग जिन्हें भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है, वे यहां रह रहे हैं। वे यहां अपनी आजीविका कमा रहे हैं।

धनखड़ ने कहा कि ये लोग हमारे संसाधनों को लेकर मांग कर रहे हैं। हमारी शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र, आवास क्षेत्र को लेकर। वे हमारी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि हम देश में एक ऐसा माहौल बनाएं कि हर भारतीय इसके प्रति सचेत हो। अमेरिका का जिक्र किए बिना उन्होंने कहा कि कुछ देशों ने हाल में उन भारतीय नागरिकों को निर्वासित कर दिया जिन्हें धोखे से वहां ले जाया गया था। धनखड़ ने कहा कि हर भारतीय के मन में यह सवाल आना चाहिए कि हम ऐसा कब शुरू करेंगे?

उपराष्ट्रपति ने कहा कि युवाओं को एक शक्तिशाली समूह के रूप में काम करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों और सरकार से पूछना चाहिए कि क्या वे अपना काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद हमारा धर्म और सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति किसी भी धर्म का पालन कर सकता है, लेकिन प्रलोभन के जरिए धर्मांतरण नहीं करा सकता है। भारत में मतदाता मतदान बढ़ाने के लिए यूएसएआईडी फंडिंग का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अब आधिकारिक खुलासा हुआ है कि चुनावों में हेरफेर करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र में हेरफेर करने की कोशिश करने वालों को बेनकाब करने के लिए गहन और सूक्ष्म स्तर की जांच होनी चाहिए।

उन्होंने औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि देश अपने गौरव को सुनिश्चित कर रहा है, भले ही इसमें देरी हुई हो। धनखड़ ने सलाह दी कि जो छात्र उत्तीर्ण होकर निकल रहे हैं, उन्हें विश्वविद्यालय से अपना जुड़ाव बनाए रखना चाहिए। सामाजिक बदलाव तभी संभव है जब सामाजिक समरसता होगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता विविधता में एकता को परिभाषित करेगी।

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत सीआरपीएफ ने बांटी सामग्रियां

डुमरी (ससे): भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत पीरटांड क्षेत्र अंतर्गत खुखरा थाना के आदिवासी बहुल गांव नावाडीह में सीआरपीएफ की १५४ बटालियन द्वारा खेल सामग्री एवं विभिन्न जीवन उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया। जिसमें सीआरपीएफ के पुलिस महानिरीक्षक साकेत सिंह व पुलिस उप महानिरीक्षक (परिचालनिक रेन्ज बोकारो) ब्रजेश सिंह एवं कमांडेंट सुनील दत्त त्रिपाठी के निर्देशन में सीआरपीएफ की ए/१५४ बटालियन द्वारा सिविक एक्शन कैंप एवं निःशुल्क चिकित्सा हेतु मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नावाडीह, पर्वतपुर, पाण्डेयडीह, बेलाटांड, कुरवों, असुराडीह, विकटपुर और बाघमारी गांवों के ग्रामीण महिला,पुरुष एवं बच्चे उपस्थित थे। मौके पर स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। निःशुल्क वितरण शिविर के संबंध में सीआरपीएफ १५४ बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी द्वारा बताया गया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जो गांव के सामान्य नागरिक हैं उनके साथ सुरक्षा बलों का संबंध और प्रगाढ़ हो,इसके लिए सीआरपीएफ व पुलिस का इन क्षेत्र वासियों के साथ एक प्रभावी संबंध स्थापित करने का कार्य कर रही है। इसी क्रम में खेल का सामान क्रिकेट बैट,फुटबॉल सेट, वॉलीबॉल सेट,सोलर लालटेन, कंबल साथ ही घरेलू आवश्यकता के सामान स्कूल बैग पेंसिल इत्यादि का वितरण किया।इस दौरान सीआरपीएफ १५४ बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी,सीएच थोम्बा सिंह सहायक कमाण्डेट,चिकित्सा अधिकारी डॉ हर्ष झा, ए/१५४ बटालियन के समबाय अधिकारी निरी/ जीडी बी.रामबाबु एवं १५४ बटालियन और गिरिडीह पुलिस सहित सभी बल उपस्थित थे। वही मेडिकल कैम्प के डॉ हर्ष झा ने बताया कि लोगों का समान्य बीमारियों का इलाज हम कर रहे हैं एवं गंभीर बीमारियों के मरीजों को उन्हें उचित परामर्श दिया जा रहा है। सीआरपीएफ १५४ बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी ने मीडिया से अनुरोध किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के साथ बेहतर संबंध बनाने में सहयोग करें, और पुलिस प्रशासन को अपना परिवार समझे जिससे ईलाके मे शांति स्थापित हो सके।इस कार्यक्रम से ग्रामीणो तथा स्कूली बच्चो मे काफी उत्साह देखा गया।

जी एम आर पब्लिक स्कूल में वार्षिक महोत्सव सम्पन्न

बोकारो (ससे):चास प्रखंड के भागाबांध स्थित जी एम आर पब्लिक में काफी धूम धाम से वार्षिक समारोह मनाया गया. मुख्य अतिथि डुमरी विधायक टाइगर जयराम कुमार महतो ने कहा की शिक्षा ही हर क्षेत्र में अपना अलग पहचान बनाती हैं, और विकास मे चार चाँद लगाती हैं. स्कूल के बच्चो द्वारा एकांकी, डांस, लघु नाटक आदि प्रस्तुत करके सभी का मन मोह लिया. उपस्थिति लोगो ने तहे दिल से सराहा और प्रशंसा की. जी एम आर पब्लिक स्कूल के सचिव मृत्युंजय महतो ने कहा की हम अपने कोशिश से शहर की शिक्षा को इस आदिवासी बहुल क्षेत्र में लाने के लिये संकल्परत है. हमारे स्कूल में बी पी एल परिवार के बच्चो को निशुल्क शिक्षा दी जाती हैं. इस स्कूल के प्रचार्या यमुना कुमारी ने कहा कि इस आदिवासी गाँव के विकास में ही हमारी विकास होगी. किसी भी परिवार या समाज के विकास के लिये सबसे पहले शिक्षा का विकास होना सबसे जरूरी है.वार्षिक समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वाली करते हुए संयुक्त रूप से किया गया.

विशिष्ट अतिथि के रूप में - अर्जुन राजवार पूर्व चंदनकियारि विधानसभा प्रत्याशी, उषा देवी पूर्व सिंदरी विधानसभा प्रत्याशी, पनेश्वर कुमार पूर्व रामगढ़ विधानसभा प्रत्याशी, सरोज कुमारी पूर्व बोकारो विधानसभा सभा प्रत्याशी, दीपक रवानी पूर्व बधमारा विधानसभा सभा प्रत्याशी, लक्खी केटियार केंद्रीय महिला मोर्चा सचिव, बोकारों जिला महिला मोर्चा, पूजा कुमारी यूट्रबर. संचालन - विद्या सागर महतो, संजय कुमार और अशोक सिंह चौधरी ने किया_मौके पुर - स्कूल के टीचर्स, बच्चो, अभिभावक और हजारो ग्रामीण उपस्थिति थे.

विधानसभा चुनाव से पहले बिहार को मिलेगा नया जिला : नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार में २०२५ के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले है. इसके लिए सभी दलों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. इस बारे के चुनाव एक मद्दा नए जिले का भी रहने वाले है. दरअसल काफी लंबे समय से बिहार में कुछ नए जिले बनाने की मांग की जा रही है. कई बार नए जिले की मांग को लेकर आंदोलन भी किया लेकिन अब तब बात नहीं बन पाई है. नए जिला बनाने के लिए सबसे आगे बगहा का नाम चल रहा है और सीएम नीतीश कुमार ने बीते दिनों बगहा में कन्वेशन सेंटर के लोकार्पण के दौरान बगहा को जिला बनाने के आश्वासन दिया है.

बता दें कि बगहा को जिला बनाने की मांग २९ सालों से की जा रही है और नीतीश कुमार के आश्वासन के ये उम्मीद जगी है कि विधानसभा चुनाव से पहलेबगहा को भी राजस्व जिला का दर्जा मिल जाएगा. वहीं वाल्मीकिनगर विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह ने भी तब कहा था कि अप्रैल २०२५ तक बगहा को हर हाल में राजस्व जिला बना दिया जाएगा. साल १९९६ में नरकटिया दोन नरसंहार के बाद बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने बगहा को पुलिस जिला बनाया था. जिसके बाद से हुए हर चुनाव में बगहा को राजस्व जिला बनाने की मांग की जा रही है. अगर नीतीश कुमार चुनाव से बगहा को जिला बना देते हैं तो ये गेम चेंजर साबित हो सकता है.

बगहा के लोगों को फिलहाल जिला मुख्यालय बेतिया जाने के लिए ६५ किलोमीटकर की लंबी दूरी तय करनी होती है. ऐसे में नीतीश कुमार अगर विधानसभा चुनाव से पहले बगहा को नया जिला का दर्जा देते हैं तो चुनाव में इसका बड़ा फायदा हो सकता है. बता दें कि वर्तमान समय में बिहार में कुल ३८ जिले हैं. राबड़ी देवी के शासनकाल में २० अगस्त २००१ को अरवल को आखिरी नया जिला बनाया गया था. अब संभावना जताई जा रही है कि २४ सालों बाद बिहार को एक और नया जिला मिलेगा.

दिल्ली विधानसभा में आमने-सामने होंगी दो महिलाएं

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली विधानसभा में अब दो महिलाएं आमने-सामने होंगी। एक ओर बीजेपी ने विधायक रेखा गुप्ता को सीएम बनाया है तो वहीं आम आदमी पार्टी की विधायक आतिशी को नेता विपक्ष बनाया है। रविवार को आप की विधायक दल की बैठक में नेता विपक्ष के लिए पूर्व सीएम आतिशी के नाम पर मुहर लग गई। दिल्ली में बीजेपी के बाद अब आप ने महिला कार्ड खेला है।

इससे पहले आतिशी दिल्ली सरकार में शिक्षा, वित्त, और ऊर्जा जैसी अहम जिम्मेदारियां संभाल रही थीं। पांच महीने जब अरविंद केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा दिया तो आतिशी पर भरोसा जताया गया था। पिछले साल सितंबर में आतिशी ने सीएम पद की शपथ ली थी और सिर्फ पांच महीने में ही वह विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका निभाने को तैयार हैं। बतौर सीएम आतिशी के कामकाज के चलते पार्टी के भीतर भी उनका कद बढ़ा है। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में जब अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज जैसे पार्टी के बड़े नेताओं को हार का सामना करना पड़ा तब आतिशी कालकाजी से अपनी सीट बचाने में कामयाब रही हैं। बीजेपी महिला सशक्तिकरण के मुद्दे को जोर-शोर से उठाती रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों ने महिलाओं के लिए कल्याणकारी योजनाओं का वादा किया था। बीजेपी ने महिलाओं के लिए महिला सम्मान योजना का ऐलान किया है। अब देखना विधानसभा में आतिशी नेता विपक्ष की भूमिका कैसे निभारती हैं।

बाबा निरंजन नाथ शिव मंदिर का वार्षिक महोत्सव आज से

बोकारो (ससे): सेक्टर ६ डी स्थित बाबा निरंजन नाथ शिव मंदिर का ४४वां वार्षिक महोत्सव सोमवार से शुरू हो रहा है। मंदिर के उग्रनाथ झा ने बताया कि महाशिवरात्रि तक चलने वाले इस वार्षिक महोत्सव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ४८ घंटे का अखण्ड हरिनाम महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जिसकी शुरुआत सोमवार को सुबह ८ बजे जल यात्रा से होगी। सोमवार को सुबह ११ बजे से अखण्ड हरिनाम महायज्ञ का शुभारंभ होगा और बुधवार को १२ बजे अखण्ड हरिनाम महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। बुधवार को ही अपराह्न ४ बजे से शिव बारात की भव्य झांकी, रात्रि में भगवान शिव व माता पार्वती का शुभ विवाह एवं प्रसाद वितरण के साथ इस महोत्सव का समापन होगा। उन्होंने सभी भक्तों से इस यज्ञ को सफल बनाने हेतु सहयोग की अपील की है।

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद की पंचायत कमिटी गठित

डुमरी (ससे): खुखरा के तारातांड़ के शिव मंदिर प्रांगण में अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद सह राष्ट्रीय बजरंग दल की एक बैठक आयोजित किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष बिरेन्द्र पांडेय उपस्थित हुए।अध्यक्षता पीरटांड़ प्रखंड उपाध्यक्ष गणेश कुमार साव ने किया।इस दौरान खुखरा पंचायत कमेटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष अजय कुमार तूरी उपाध्यक्ष विक्रम बरनवाल, पंचायत मंत्री सोमनाथ पांडेय सह मंत्री निरंजन मंडल, हनुमान चालीसा केंद्र अध्यक्ष दिनेश बरनवाल, उपाध्यक्ष संतोष कुमार साव मीडिया प्रभारी नीरज कुमार बरनवाल राष्ट्रीय बजरंग दल अध्यक्ष करण कुमार राय उपाध्यक्ष पंकज कुमार राय सदस्य कैलाश कुमार बरनवाल जागेश्वर स्वर्णकार उपेंद्र कुमार साव अशोक ठाकुर दीपक कुमार पवन कुमार बरनवाल शिव यादव को बनाया गया।बैठक में सोमनाथ पांडेय, अशोक ठाकुर,दीपक कुमार,संतोष कुमार साव,शिव यादव,दिनेश राय आदि उपस्थित थे।

लुटेरे कोचिंग सेंटरों पर सरकार का शिकंजा

नई दिल्ली,(ईएमएस) : कोचिंगों में पढ़ाई करने वाले छात्रों को कई बार फीस वापसी को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अब केंद्र सरकार ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए ६०० से ज्यादा छात्रों को १.५६ करोड़ रुपए वापस दिलाने में मदद की है। उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) के मुताबिक सिविल सेवा, इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटरों में इन छात्रों को कोचिंग संस्थानों द्वारा शर्तों का पालन नहीं करने के बावजूद फीस वापस नहीं कर रहा था।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि छात्रों द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के जरिए दर्ज की गई शिकायतों से राहत मिली है। विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से छात्रों को अधूरी सेवाओं, देर से कक्षाओं या रद्द किए गए पाठ्यक्रमों के लिए मुआवज़ा प्राप्त करने में मदद मिली है, जिससे यह तय हुआ है कि उन्हें अनुचित वित्तीय बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अपने निर्देश में सभी कोचिंग सेंटरों को छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया है, जिसमें छात्रों के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट, पारदर्शी रिफंड नीतियों को अनिवार्य बनाया गया है।

मंत्रालय ने यह भी साफ कर दिया है कि वैध रिफंड दावों को अस्वीकार करने को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिक्षण संस्थानों से उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने का आग्रह किया है।

विभाग ने छात्रों को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में शिक्षित करने और अनुचित व्यवहार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन्हें जागरूक करने की बात कही है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन, न्याय पाने की चाहत रखने वाले छात्रों और उम्मीदवारों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित हुई है।

बाबा दूधेश्वरनाथ धाम में महाशिवरात्रि का मंडप पूजन

भागलपुर,(ईएमएस): शहर की हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित बाबा दूधेश्वरनाथ धाम में महाशिवरात्रि की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। इस बार श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और मंदिर को भव्य रूप से सजाने का कार्य अंतिम पड़ाव पर है।

इससे पहले मंदिर समिति के सदस्य रत्नेश कुमार सिंह जानकारी दे चुके हैं कि २५ फरवरी को संध्या सात बजे से मंडप पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद २६ फरवरी को बनारस के प्रसिद्ध पंडितों द्वारा बाबा दूधेश्वरनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी। संध्या सात बजे भव्य शिव बारात निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न प्रकार की आकर्षक झांकियों को शामिल किया जाएगा।

टनल हादसे पर राहुल गांधी ने की सीएम रेड्डी से बात

नई दिल्ली,(ईएमएस): तेलंगाना में टनल का हिस्सा धंसने के बाद ८ मजदूरों को बचाने की जद्दोजहद जारी है। सेना के साथ-साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। ऐसे में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीएम रेड्डी से बात कर सभी को सकुशल बाहर निकालने को कहा है। इस हादसे को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता और सीनियर कांग्रेस लीडर राहुल गांधी ने रविवार को तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से फोन पर बात की। बातचीत में सीएम रेड्डी ने राहुल गांधी को रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान राहुल गांधी ने फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए सभी जरूरी प्रयास करने के लिए कहा है। जानकारी के मुताबिक तेलंगाना के नागरकुरनूल जिले में एसएलबीसी सुरंग में शनिवार सुबह २०० मीटर लंबी टनल बोरिंग मशीन के साथ पहली शिफ्ट में ५० से ज्यादा लोग सुरंग के अंदर गए थे। वह टनल के अंदर १३.५ किलोमीटर तक गए। इसी दौरान सुरंग का एक हिस्सा ढह गया। मशीन के आगे चल रहे २ इंजीनियर सहित ८ लोग वहीं फंस गए। जबकि ४२ कर्मचारी सुरंग के बाहरी गेट की ओर भागे और बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि अचानक पानी के साथ मिट्टी बहकर आने लगी और सुरंग का ऊपरी हिस्सा बैठ गया।

पीएम मोदी आज करेंगे 19वीं किस्त का ट्रांसफर

नई दिल्ली,(ईएमएस): देशभर के किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की १९वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। होली से पहले किसानों के खाते में २४ फरवरी को १९वीं किस्त की रकम मिल जाएगी।

पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को बिहार के भागलपुर से देशभर के किसानों को १९वीं किस्त जारी करेंगे। खासतौर पर गरीब किसानों को फायदा पहुंचाने के इरादे से शुरु की गई इस योजना की से देशभर के करीब ९.८ करोड़ किसानों को २००० रुपये मिलेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री सोमवार को बिहार के भागलपुर में एक समारोह में पीएम-किसान की १९वीं किस्त जारी करेंगे।

विदेश मंत्री जयशंकर 50 देशों के डेलिगेट्स के साथ पहुंचे काशी, छात्रों से करेंगे संवाद

वाराणसी,(ईएमएस): भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर वाराणसी पहुंचे जहां से वह ५० देशों के डेलिगेट्स के साथ बनारस आए हैं। काशी में वह आईआईटी बीएचयू में भावी इंजीनियरों के साथ संवाद करेंगे। इसके पहले जयशंकर ने काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में हिस्सा लिया।

इससे पहले जयशंकर का एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के कर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्वागत किया। यहां से विदेश मंत्री का काफिला बीएचयू रवाना हुआ। जहां वह काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में डेलिगेट्स के साथ पहुंचे। जयशंकर २०० आईआईटीयंस से मुलाकात करेंगे और विश्व बंधु विषय पर अपने विचार को साझा करेंगे। आईआईटी बीएचयू के विभिन्न विभागों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को भी देखेंगे। इसके साथ ही संकाय सदस्य, शोधकर्ताओं से बातचीत कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति पर चर्चा भी करेंगे।

बता दें संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना है। इसके साथ ही विदेश नीति की बारीकियां से उनको अवगत कराना और नए शोध को बढ़ावा देना है। विदेश मंत्री का वाराणसी दौरा आईआईटी बीएचयू के छात्रों के लिए एक अहम माना जा रहा है, जहां वह विदेश नीति, कूटनीति और वैश्विक चुनौतियों पर अपने जिज्ञासाओं को विदेश मंत्री के साथ साझा करेंगे।

हाथरस में सड़क हादसे में घायल की मौत

हाथरस,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश में हाथरस जिले के आगरा रोड पर सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में से तीन भाई-बहन थे। हादसे में तीन छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई थी और एक युवक घायल हुआ था। सादाबाद कोतवाली प्रभारी ने बताया कि हादसे में घायल हुए शहजाद (२४) की आगरा में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके पहले पुलिस ने बताया था कि अलीगढ़ जिले के इगलास थाना क्षेत्र के कजरौठ में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली तीन छात्राएं शहनाज , नर्गिस और पीहू शर्मा की इस हादसे में मौत हो गई थी।

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के लिए 75 जिलों में चलेंगी 24 घंटे बसें

प्रयागराज,(ईएमएस): महाशिवरात्रि की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के सभी ७५ जिलों से रोडवेज बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। यह बसें २४ घंटे चलेंगी। शनिवार को रात नौ बजे तक करीब २२०० बसें चलाई गई। यूपी रोडवेज के सहारनपुर, मेरठ, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, गाजियाबाद, बरेली परिक्षेत्र के लिए शनिवार को बसों की संख्या बढ़ा दी गई। शनिवार को भीड़ को देखते हुए वाराणसी, आजमगढ़, गोरखपुर, देवीपाटन परिक्षेत्र के लिए सर्वाधिक बसें चलाई गई। यात्री प्रदेश के किसी भी हिस्से से आए उन्हें रोडवेज बसें प्रयागराज पहुंचाएंगी। इस बार महाशिवरात्रि पर रोडवेज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाली श्रद्धालुओं के लिए झूंसी से सबसे ज्यादा बसों के संचालन की व्यवस्था की है। इसके अलावा यहां बसों को रिजर्व भी किया जा रहा है। बनारस-गोरखपुर की ओर की बसों का संचालन झूंसी से होगा। लखनऊ के लिए बेला कछार से कानपुर के लिए नेहरू पार्क और मीरजापुर-बांदा आदि के लिए लेप्रोसी में बसें २४ घंटे चलेंगी। यूपी के सभी जिले के अलावा यूपी से सटे आठ राज्यों की सीमाओं से भी बसों का संचालन किया जाएगा।

जैसे ही भीड़ बढ़ेगी आरक्षित बसों को भी मैदान में उतार दिया जाएगा। शनिवार को दिन भर रोडवेज अधिकारी अपनी तैयारियों का जायजा लेते रहे। महाशिवरात्रि के लिए रोडवेज की नौ पार्किंग शहर के बाहर बनाई गई हैं। इसमें तीन पार्किंग यथा बेला कछार प्रथम, द्वितीय व रिजर्व के नाम से रखी गई हैं। नेहरू पार्क बस स्टेशन, झूंसी, दुर्जनपुर, सरस्वती द्वार, लेप्रोसी व सरस्वती हाईटेक सिटी पार्किंग बनाई गई है।

शटल बसों का संचालन प्रत्येक दो मिनट में होगा। इसमें वाराणसी मार्ग पर हबूसा मोड से अंदावा, जौनपुर मार्ग पर फूलपुर से अंदावा व मीरजापुर मार्ग पर सरस्वती हाईटेक सिटी से लेप्रोसी के लिए बस मिलेगी। मीरजापुर मार्ग पर सरस्वती हाईटेक सिटी से पूर्वी सरस्वती हाईटेक पश्चिमी के लिए, चित्रकूट मार्ग पर धनुहा ग्राम से लेप्रोसी व गोहनिया से लेप्रोसी, रीवा मार्ग पर चाकघाट से लेप्रोसी, बेला कछार से भारत स्काउट गाइड के लिए शटल बस मिलेगी।

अयोध्या मार्ग पर शिवगढ़ से भारत स्काउट गाइड, लखनऊ मार्ग पर नवाबगंज से भारत स्काउट गाइड, नेहरू पार्क से कानपुर मार्ग पर पूरामुफ्ती से हिंदू हास्टल के लिए शटल बसों का संचालन किया जाएगा। झूंसी, सरस्वती गेट, नेहरू पार्क, बेला कछार, सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी, लेप्रोसी मिशन बस स्टेशन से रोडवेज बसें यात्रियों को संबंधित रूट के लिए मिलेंगी।

बिहार करें पुकार, आइए निशांत कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार करें पुकार, आइए निशांत कुमार इस नारे के साथ एक पोस्टर पटना में जदयू ऑफिस के गेट पर लगा है. अब सियासी अटकलें तेज हो गई हैं कि सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत की बिहार की राजनीति में एंट्री हो जाएगी. जदयू और सहयोगी दलों के नेता निशांत कुमार की एंट्री पर खुलकर बोलने लगे हैं.

सभी को लगता है कि सीएम नीतीश कुमार खुद निशांत को राजनीति में लाना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है! जो जानकारी हमें सूत्रों से मिली है, उससे तो साफ हो जाता है कि नीतीश निशांत के सियासत में लाने के इच्छुक बहुत कम दिखाई दे रहे हैं. मगर, कोई तीसरा जो निशांत की राजनीतिक एंट्री को लेकर बेचैन हैं? अब सवाल ये कि आखिर कौन हैं? जो चाहता है कि सीएम नीतीश कुमार निशांत की एंट्री को मंजूरी दें. सबकुछ इस ऑर्टिकल में जानने कि कोशिश करेंगे.

दरअसल, पिछले कई दिनों से बिहार में नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की अटकलें लगाई जा रही हैं. निशांत के समर्थन में पोस्ट किया जा रहा है. जदयू के दर्जन भर से ज्यादा सांसद, पूर्व सांसद, विधायक, पूर्व विधायक और पदाधिकारी निशांत के पक्ष में बयान दे चुके हैं. अब जिस तरह से लगातार मीडिया के सामने आकर निशांत कुमार भी बयान दे रहे हैं उससे लग रहा है कि कहीं न कहीं कुछ तो पक रहा है. वैसे पार्टी के नेता आधिकारिक तौर पर निशांत के राजनीति में आने की अटकलें खारिज कर रहे हैं, लेकिन सूत्र बता रहे हैं कि निशांत राजनीतिक खबरों में इन दिनों दिलचस्पी ले रहे हैं. संगठन और सरकार के कामकाज के प्रचार प्रसार को लेकर चल रहे कार्यक्रमों की जानकारी ले रहे हैं. एक नेता ने तो यहां तक बताया है कि मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे नेताओं से उनकी मुलाकात हो रही है. जबकि पहले वो किसी से भी मिलने में झिझकते थे.

मगर, सूत्रों की मानें तो बीजेपी चाहती है कि नीतीश कुमार निशांत की एंट्री को मंजूरी दे. इससे नीतीश कुमार को जल्द सक्रिय राजनीति से दूर करने में मदद मिलेगी. निशांत कुमार अभी सामाजिक रूप से बहुत सक्रिय नहीं हैं. पिछले कुछ सालों से खुद को अध्यात्म पर ज्यादा फोकस कर रखा है. बाकी नेता पुत्रों की तरह ताम झाम में नहीं रहते.

साहिबगंज व भागलपुर स्टेशनों के बीच चलेगी एक विशेष यात्री ट्रेन

भागलपुर (ईएमएस): साहिबगंज और भागलपुर स्टेशनों के बीच एक विशेष यात्री ट्रेन चलाई जाएगी। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, २४ फरवरी को साहिबगंज और भागलपुर स्टेशनों के बीच एक विशेष यात्री ट्रेन चलाई जाएगी। मालदा रेल डिवीजन द्वारा बताया गिया कि, ०३४०५ साहिबगंज - भागलपुर स्पेशल ट्रेन २४ फरवरी को ८ बजे साहिबगंज से रवाना होगी और १० बजे भागलपुर पहुंचेगी और उसी दिन ०३४०६ भागलपुर - साहिबगंज स्पेशल ट्रेन १६.०५ बजे भागलपुर से रवाना होगी और १८.३५ बजे साहिबगंज पहुंचेगी।

यह विशेष रेलगाड़ी दोनों दिशाओं में मार्ग में सभी स्टेशनों पर रुकेगी। इस रेलगाड़ी में अनारक्षित डिब्बे होंगे।

राम मंदिर शिलान्यास से जुड़े कामेश्वर चौपाल के घर चोरी

पटना (एजेंसी): अयोध्या में श्रीराम मंदिर के शिलान्यास में पहली ईंट रखने वाले दिवंगत कामेश्वर चौपाल के पटना स्थित घर में भीषण चोरी हो गई. चोरों ने घर से कैश, जेवरात और कई कीमती सामान समेत करीब ५० लाख की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया. खास बात यह है कि चोरों ने सोने का एक मुकुट भी चुरा लिया, जो संभवत: किसी धार्मिक अनुष्ठान से जुड़ा था.

चोरी की यह घटना पटना के बेउर इलाके के न्यू महावीर कॉलोनी में हुई. वारदात के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, क्योंकि परिवार के सदस्य श्राद्धकर्म के लिए सुपौल गए हुए थे. जब वे रविवार देर रात वापस लौटे, तो घर की हालत देखकर स्तब्ध रह गए. मेन गेट और सभी कमरों के ताले टूटे हुए थे, घर का सामान बिखरा पड़ा था, और अलमारी से कैश व जेवरात गायब थे.कामेश्वर चौपाल की पुत्रवधू मीनाक्षी कुमारी ने बताया कि पिछले कई दिनों से घर बंद था, जिसका चोरों ने फायदा उठाया. चोरी की इस बड़ी वारदात के सामने आने के बाद स्थानीय लोग भी हैरान हैं. आसपास के लोगों ने कहा कि इस इलाके में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इतनी बड़ी वारदात पहली बार हुई है.

घटना की सूचना मिलने के बाद बेउर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. परिवार के सदस्य विद्यानंद विवेक ने थाने में मामला दर्ज कराया है. पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है और कुछ लोगों से पूछताछ भी हो रही है. हालांकि, अब तक किसी आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है. बता दें कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी और बिहार के पूर्व विधान परिषद सदस्य कामेश्वर चौपाल का ६ फरवरी की मध्य रात्रि को दिल्ली में निधन हो गया था.

वे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती थे और लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे. उनके निधन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ , भारतीय जनता पार्टी और विश्व हिंदू परिषद समेत पूरे विचार परिवार में शोक की लहर दौड़ गई थी. संघ ने उन्हें प्रथम कारसेवक का दर्जा दिया था.

निशांत कुमार को राजद ज्वाइन कर लेना चाहिए : तेज प्रताप

पटना (एजेंसी): बिहार की राजनीति में इन दिनों सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के नाम की चर्चा जोरों पर है. संभावना जताई जा रही है निशांत कुमार होली के बाद सक्रिय राजनीति में एंट्री कर सकत हैं और चर्चा तो ये भी है कि साल के अंत में होने विधान सभा चुनाव में उन्हें चुनावी मैदान में भी उतारा जा सकता है. नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की चर्चाओं के बीच लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने बड़ा बयान दिया है. तेज प्रताप यादव ने कहा कि निशांत कुमार को राजद ज्वाइन कर लेना चाहिए.

तेज प्रताप यादव ये भी कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार की जनता को ठगने का काम किया है. उन्होंने चंद्रवंशी समाज को भी ठगने और तोड़ने का काम किया है. जनता अब इनकी एक नहीं सुनने वाली है. दरअसल, लालू प्रसाद यादव के बेटे और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव ने एक कार्यक्रम के दौरान उनकी फैन फॉलोइंग के बारे में पुछा गया तो उन्होंने कहा कि फैन फॉलोइंग तो मेरी ही बढ़ेगी पलटूराम की नहीं बढ़ेगी. वहीं नीतीश कुमार के बेटे निशांत कांर की राजनीति में एंट्री को लेकर जब तेज प्रताप यादव से सवाल किया गया तो उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा कि नीतीश कुमार के बेटे को राजद जॉइन कर लेनी चाहिए. इतना कहकर वो कार में बैठ कर आगे बढ़ गए.

बता दें कि बिहार में होने वाला विधानसभा का चुनाव बेहद खास होने वाला है. इससे पहले तेज प्रताप यादव ने भविष्यवाणी करते हुए तेजस्वी यादव को सीएम बनने की बात ही थी. तेज प्रताप यादव ने कहा था कि तेजस्वी यादव बिहार के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं और पलटू राम की गद्दी जल्द ही छूटने वाली है. ये मेरी भविष्यवाणी है कि तेजस्वी यादव बिहार का अगला सीएम बनने जा रहे हैं.

पाककी हार और इंडिया की जीत के लिए हवन

पटना (एजेंसी): आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी २०२५ के तहत दुबई में रविवार को भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच मुकाबला है. इसे लेकर बिहार के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह चरम पर है. भारत की जीत की कामना को लेकर पटना सहित प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पूजा-अर्चना, हवन कीर्तन किया जा रहा है.

वहीं, इस मैच को देखने के लिए भी कई स्थानों पर विशेष व्यवस्था की गई है. मैच को लेकर कहीं बड़ी स्क्रीन पर लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था की जा रही है, तो कहीं भारत की जीत के लिए पूजा-पाठ और हवन हो रहे हैं. पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, दरभंगा समेत कई जिलों में क्रिकेट प्रेमी खास आयोजन कर रहे हैं. पटना के कई कैफे और रेस्टोरेंट में बड़ी स्क्रीन पर लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था की गई है. कई जगहों पर स्टूडेंट्स और युवा समूह बनाकर स्टेडियम जैसा माहौल तैयार कर रहे हैं. पटना के वेद विद्यालय में इंडियन क्रिकेट फैंस और बाल पुरोहितों ने इंडिया की जीत के लिए हवन पूजन किया और भारत की जीत की कामना की.

क्रिकेट प्रेमी अर्जुन कुमार ने कहा कि पूजा से ही किसी चीज की शुरुआत होती है. आज भारत की जीत निश्चित है. बड़े मैच में न कभी पाकिस्तान जीता है न जीतेगा. एक अन्य क्रिकेट प्रेमी ने कहा कि भारत की जीत के लिए ३१ बाल ब्राह्मणों द्वारा हवन पूजन किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि भारत की जीत निश्चित है. पटना के वीर कुंवर सिंह पार्क क्रिकेट ग्राउंड में चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर क्रिकेट खिलाड़ियों ने जीत के लिए हवन किया.

भारत माता की जय के नारों के साथ सभी ने जीत के लिए प्रार्थना की. इधर, हाजीपुर में खेल प्रेमी केदार प्रसाद यादव के नेतृत्व में खेल प्रेमियों ने भगवान भोलेनाथ के मंदिर में पूजा-अर्चना की. केदार यादव ने कहा कि यहां कीर्तन भी किया जा रहा है.

डीडीयू रेलवे स्टेशन श्रद्धालुओं की भीड़ से भरा

प्रयागराज,(ईएमएस): प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं तो वहीं बड़ी संख्या में स्नान कर दूसरे लौट रहे हैं। रविवार को सुबह ९ बजे तक कुल ३१.७० लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई. जबकि अब तक कुल ६०.७४ करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। जिसके चलते रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ है। आलम यह है कि श्रद्धालुओं की भीड़ से पूरा स्टेशन खचाखच भरा है लोगों को सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसा ही एक वीडियो चंदौली जिले के दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन का सामने आया है। जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान कर प्रयागराज से लौट रहे हैं और यहां बिहार समेत अन्य राज्यों के लिए ट्रेन पकड़ रहे हैं।

दीन दयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर इतनी ज्यादा भीड़ है कि ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। इसके बावजूद लोग किसी तरह ट्रेन में चढ़कर यात्रा कर रहे हैं। बिहार झारखंड और उड़ीसा की तरफ जाने वाले यात्री सबसे ज्यादा बेहाल हैं।

बिहार के सासाराम जाने वाली ट्रेन में एक महिला भीड़ के चलते ट्रेन में नहीं चढ़ पाई। महिला ने कहा कि ट्रेन में बहुत ज्यादा भीड़ है। हम महाकुंभ में स्नान कर बिहार के सासाराम जा रहे हैं, लेकिन ट्रेन में चढ़ने तक की जगह नहीं है। जिसके चलते ट्रेन छूट गई। अब दूसरी ट्रेन से यात्रा करेंगी। वहीं, यहां से पश्चिम बंगाल के सियालदह जाने वाली ट्रेन भी जबरदस्त भीड़ है। इस ट्रेन के एसी से लेकर जनरल कोच तक सभी यात्री से भरे पड़े है। कुछ लोगों को ट्रेनों में बैठने की जगह नहीं मिली तो जान जोखिम डालकर ट्रेन के दरवाजे पर ही लटककर यात्रा कर रहे हैं।

चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री अब बार-बार बिहार आएंगे : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को बिहार की एक दिवसीय यात्रा पर भागलपुर आ रहे हैं. प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री अब बार-बार बिहार आएंगे. पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी ने कहा कि इस साल बिहार में चुनाव होना है. प्रधानमंत्री के अलावा उनके मंत्री बार-बार आएंगे.

उनकी पार्टी के लोग आएंगे. सवालिया लहजे में कहा कि प्रधानमंत्री आ रहे हैं, तो क्या बेरोजगारी खत्म करने आ रहे हैं? बिहार की गरीबी खत्म करने आ रहे हैं? पलायन रोकने आ रहे हैं क्या? साक्षरता के मामले में, प्रति व्यक्ति आय के मामले में बिहार सबसे पीछे है. बिहार को उन्होंने दिया क्या है? प्रधानमंत्री हैं, उन्हें कौन रोकेगा, आना ही चाहिए.

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जब पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा नहीं दे पाए, तो और क्या उम्मीद की जा सकती है. इधर, बिहार के पूर्व मंत्री और राजद के नेता तेज प्रताप यादव ने प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर कहा कि इससे बिहार को कोई लाभ नहीं होने वाला है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की चर्चा को लेकर तेज प्रताप ने अपने अंदाज में कहा कि 'निशांत जी को राजद में आ जाना चाहिए'.

उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी सोमवार को बिहार के भागलपुर में पीएम किसान योजना की १९वीं किस्त जारी करेंगे, जिसके तहत ९.७ करोड़ से अधिक किसानों को २१,५०० करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता दी जाएगी. इसके अलावा, पीएम मोदी मोतिहारी में निर्मित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत विकसित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंडिजिनस ब्रीड्स का उद्घाटन करेंगे. यह केंद्र किसानों को आधुनिक प्रजनन तकनीकों का प्रशिक्षण देगा और भारतीय नस्लों के पशुओं के प्रजनन को बढ़ावा देगा.

विदेश मंत्री जयशंकर 50 देशों के डेलिगेट्स के साथ पहुंचे काशी

वाराणसी,(ईएमएस): भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर वाराणसी पहुंचे जहां से वह ५० देशों के डेलिगेट्स के साथ बनारस आए हैं। काशी में वह आईआईटी बीएचयू में भावी इंजीनियरों के साथ संवाद करेंगे। इसके पहले जयशंकर ने काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में हिस्सा लिया। इससे पहले जयशंकर का एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने स्वागत किया।

यहां से विदेश मंत्री का काफिला बीएचयू रवाना हुआ। जहां वह काशी तमिल संगमम के अकादमी सत्र में डेलिगेट्स के साथ पहुंचे। जयशंकर २०० आईआईटीयंस से मुलाकात करेंगे और विश्व बंधु विषय पर अपने विचार को साझा करेंगे। आईआईटी बीएचयू के विभिन्न विभागों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को भी देखेंगे। इसके साथ ही संकाय सदस्य, शोधकर्ताओं से बातचीत कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति पर चर्चा भी करेंगे। बता दें संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना है।

पीएम मोदी अपने दौरे के क्रम में किसान सम्मान निधि की किस्त जारी करेंग : सांसद राधामोहन

पटना (एजेंसी): पटना में बीजेपी सांसद राधामोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने दौरे के क्रम में जहां किसान सम्मान निधि की १९वीं किस्त जारी करेंगे, वहीं मोतिहारी में निर्मित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत विकसित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर इंडिजिनस ब्रीड्स का उद्घाटन करेंगे. यह केंद्र किसानों को आधुनिक प्रजनन तकनीकों का प्रशिक्षण देगा और भारतीय नस्लों के पशुओं के प्रजनन को बढ़ावा देगा.

उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमारे संसदीय क्षेत्र में वह एक बड़ी योजना का उद्घाटन करेंगे और मैं वहां मौजूद रहूंगा. उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार किसानों के लिए काम करती है. प्रधानमंत्री किसान कल्याण के लिए समर्पित हैं और उनके नेतृत्व में किसानों की भलाई के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की गई हैं.

इधर, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को इस साल होने वाले चुनाव से जोड़े जाने वाले राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर सांसद सिंह ने कहा कि लालू परिवार को बिहार को देने की आदत नहीं है, उन्हें सिर्फ लेने की आदत है. इस कारण उन्हें ऐसा लगता है. इसी क्रम में रविवार को होने वाले भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच पर उन्होंने कहा कि भारत जीतेगा.

दरअसल, शनिवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था, हर दिन कोई न कोई आएगा. दिल्ली चुनाव खत्म हो गया है. हर कोई बिहार आ रहा है. इन लोगों को बिहार और यहां के लोगों से कुछ लेना-देना नहीं है. वे केवल सत्ता में बने रहने के लिए आ रहे हैं. उन्हें किसी और चीज से मतलब नहीं है. क्या वे बिहार को कारखाने देने आ रहे हैं? क्या वे बिहार में पलायन को रोकने आ रहे हैं? वे केवल अपने स्वार्थ के लिए आ रहे हैं.

तेजस्वी यादव के राजनीतिक दिमाग का मरम्मत हो गया ना : नीरज कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार की सियासत में इन दिनों सीएम नीतीश कुमार का हेल्थ सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है. वहीं, सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत के राजनीति में आने की चर्चा जोरों पर है. इस बीच राजद नेता तेजस्वी यादव सीएम नीतीश पर लगातार हमलावर हैं. नेता प्रतिपक्ष ने सीएम नीतीश को अस्वस्थ बता रहे हैं. हालांकि, नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने तेजस्वी यादव का बिना नाम लिए तगड़ा प्रहार कर दिया. निशांत कुमार ने कहा कि पिता जी पूरी तरह से स्वस्थ हैं. इसके बाद जदयू पूरी तरह से तेजस्वी यादव पर अटैक के मोड में आ गई है.

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर तेजस्वी यादव को घेर लिया. नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव जी, राजनीतिक दिमाग का मरम्मत हो गया ना? कल तक जो तथाकथित ८वां-९वां पास व्यक्ति सीएम नीतीश कुमार के स्वास्थ्य पर अनर्गल राजनीतिक टिप्पणी कर रहे थे, उन्हें मुख्यमंत्री के पुत्र निशांत कुमार, जो इखढ मेसरा से इंजीनियरिंग ग्रेजुएट हैं, उसने करारा जवाब दे दिया.

नीरज कुमार ने कहा कि गेंद आप आपके पाले में हैं तेजस्वी यादव, जवाब आपको देना है. आपके पिता लालू यादव क्या पूरी तरह से स्वस्थ हैं. अगर स्वस्थ हैं तो कार्यकर्ता दर्शन सम्मेलन से दूर क्यों हैं? नहीं हैं तो फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष क्यों हैं? बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने २१ फरवरी, दिन शुक्रवार को कहा था कि नीतीश कुमार पूरी तरह से स्वस्थ और फिट हैं. उन्होंने जनता से अपील की कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में उनके पिता को दोबारा सत्ता में लाने के लिए वोट दें. उनके पिता ने बिहार के विकास के लिए अहम योगदान दिया है.

जुमला देने बिहार आ रहे हैं पीएम मोदी : राजद

पटना (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को बिहार के भागलपुर आ रहे हैं. उससे पहले राजद ने प्रधानमंत्री की यात्रा पर तंज कसा है. राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि इस चुनावी वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी अब बिहार को याद करेंगे. बिहार के साथ तो इतने दिन धोखा ही हुआ है, छलावा किया गया है. पिछले ११ वर्षों में जुमले के अलावा क्या मिला?

उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मांगा था, लेकिन नहीं दिया गया, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया गया. विशेष पैकेज कहां है? बिहार की भलाई अब डबल इंजन की सरकार की विदाई में है. उन्होंने कहा कि अब सबको बिहार याद आएगा. पिछली बार २०२० में भाजपा के ३२ हेलीकॉप्टर पर तेजस्वी यादव का एक हेलीकॉप्टर भारी था. इस बार तेजस्वी यादव ही सरकार बनाएंगे और रोजगार की भरमार करेंगे.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के राजनीति में आने की चर्चा पर कहा, देखिए जो कयास लगाए जा रहे हैं, जो चर्चाएं हैं, हम स्वागत करते हैं. सबको राजनीति में आने का हक है, समाजसेवा का हक है. लेकिन, जिन साम्प्रदायिक शक्तियों की गोद में नीतीश कुमार हैं, जिनके डीएनए पर भी भाजपा ने सवाल किया था. क्या निशांत उनके साथ रहेंगे? उनके विरोधी तो चाहते नहीं हैं. भाजपा और जदयू के कुछ लोग हैं जो निशांत को राजनीति में आने नहीं देंगे.

कांग्रेस के साथ विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर उन्होंने साफ लहजे में कहा कि सभी को सम्मानजनक सीट मिलेगी. महागठबंधन के सभी दलों को सम्मानजनक सीटें दी जाएंगी. बिहार में गैर भाजपा दलों के सबसे बड़े आर्किटेक्ट लालू प्रसाद हैं और वे सब लोगों को साथ लेकर लड़ेंगे और बिहार में भाजपा और एनडीए का विजय रथ रोकेंगे.

मायावती पर टिप्पणी करने वाले उदित राज को गिरफ्तार करने की मांग

लखनऊ(ईएमएस): हाल ही में कांग्रेस नेता उदित राज ने बसपा सुप्रीमो मायावती को लेकर विवादित बयान दिया था, जिस पर भड़का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने बुधवार को उन पर तीखा हमला बोला और कहा कि उनके खिलाफ योगी आदित्यनाथ की पुलिस को ऐक्शन लेना चाहिए। उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

सतीश चंद्र मिश्रा ने तो साफ कहा कि कांग्रेस इस पर ऐक्शन ले, वरना उसे भुगतना पड़ेगा। उन्होंने एक्स पर लिखा, कांग्रेस पार्टी के इस घिनौने कार्य का करारा जवाब इस देश का दलित समाज, पिछड़ा वर्ग व हर स्वाभिमानी भारतीय चाहे वो अल्प संख्यक हो या समान्य वर्ग के लोग हो महिलाएं हो जरूर देंगे। उन्होंने लिखा कि कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद उदित राज द्वारा बहन कुमारी मायावती जी पर दिया गया घृणित शर्मनाक, अपमानजनक और निंदनीय बयान न सिर्फ बहन जी का अपमान है, बल्कि यह पूरे बहुजन समाज के दलितों और स्वाभिमानी भारतीयों की गरिमा पर करारा हमला है। डॉ उदित राज ने मीडिया से कहा था, अपने सगे संबंधियों को कैसे मारोगे? तो श्री कृष्ण ने कहा कि कोई सगा संबंधी नहीं है, न्याय के लिए लड़ो और अपने लोगों को ही मार दो।

बता दें कि उदित राज ने लखनऊ में मीडिया से बात करते हुए कहा था कि मायावती ने दलित आंदोलन का गला घोटा था और अब समय आ गया है कि उनका ही गला घोट दिया जाए। उनके इस विवादित बयान पर बवाल मचा हुआ है। बसपा के नेताओं ने इसे लेकर कांग्रेस से ऐक्शन की मांग की है। बसपा नेताओं ने कहा कि यदि उदितराज को नहीं हटाया गया तो माना जाएगा कि कांग्रेस पार्टी की भी ऐसी ही राय है।

सांसद बर्क ने बिजली जुर्माने का जवाब देने मांगा समय

संभल,(ईएमएस) : बिजली जुर्माने को लेकर सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने समय मांगा गया है। जिसका सांसद को ७ मार्च तक जवाब देना है। पहले दिए नोटिस पर सांसद के दिए जवाब से विद्युत प्रसाद संतुष्ट नहीं हुआ है।

आरोप है कि उनके घर पर चार किलोवाट के कनेक्शन पर १६ किलोवाट से ज्यादा का लोड था, जबकि मीटर की एमआरआई रिपोर्ट में १२ महीने तक बिजली की खपत शून्य दिखाई दी।

स्पेस साइंस में देश नई ऊंचाई छू रहा है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,(ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को 'मन की बात' के ११९वें एपिसोड में स्पेस साइंस पर विशेष चर्चा करते हुए क्रिकेट का भी खास जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर जगह क्रिकेट का ही माहौल है। क्रिकेट में सेंचुरी का रोमांच तो हम सभी भली-भांति जानते हैं, लेकिन आज मैं, आप सब से क्रिकेट की नहीं, बल्कि भारत ने स्पेस में जो शानदार सेंचुरी बनाई उसकी बात करने वाला हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के ११९वें एपिसोड में देश की प्रगति और विभिन्न क्षेत्रों में हो रही महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने खासकर स्पेस साइंस, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेल और स्वास्थ्य पर ध्यान देने खाद्य तेल के कम उपयोग पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा, कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है, लेकिन मैं आज आपसे क्रिकेट नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में भारत द्वारा बनाए गए अद्भुत शतक के बारे में बात करूंगा। उन्होंने बताया कि पिछले महीने देश ने इसरो का १००वां रॉकेट लॉन्च देखा और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की लगातार बढ़ती उपलब्धियों की सूची का जिक्र किया। चाहे वो चंद्रयान, मंगलयान, आदित्य एल-१ की सफलता हो या फिर एक साथ १०४ सैटेलाइट लॉन्च करने का अभूतपूर्व मिशन, भारत अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाई छू रहा है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, कि भारत एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) क्षेत्र में भी तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। हाल ही में पेरिस सम्मेलन में भारत की इस क्षेत्र में प्रगति की सराहना की गई। उन्होंने तेलंगाना के आदिलाबाद के शिक्षक थॉसम कैलाश का उदाहरण दिया, जो एआई का उपयोग करके आदिवासी भाषाओं को संरक्षित कर रहे हैं, खासकर कोलामी भाषा में गाने बनाने के लिए।

इसके अलावा, पीएम मोदी ने उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों का भी उल्लेख किया, जहां देशभर के ११,००० से अधिक एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, यह खेलों की शक्ति है जो न केवल व्यक्तियों और समुदायों को बदलती है, बल्कि पूरे राज्य को भी सशक्त बनाती है। उत्तराखंड अब देश में एक सशक्त खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर अपनी सेना टीम को अधिकतम स्वर्ण पदक जीतने के लिए बधाई दी और खेलों को युवा पीढ़ी को प्रेरित करने और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक माध्यम बताया।

महिला दिवस का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। उन्होंने कहा कि इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे-एक्स, इंस्टाग्राम को देश की कुछ खास महिलाओं को, एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूं। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल कर अलग पहचान बनाई हैं। इसके जरिये वो ८ मार्च को अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी।

पीएम मोदी ने वर्ल्ड लाइफ पर कहा कि अगले महीने की शुरुआत में हम वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे मनाएंगे। ऐसे में मेरा आग्रह है कि आप सभी इससे जुड़े लोगों का हौसला जरूर बढ़ाएं। मन की बात कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए सशक्त बनाना है। यह कार्यक्रम उन लोगों की मेहनत और प्रयासों को उजागर करता है जो आमतौर पर बड़े दर्शक वर्ग तक नहीं पहुंच पाते।

प्रधानमंत्री मोदी के इस कार्यक्रम के माध्यम से लाखों लोगों को प्रगति की दिशा में काम करने और सामाजिक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाता है।

नेतृत्वहीन कांग्रेस ये न समझे कि मेरे पास विकल्प नहीं है : सांसद थरूर

नई दिल्ली(ईएमएस) : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर अपनी ही पार्टी से नाराज हैं। उनकी नाराजगी इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि इस बार उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर ही सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि नेतृत्वहीन कांग्रेस अगर ये समझ रही है कि मैं मजबूर हूं तो ये उसकी गलती है क्योंकि मेरे पास तमाम विकल्प खुले हैं।

थरूर ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से बात कर इस बात को लेकर नाराजगी जाहिर की थी कि उन्हें पार्टी में हाशिए पर धकेला जा रहा है। इस बीच उन्होंने अपनी पार्टी को साफ-साफ कहा है कि उन्हें यह नहीं लगना चाहिए कि शशि थरूर के पास विकल्प नहीं हैं।

शशि थरूर ने कहा कि उन्हें तिरुवनंतपुरम में जो समर्थन मिला है वह इसके उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है कि लोग मुझे पसंद करते हैं, क्योंकि वे मुझे अलग ढंग से बोलने और व्यवहार करने के लिए मान्यता देते हैं। यही हम २०२६ में चाहते हैं। शशि थरूर ने कहा, स्वतंत्र सर्वे ने भी यह दिखाया है कि मैं केरल में नेतृत्व के मामले में दूसरों से आगे हूं। अगर पार्टी मुझे उपयोग करना चाहती है तो मैं पार्टी के लिए मौजूद रहूंगा। यदि नहीं तो मेरे पास अपने अन्य कार्य हैं। मुझे यह नहीं सोचना चाहिए कि मेरे पास कोई और विकल्प नहीं है।

थरूर ने कहा कि तिरुवनंतपुरम से चार बार सांसद चुने जाने से पता चलता है कि राज्य और देश के विकास के बारे में स्वतंत्र रूप से अपने विचार व्यक्त करने के उनके अधिकार का लोगों ने समर्थन किया है। थरूर ने कहा कि वह पार्टी के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन अगर कांग्रेस को उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है तो उनके पास विकल्प हैं।एक इंटरव्यू में शशि थरूर ने केरल कांग्रेस में नेतृत्व की कमी को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा, पार्टी के भीतर नेतृत्व की कमी एक गंभीर समस्या है। यदि कांग्रेस अपनी सीमित वोटबैंक से ही काम करती रही, तो उसे केरल में तीसरी बार विपक्ष में बैठने का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अपनी अपील को बढ़ाना होगा, क्योंकि पार्टी केवल अपनी समर्पित वोटबैंक के सहारे सत्ता में नहीं आ सकती है। हालांकि शशि थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि वह पार्टी बदलने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उनका मानना है कि अगर किसी से पार्टी से असहमत है तो उसे पार्टी बदलने का रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, मेरे पास किताबें हैं। भाषण देने के लिए निमंत्रण हैं। अन्य कार्य हैं।

फल और उसके जूस में पोषण संबंधी होता है काफी अंतर : हेल्थ एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली (ईएमएस): हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि फल और उसके जूस में पोषण संबंधी काफी अंतर होता है। जूस पीने से कई जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, जिससे शरीर को उतना लाभ नहीं मिलता जितना फल खाने से मिलता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, जब हम पूरा फल खाते हैं, तो हमें विटामिन, मिनरल्स और फाइबर भरपूर मात्रा में मिलते हैं। फाइबर हमारी पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह लंबे समय तक पेट भरा रखने में सहायक होता है, जिससे अनावश्यक कैलोरी सेवन कम होता है और वजन नियंत्रित रहता है। इसके अलावा, नियमित रूप से फल खाने से त्वचा में निखार आता है और शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा मिलती है। दूसरी ओर, जब हम फलों का जूस पीते हैं, तो उसमें से फाइबर की मात्रा काफी हद तक कम हो जाती है। जूस में मुख्य रूप से प्राकृतिक शुगर और पानी बचता है, जो जल्दी अवशोषित होकर ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकता है। हालांकि, जूस पीने से तुरंत ऊर्जा मिलती है और यह शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। जो लोग फल नहीं खा सकते, उनके लिए ताजा जूस एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन यह बिना किसी अतिरिक्त शक्कर के होना चाहिए।

डाइटिशियन का कहना है कि फलों में मौजूद फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट और प्राकृतिक पोषक तत्व शरीर के लिए बेहद जरूरी होते हैं। जूस से ऊर्जा तो मिलती है, लेकिन यह लंबे समय तक टिकती नहीं है। यही वजह है कि फल खाना अधिक फायदेमंद माना जाता है। विशेषज्ञों की राय में, अगर जूस पीना है तो ताजा फलों का जूस ही पिएं और पैकेज्ड जूस से बचें। पैकेज्ड जूस में प्रिजर्वेटिव्स, फ्लेवर्स और अतिरिक्त शक्कर मिलाए जाते हैं, जिससे सेहत को नुकसान हो सकता है। इसलिए, सेहतमंद रहने के लिए पूरे फल खाने की आदत डालनी चाहिए। बता दें कि फलों को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, लेकिन कई लोग इन्हें खाने के बजाय जूस पीना पसंद करते हैं।

महाकुंभ नहीं जा पा रहे हैं तो घर बैठे ही कर लें डिजिटल स्नान

प्रयागराज,(ईएमएस) : सोशल मीडिया पर शेयर की गई डिजिटल स्नान सेवा ने यूजर्स के बीच यह तेजी से लोकप्रिय हो गई है। कई लोगों ने दीपक की आलोचना करते हुए कहा कि वह लोगों की मासूमियत और भक्ति का फायदा उठा रहा है।

यूपी के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में लाखों श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके हैं। वहीं, लाखों लोगों इसमें स्नान करने की इच्छा रखते हैं। हालांकि, अत्यधिक भीड़ होने से ट्रेन, फ्लाइट या बस में टिकट नहीं मिल रही है। सड़कों पर भीषण जाम लगा है। अपनी गाड़ी से भी जाना मुश्किल है। वहीं, कई लोग ऐसे भी हैं जो स्वास्थ्य समस्या के कारणों महाकुंभ जाने में असमर्थ हैं। उन्हें अफसोस करने की जरूरत नहीं है। इस आध्यात्मिक महोत्सव में व्यक्तिगत रूप से शामिल न हो पाने वालों के लिए ऑनलाइन एक अनूठी 'जुगाड़' सामने आई है। इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक शख्स

'डिजिटल स्नान' सेवा दे रहा है। ११०० रुपए के शुल्क पर, ये सेवा व्हाट्सएप के जरिए भेजे गए भक्तों की तस्वीरें इकट्ठा करती है। फिर दूरदराज के भक्तों की तस्वीर की एक प्रति पवित्र जल में विसर्जित करके उनकी आत्मा को शुद्ध करने का दावा करती है। दीपक गोयल नाम के शख्स ने कहा कि वह प्रयागराज से हैं और नियमित रूप से संगम जाते हैं। उन्होंने कहा कि वह पैसे भेजने के २४ घंटे में भक्तों की तस्वीरें लेकर संगम जाते हैं और उन्हें डुबकी लगवा देते हैं।

सोशल मीडिया पर शेयर की गई डिजिटल स्नान सेवा ने सोशल मीडिया यूजर्स के बीच लोकप्रियता हासिल कर ली है। कई लोगों ने दीपक की आलोचना करते हुए कहा कि वह लोगों की मासूमियत और भक्ति का फायदा उठा रहा है। वहीं कुछ लोगों ने इस आइडिया की तारीफ की और उन्हें असली उद्यमी बताया है।

एक यूजर ने कहा कि तुम अंधभक्ति की आलोचना करते रहो, उसने अंधभक्ति में बिजनेस ढूंढ लिया। वह असली उद्यमी है। एक अन्य ने चुटकी लेते हुए कहा कि चीन के पास डीपसीक है, तो हमारे पास डीपस्नान है। एक यूजर ने कहा कि भारत में गुप्त सीरीज जारी है। एक व्यक्ति ने कहा कि यह व्यंग्य या कॉमेडी नहीं है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने कहा कि वाटरप्रूफ फोन में वीडियो कॉल पर डुबकी लगा लो भाई, १० गुना रिटर्न। एक यूजर ने टिप्पणी की कि मैं झूठ नहीं बोल रहा हूंअभी एक सप्ताह पहले मैं सोच रहा था कि कोई इस तरह का व्यवसाय शुरू कर सकता है।

महाकुंभ मेला पौष पूर्णिमा १३ जनवरी को शुरू हुआ था और २६ फरवरी को संपन्न होगा। अब तक त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या ५८ करोड़ को पार कर गई है, जबकि आयोजन समाप्त होने तक यह संख्या ६५ करोड़ पार करने की उम्मीद है।

मुंबई में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ 4 गिरफ्तार

मुंबई (ईएमएस): मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट १२ ने दहिसर इलाके में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने चार आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ये लोग अमेरिकी लोगों से धोखाधड़ी कर रहे थे। इस गिरोह ने अमेरिकी नागरिकों को माइक्रोसॉफ्ट विंडोज में समस्या बताकर उनसे धोखाधड़ी की थी। सूत्रों के आधार पर मुंबई पुलिस ने अर्पण अपार्टमेंट पर रेड की, जहां अवैध कॉल सेंटर चल रहा था। रेड के दौरान पुलिस ने मौके से ६ लैपटॉप, २० मोबाइल फोन, २ वाई-फाई राउटर, ६ स्पीकर और करीब २ लाख ४१ हजार रुपये के सामान को जब्त किया। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें २४ फरवरी तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

लड़की अपनी सहमति से 4 दिन तक रही लड़के के साथ

मुंबई(ईएमएस): बीते पांच सालों से जेल में बंद रेप के आरोपी को अदालत ने जमानत दे दी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि १४ साल की लड़की ४ दिन तक आरोपी लड़के के साथ रही और अपनी सहमति से रही मतलब लड़की को अपने कार्यों के बारे में पूरी जानकारी थी। यह कहते हुए जमानत दे दी। जस्टिस मिलिंद जाधव ने अपने फैसले में कहा, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पॉक्सो एक्ट के दायरे में अभियोक्ता नाबालिग है। हालांकि, इस मामले के तथ्य बताते हैं कि उसे अपने कार्यों के बारे में पूरी जानकारी और क्षमता थी। इसके बाद ही वह स्वेच्छा से आरोपी के साथ चार दिनों तक रही। यह केस साल २०१९ में मुंबई के डीएन नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ था। लड़की के पिता ने उसी साल नवंबर में उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। कुछ दिनों बाद उसे जुहू चौपाटी के पास आरोपी और उसके दोस्तों के साथ पाया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में आरोपी उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। उस समय उसकी उम्र १९ साल थी और वह अनाथ था। उसने कहा कि घटना से करीब २ साल पहले से वह लड़की का दोस्त था। गिरफ्तारी के बाद उसकी ओर से कई बार जमानत के लिए आवेदन दिया गया, लेकिन निचली अदालतों ने लड़की की उम्र का हवाला देते हुए खारिज कर दिया। आरोपी के साथ सहमति से रहा संबंध एचसी की बेंच ने सुनवाई के दौरान पुलिस रिपोर्ट और लड़की के बयानों पर गौर किया। इस दौरान कुछ विसंगतियां पाई गईं। इसे लेकर कोर्ट ने कहा, लड़की ने कहा था कि वह आरोपी के साथ सहमति से संबंध में थी। गवाहों के बयान से भी पता चला कि लड़की के पिता को उनके रिश्ते के बारे में जानकारी थी। अदालत में अभियोजन पक्ष का तर्क रहा कि लड़की नाबालिग थी, इसलिए उसकी सहमति कानूनी रूप से प्रासंगिक नहीं होगी। इस पर बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला दिया और कहा कि आरोपी का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

सुबह जल्दी उठने से मिलती है अधिक खुशी व संतुष्टि

नई दिल्ली (ईएमएस): क्या वाकई सुबह जल्दी उठने का किसी के जीवन में सफलता से कोई सीधा संबंध है? हाल ही में किए गए एक अध्ययन ने इस सवाल का उत्तर देने की कोशिश की है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन द्वारा किए गए अध्ययन में ४९,२१८ लोगों के डेटा का विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि सुबह जल्दी उठने से मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की संतुष्टि पर क्या असर पड़ता है। शोधकर्ताओं ने मार्च २०२० से मार्च २०२२ तक किए गए एक दर्जन सर्वेक्षणों से मिले आंकड़ों का विश्लेषण किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, जो लोग सुबह जल्दी उठते थे, उन्हें जीवन में अधिक खुशी और संतुष्टि महसूस हुई। इन लोगों ने बताया कि उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहा और उन्हें तनाव कम महसूस हुआ। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि सुबह जल्दी उठने से उनके आत्म-मूल्य के बारे में उनकी समझ भी बढ़ी।

इस अध्ययन के प्रमुख अनुसंधानकर्ता ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि सुबह जल्दी उठने का हर किसी पर एक समान असर हो। उनका मानना था कि जबकि कुछ लोगों के लिए सुबह जल्दी उठने से मानसिक स्थिति में सुधार हो सकता है, वहीं कुछ लोगों के लिए रात का समय बेहतर होता है। उनका कहना था कि आधी रात के आसपास लोग सबसे बुरा महसूस करते हैं, जबकि वीकेंड पर मानसिक स्थिति में बदलाव अधिक देखा जाता है। इस शोध से यह स्पष्ट होता है कि सुबह जल्दी उठने का आदत मानसिक स्थिति में सुधार ला सकती है, लेकिन इसका हर व्यक्ति पर अलग असर हो सकता है।

इसके अलावा, विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, खुशहाल जीवन केवल सुबह जल्दी उठने से नहीं, बल्कि जीवन के उद्देश्य, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों से भी जुड़ा होता है। इसलिए, यह कहना सही होगा कि सुबह जल्दी उठने की आदत को अपनाना मानसिक स्थिति को बेहतर बना सकता है, लेकिन यह सफलता और संतुष्टि की केवल एक कड़ी हो सकती है। मालूम हो कि हमारे घरों में अक्सर बड़े-बुजुर्ग छोटे बच्चों को यह सलाह देते हैं कि जीवन में सफलता पाने के लिए सुबह जल्दी उठना जरूरी है।

अब आरोपी करेंगे सामुदायिक सेवा बतौर सजा

जम्मू,(ईएमएस): शराब के नशे में सार्वजनिक रूप से उपद्रव करने के आरोप में तीन लोगों को विशेष मजिस्ट्रेट ने सामुदायिक सेवा करने की सजा सुनाई। पुलिस ने जानकारी देते हुए कहा कि पहले मामले में १९ फरवरी को लेख राज और अशोक सिंह को सिधरा इलाके में नशे की हालत में उपद्रव करते पाए गए थे। आरोपियों को शनिवार को जम्मू में विशेष आबकारी मोबाइल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और दोनों को १० दिनों तक रोजाना एक घंटे के लिए निकटतम अस्पताल में सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया है।

राजस्थान विस से कांग्रेस के 6 विधायक निलंबित

जयपुर,(ईएमएस): राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत ६ विधायकों के निलंबन के बाद सियासी गरमा गई थी। विपक्षी विधायकों का धरना सदन में लगातार तीसरे दिन भी जारी रहा। मंत्रियों के साथ हुई वार्ता भी बेनतीजा रही। कांग्रेस विधायक निलंबन रद्द करने, इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी को कार्यवाही से हटाने और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत से माफी की मांग पर अड़े हुए हैं।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रतिपक्ष से बातचीत की है और चाहते हैं कि सदन सुचारू रूप से चले। कांग्रेस को अपनी हठधर्मिता छोड़कर गलती माननी चाहिए। शनिवार को कांग्रेस ने विधायकों के निलंबन के विरोध में प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर पुतले जलाकर प्रदर्शन किया था। अब २४ फरवरी को विधानसभा घेराव की तैयारी कर रही है, हालांकि इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

बता दें २१ फरवरी को प्रश्नकाल के दौरान मंत्री अविनाश गहलोत की पूर्व पीएम इंदिरा गांधी पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया था। गहलोत ने कहा था कि २०२३-२४ में आपकी दादी इंदिरा गांधी के नाम पर योजना का नाम रखा था। इस टिप्पणी को अपमानजनक बताते हुए कांग्रेस विधायकों ने वैल में आकर जोरदार हंगामा किया। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि दादी शब्द सम्मान का प्रतीक है।

देश के 21 राज्य सुदूर गांवों का ट्राइबल एटलस करेंगे तैयार

नई दिल्ली(ईएमएस) : आदिवासी मामलों के मंत्रालय ने २१ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को, जो वन अधिकार अधिनियम २००६ को लागू कर रहे हैं, जमीनी स्तर पर विस्तृत कार्यवाही शुरू करने को कहा है। वन अधिकार दावों के लंबित होने के कारण यह कवायद शुरू की गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, प्राप्त हुए दावों में से आधे से भी कम मामलों में ज़मीन के अधिकार या पट्टे दिए गए हैं। केंद्र सरकार आदिवासियों को जमीन का हक दिलाने के लिए एक बड़ा कदम उठा रही है। सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि वे दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले आदिवासियों के लिए एक ट्राइबल एटलस तैयार करें। इस एटलस में जंगलों के अंदरूनी इलाकों तक सभी आदिवासी-बहुल गांवों का नक्शा होगा। यह एटलस प्रत्येक आदिवासी गांव का जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक प्रोफाइल बनाने में मदद करेगा। इससे सरकार यह पता लगा सकेगी कि किन आदिवासियों को अभी तक जमीन का हक नहीं मिला है।

एक फरवरी तक, ४८.९५ प्रतिशत दावेदारों को मीन के अधिकार दिए गए हैं, जबकि ३६.४३ प्रतिशत दावे खारिज कर दिए गए हैं। लगभग १४.६२ प्रतिशत दावे अभी भी राज्यों के पास लंबित हैं। एक सीनियर मंत्रालय अधिकारी ने बताया, एक राज्य का आदिवासी एटलस राज्य सरकार और केंद्र को उन क्षेत्रों की स्पष्ट रूप से पहचान करने में मदद करेगा जहां भूमि अधिकार दावों को पूरा किया जा सकता है। जिला प्रशासन को ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि किस गांव के किन आदिवासियों को अपनी मीन के पट्टे नहीं मिले हैं और उन्हें टारगेट करके काम पूरा किया जा सकता है।

अधिकारी ने बताया, ज्यादातर राज्यों ने राजस्व सीमाओं और वन क्षेत्रों की मैपिंग कर लिया है। अब वे इन नक्शों के जरिए आदिवासी आबादी, आदिवासी गांवों की संख्या, वे किस जंगल के पास रहते हैं और वे लघु वनोपज इकट्ठा करने या जमीन पर खेती करने के लिए कितनी दूर अंदर जाते हैं, इसके बारे में जनसांख्यिकीय विवरण प्राप्त करेंगे। इस तरह का पहला आदिवासी एटलस ओडिशा ने २०१८ में तैयार किया था। यह एक ऐसा मॉडल है जिसे केंद्र अब सभी राज्यों में लागू करना चाहता है। राज्य इस काम के लिए जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) मैपिंग का इस्तेमाल करेंगे। एक बार ट्राइबल एटलस विकसित हो जाने के बाद, मंत्रालय राज्यों को उन गांवों को टारगेट करने में मदद करेगा जहां जमीन के अधिकार नहीं दिए गए हैं। जमीन के अधिकारों के दावों के निपटारे में सहायता के लिए लगभग ३८६ जिलों में दो सदस्यीय वन अधिकार प्रकोष्ठ स्थापित करने की पहचान की गई है। इन प्रकोष्ठों को स्थापित करने के लिए प्रत्येक ज़िले को लगभग ८.७० लाख रुपये मिलेंगे। अधिकारी ने कहा, यह एक्सपर्ट्स जनशक्ति ज़िला प्रशासन का मार्गदर्शन करेगी कि लंबित मामलों को कैसे निपटाया जाए। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर ट्राइबल एटलस विकसित करेंगे। अब तक, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश ने अपना ट्राइबल एटलस लॉन्च कर दिया है। यह कदम आदिवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है और उन्हें उनकी मीन का हक़ दिलाने में मददगार साबित होगा।

महाराष्ट्र में समुद्र पर बनेगा भारत का पहला हवाई अड्डा

मुंबई, (ईएमएस): महाराष्ट्र में जल्द ही एक और हवाई अड्डा बनाया जाने वाला है। यह हवाई अड्डा मुंबई से सटे पालघर जिले में बनाया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि यह हवाई अड्डा समुद्र में बनाया जाएगा।

यदि यह परियोजना पूरी हो जाती है तो यह महाराष्ट्र में समुद्र पर बना पहला हवाई अड्डा होगा। जानकारी सामने आई है कि केंद्र सरकार पालघर में प्रस्तावित वाढवण बंदरगाह के पास एक कृत्रिम द्वीप बनाकर उस पर हवाई अड्डा बनाने पर विचार कर रही है। यदि ऐसा हुआ तो यह समुद्र पर बनने वाला भारत का पहला हवाई अड्डा होगा। यह भी जानकारी सामने आई है कि समुद्र में प्रस्तावित इस एयरपोर्ट को केंद्र और राज्य सरकार से प्रारंभिक मंजूरी मिल गई है। वाढवण बंदरगाह परियोजना के शिलान्यास के बाद पालघर में हवाई अड्डे के प्रस्ताव ने गति पकड़ ली है और हाल ही में जानकारी सामने आई है कि जिले में सरकारी भूमि की कमी को ध्यान में रखते हुए हवाई अड्डे को एक कृत्रिम द्वीप पर बनाया जाएगा। वाढवण हवाई अड्डा मुंबई के मौजूदा हवाई अड्डे से १२५ किमी दूर होगा। यह हवाई अड्डा पश्चिमी तट के निकट बनाया जाएगा।

दिलचस्प बात यह है कि इस हवाई अड्डे का डिज़ाइन हांगकांग अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और ओसाका के कानसाई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के समान होगा। ये दोनों हवाई अड्डे भी कृत्रिम द्वीपों पर बनाए गए हैं। इस बीच, कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक कार्यक्रम में घोषणा की थी कि वाढवण में हवाई अड्डा बनाया जाएगा। नागपुर और शिरडी हवाई अड्डों के साथ पालघर में भी एक हवाई अड्डा बनाया जाएगा। पालघर में बनने वाला हवाई अड्डा वाढवण बंदरगाह से जुड़ा होगा और इसमें १० किलोमीटर के समुद्र में २० मीटर गहरा ड्रॉप एरिया होगा।

वाढवण बंदरगाह होगा गेमचेंजर

वाढवण बंदरगाह दुनिया के १० सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। वाढवण बंदरगाह का स्थान बहुत ही रणनीतिक है। यह देश का एकमात्र प्राकृतिक बंदरगाह है जिसकी समुद्र तट से गहराई २० मीटर से अधिक है। जेएनपीए में वर्तमान गहराई १५ मीटर है, जिससे १७,००० कंटेनर (टीईयू) क्षमता वाले जहाज वहां लंगर डाल सकेंगे। हालांकि, वाढवण में गहराई अधिक होने के कारण २४ टन से अधिक क्षमता वाले जहाज बंदरगाह में प्रवेश कर सकते हैं और बाहर निकल सकते हैं।

केंद्रीय बजट 2025-26 पर परिचर्चा संपन्न, केंद्रीय मंत्री बोले- पीएम मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत का हाइवे है बजट

रांची (एजेंसी): भाजपा प्रदेश आर्थिक प्रकोष्ठ के द्वारा चैंबर भवन में केंद्रीय बजट २०२५-२६ पर एक परिचर्चा का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जबकि प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी और अन्य प्रमुख गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय बजट को विकसित भारत का हाइवे करार देते हुए कहा कि यह बजट देश की समृद्धि और विकास की दिशा को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने बजट को समावेशी विकास और सभी वर्गों के कल्याण का परिचायक बताया, जिसके अंतर्गत २५ करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। शेखावत ने बजट के छह आयामी दृष्टिकोण की चर्चा की जिसमें समावेशी विकास, मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति में वृद्धि, और निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देना प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य देश को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बनाना है।

उन्होंने झारखंड के लिए केंद्रीय सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने राज्य को ३०२% अधिक राशि दी है। इसके अलावा, झारखंड में प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से लाखों लोगों को लाभ हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी मोदी सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि देश में बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से हो रहा है और झारखंड में भी सड़क, बिजली, पानी, और स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आ रहा है। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले ६० वर्षों में कांग्रेस ने केवल झूठे वादे किए और जनता को गुमराह किया।

मंत्री चमरा लिंडा ने सिरमटोली फ्लाई ओवर निर्माण कंपनी को दिया पवित्र स्थल की सुरक्षा का निर्देश

रांची (एजेंसी): रांची के सिरमटोली इलाके में बन रहे फ्लाईओवर को लेकर आदिवासी समाज में गहरी नाराजगी देखी जा रही है। इस निर्माण कार्य के कारण सरना धर्मस्थल की पवित्र भूमि प्रभावित हो रही है जो आदिवासी समुदाय की आस्था और परंपरा का अहम हिस्सा है।

सरना स्थल पर वर्षों से धार्मिक अनुष्ठान होते आ रहे हैं और यह स्थान आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। अब फ्लाईओवर निर्माण के कारण इस भूमि के अधिग्रहण से आदिवासी समाज के अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। सिरमटोली फ्लाईओवर को लेकर ये बातें मंत्री चमरा लिंडा ने कही है।

झारखंड सरकार के आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी और निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फ्लाईओवर की ऊंचाई पर चिंता जताते हुए कहा कि सरना धर्मस्थल पर श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं। अगर फ्लाईओवर की ऊंचाई कम रखी गई, तो श्रद्धालुओं को आने-जाने में कठिनाई हो सकती है और दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ सकती है। इसलिये उन्होंने फ्लाईओवर की ऊंचाई बढ़ाने की मांग की, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

फ्लाईओवर निर्माण कंपनी एल एंड टी ने कहा है कि वे नए डिज़ाइन पर काम कर रहे हैं और इसे मंजूरी मिलने में १५ दिन का समय लगेगा। कंपनी का कहना है कि सभी पहलुओं का ध्यान रखते हुए समाधान निकाला जाएगा जिससे सरना स्थल की पवित्रता भी बनी रहे और यातायात व्यवस्था भी सुचारू रूप से चल सके। मंत्री चमरा लिंडा ने सिरमटोली के स्थानीय लोगों के साथ बैठक की और आदिवासी समाज की आस्था और संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक विकास कार्यों के बावजूद किसी की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

पुलिस ने सुरक्षाबलों को धमकी देने वाले उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर में ग्राम स्वयंसेवकों को गिरफ्तार करने पर सुरक्षा बलों को धमकी देने वाला वीडियो बनाने के आरोप में प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि मोइरांगथेम थोइबा (३९) को विष्णुपुर जिले के थमनापोकपी से गिरफ्तार किया जबकि सैखोम लेम्बुर्स सिंह को इंफाल पूर्व जिले से पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि लेम्सुर्स सिंह जबरन वसूली करता था। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (के) के दो काडर को गिरफ्तार किया है। वांगखेम रोहित सिंह (१८) और थांगजम नोंगन को दुकानों और वाहनों से जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को क्यों बनाया गया प्रधानमंत्री का प्रधान सचिव-2

नई दिल्ली (ईएमएस): पहली बार है जब प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव होंगे। हालांकि प्रधान सचिव के पद पर पहले से यानी २०१९ से पीके मिश्रा कार्यरत है लेकिन अब आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को भी प्रधानमंत्री का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। जब नृपेंद्र मिश्रा प्रधान सचिव थे तब पीके मिश्रा (७६ साल) प्रधानमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव हुआ करते थे। २०१९ में दोबारा मोदी सरकार बनने के बाद पीके मिश्रा को प्रधान सचिव का जिम्मा दिया गया। आम तौर पर प्रधानमंत्री के लिए अतिरिक्त प्रधान सचिव की नियुक्ति की जाती थी। लेकिन इस बार अतिरिक्त प्रधान सचिव की जगह पर दो प्रधान सचिव ही बना दिए गए हैं।

जानकारों का कहना है कि पीके मिश्रा की उम्र काफी ज्यादा है। वह ७६ साल के हैं। ऐसे में उन्हें एक अन्य सहयोगी की भी जरूरत थी। शक्तिकांत दास की उम्र लगभग ६७ साल है। वहीं शक्तिकांत दास के पास सरकार के साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव है। आरबीआई में गवर्नर के पद पर कार्य करने से पहले वह राजस्व सचिव और आर्थिक मामलों के सचिव की भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

झारखंड एटीएस की पहल, कुख्यात मयंक सिंह के भारत लौटने पर लगी मुहर

रांची (एजेंसी): लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम करने वाले मयंक सिंह उर्फ सुनील सिंह मीणा के भारत प्रत्यर्पण पर मुहर लग गई है। झारखंड एटीएस ने अजरबैजान की राजधानी बाकू में बंद मयंक सिंह के प्रत्यर्पण के लिए सीआईडी के माध्यम से अजरबैजान को आवेदन भेजा था। अजरबैजान की निचली अदालत ने भारत में दर्ज आपराधिक मामलों के आधार पर मयंक सिंह के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। अब उसे भारत लाया जाएगा। अजरबैजान सरकार ने इस मामले में सीबीआई से पत्राचार किया है, और इसके बाद एटीएस को भी इसकी सूचना दी गई है। मयंक सिंह को प्रत्यर्पण के खिलाफ अंतिम मौका दिया गया है, और वह निचली अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च अदालत में अपील कर सकता है। मयंक के भारत लाए जाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए झारखंड एटीएस ने नोडल एजेंसी सीआईडी के माध्यम से सीबीआई को प्रस्ताव भेजा था। सीबीआई ने मयंक पर दर्ज मामलों की जानकारी, उसकी आपराधिक गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट और विभिन्न कोर्ट द्वारा जारी वारंट की कॉपी अजरबैजान सरकार को भेजी थी। सीबीआई मुख्यालय द्वारा पूरी रिपोर्ट अजरबैजान सरकार को भेज दी गई थी, जिससे अब मयंक सिंह का भारत प्रत्यर्पण सुनिश्चित हो गया है।

कांग्रेस की मंशा सही होती तो 1993 में ही बनता झारखंड

आजसू नेता प्रवीण प्रभाकर ने कांग्रेस को दिया जवाब

रांची (एजेंसी): आजसू नेता प्रवीण प्रभाकर ने कहा है कि कांग्रेस की मंशा सही होती तो १९९३ में ही बन जाता झारखंड राज्य। कांग्रेस ने १९९३ में झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी कर अलग राज्य बनने नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य आजसू के उग्र आंदोलन की बदौलत बना है। प्रवीण प्रभाकर ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू के उस बयान का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के त्याग तपस्या का परिणाम है झारखंड राज्य। कांग्रेस झूठ बोलकर श्रेय लेने की कोशिश ना करे, जनता सच्चाई जानती है।

प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि १९९३ में प्रधानमंत्री नरसिंह राव सरकार को बचाने के लिए कांग्रेस ने झामुमो के चार सांसदों के वोटों की सौदेबाजी कर ली, लेकिन राज्य नहीं बनाया।

प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि आजसू ने १९८६ से २००० तक उग्र आंदोलन चलाया और आर्थिक नाकेबंदी की, जिसके कारण केंद्र सरकार को वार्ता तथा झारखंड समस्या के समाधान के लिए मजबूर होना पड़ा। १९९९ में तत्कालीन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी की आजसू नेताओं सुदेश महतो, प्रवीण प्रभाकर, स्व कमल किशोर भगत, हसन अंसारी एवं ललित महतो से बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप अलग राज्य निर्माण तथा इसका 'बनांचल' की बजाय 'झारखंड' नामकरण करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी थी। इसी के बाद सन् २००० में राजग सरकार ने अलग राज्य का विधेयक लाया था।

मंत्री दीपक बिरुआ ने बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर जताई चिंता, की मुआवजा प्रक्रिया में सुधार की अपील

रांची (एजेंसी): झारखंड के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुआ ने राज्य में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। अपने पोस्ट में गचच् नेता ने लिखा है, मुख्य मार्ग पथ में होनेवाले रन एंड हिट के तहत मृतक के पीड़ितों को मुआवजा के लिए दौड़ना न पड़े। इसपर खास ध्यान दिया जाए। साथ ही विभाग के पदाधिकारी इससे संबंधित लंबित मामलों को निपटाने की दिशा में कार्रवाई तेज करें।

उन्होंने आगे लिखा है कि अकसर सूचना प्राप्त होती है कि आमुख जिले में सड़क दुर्घटना होने के सालों बाद भी मामला थाना में ही अटका पड़ा है। पुलिस पदाधिकारी भी दुर्घटना संबंधित मामलों के निपटारे में तेजी लाएं। कैसे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए, इसके लिए विभाग ईमानदारी से काम करें। मंत्री ने कहा है कि कई जगहों में हाइवे और मुख्य मार्ग पथ में कहीं-कहीं गड्ढों के कारण भी असामयिक दुर्घटना का सामना करना पड़ता है। मुख्य मार्ग पथ में ऐसे चिन्हित हॉट स्पॉट पर पदाधिकारी नजर बनाएं रखें। मेरा मानना है, इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

11 लाख लोगों का राशन कार्ड से कटेगा नाम

रांची (एजेंसी): सरकार ने राशन कार्ड धारकों के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है और इसकी अंतिम तिथि २८ फरवरी २०२५ निर्धारित की है। खाद्य आपूर्ति विभाग के अनुसार, राज्य में अभी भी ११ लाख ६४ हजार ६४९ राशन कार्डधारी ऐसे हैं, जिनका ई-केवाईसी पूरा नहीं हुआ है। यदि समय रहते यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती है, तो इनका राशन कार्ड रद्द किया जा सकता है।कौन-कौन से राशन कार्ड धारकों को कराना होगा ई-केवाईसी?

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पीएच (गुलाबी कार्ड), एएवाई (पिला कार्ड) के अलावा राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत आने वाले हरे राशन कार्ड और अन्य सभी कार्डधारी परिवारों के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी अनिवार्य किया गया है। सरकार का यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि केवल वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

पाकिस्तान ने सीमा पर बनाया बंकर, बताया शौचालय, बीएसएफ ने जताया विरोध

आपत्ति के बाद निर्माण कार्य रोका, भारत ने की ध्वस्त करने की मांग

बाड़मेर (ईएमएस): राजस्थान के बाड़मेर में पाकिस्तान से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक इमारत विवाद का कारण बन गई है। सीमा से १५० गज के अंदर बना यह निर्माण देखने में बंकर जैसा लग रहा था लेकिन दावा किया जा रहा है कि यह शौचालय था। बीएसएफ ने पिछले दिनों इस अवैध निर्माण को देखा।

एक रिपोर्ट में अधिकारी ने कहा कि बाड़मेर जिले में गदरा नामक एक जगह है, जहां से अंतरराष्ट्रीय सीमा गुजरती है। वहां जवानों ने अवैध निर्माण देखा, जो सीमा के १५० गज के अंदर है। इसके बाद एक फ्लैग मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें पाकिस्तान ने इस बात से इनकार कर दिया कि निर्माण १५० गज के अंदर था। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे जवानों के लिए एक अस्थायी शौचालय का निर्माण कर रहे थे और यह कोई बंकर या निगरानी चौकी नहीं थी। यह झूठ था, इसलिए हमारे कमांडर ने तुरंत एक विरोध नोट जारी किया है।

१५० गज का दायरा तो मैन्स लैंड सीमा के १५० गज के अंदर जो कुछ भी है, उसे नो मैन्स लैंड माना जाता है। इस इलाके में इमारत या निर्माण कार्य की इजाजत नहीं है। लोगों के मुताबिक बंकर का निर्माण रात में किया गया था।

पिछले सोमवार को बीएसएफ जवानों ने इसे देखा। यह सीमा से १०० गज की दूरी पर बनाया गया था। लोगों ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर इस तरह के बंकरों के कम से कम दो मामले सामने आए हैं, लेकिन सीमा पर एक साल में यह पहला मामला है।

लोगों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल ने इस पर पाकिस्तान के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। आपत्ति के बाद निर्माण कार्य बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने मांग की है कि इमारत को ध्वस्त किया जाए।

अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो भारत भी अपना बंकर बनाएगा। सीमा क्षेत्र का प्रबंधन बीएसएफ के पास सीमा का यह हिस्सा राजस्थान सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, लेकिन सीमा क्षेत्र का प्रबंधन गुजरात फ्रंटियर से बीएसएफ द्वारा किया जाता है।

अधिकारी ने बताया कि निर्माण अभी बंद है और बटालियन कमांडर जमीन पर निर्माण स्थल की माप की बात कह रहे हैं।

सबसे खास बात यह है कि उन्होंने रात में यह निर्माण किया, इसका मतलब है कि उन्हें पता था कि यह अवैध है। मुख्यालय को इस घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। इस मामले पर पाकिस्तान रेंजर्स ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। अगर वे निर्माण कार्य जारी रखते हैं, तो बीएसएफ भी इस अवैध बंकर के सामने अपना बंकर बनाएगा।

७ थाना प्रभारियों का किया गया ट्रांसफर, यहां देखे लिस्ट किसकी कहां पोस्टिंग हुई

रांची (एजेंसी): रांची के डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने राजधानी के ७ थाना प्रभारियों का स्थानांतरण कर दिया है। इसकी लिस्ट आज ही जारी कर दी गयी है। लिस्ट के अनुसार सदर थाना में रणजीत कुमार सिन्हा को प्रभार दिया गया है। सुखदेव नगर थाना में अभिषेक कुमार को भेजा गया है। इसके अलावा और ५ थाना प्रभारियों का स्थानांतरण किया गया है। इनमें ये नाम शामिल हैं- जानकारी हो कि हाल ही में रांची एसएसपी ने पिठौरिया थाने का औचक निरीक्षण किया था, जिसमें लापरवाही मिलने पर थाना प्रभारी गौतन राय को सस्पेंड कर दिया गया।

हैकर्स ने बायबिट पर साइबर अटैक कर 150 करोड़ डॉलर चुराए

कंपनी की सिक्योरिटी टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स जांच में जुटे

नई दिल्ली (ईएमएस): क्रिप्टो मार्केट में चोरी का मामला सामने आया है। हैकर्स ने क्रिप्टो एक्सचेंज बायबिट पर साइबर अटैक कर १५० करोड़ डॉलर यानी १२,८५० करोड़ रुपए के ४,०१,३४७ एथर चुरा लिए। यह सबसे बड़ी चोरी मानी जा रही है। यह चोरी शुक्रवार को हुई थी। हैकर्स ने एक्सचेंज के एक एथर कोल्ड वॉलेट को निशाना बनाया और कई ट्रांजैक्शंस के जरिए एथर को अज्ञात जगह ट्रांसफर कर दी।

बायबिट के सीईओ बेन झोऊ ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि सिर्फ एक कोल्ड वॉलेट को हैक किया है, बाकी सभी फंड्स पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस हमले के पीछे उत्तर कोरिया के कुख्यात लजारस ग्रुप का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। बायबिट के पूरी दुनिया में ६ करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं और इसके जरिए बिटकॉइन और एथर जैसी क्रिप्टोकरेंसी का लेन-देन किया जाता है। इस बड़े हमले के बाद यूजर्स में चिंता बढ़ गई है।

कंपनी की सिक्योरिटी टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स इस मामले की जांच कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक क्रिप्टो फ्रॉड में इजाफा हो रहा है और २०२४ में क्रिप्टो फ्रॉड रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सीईओ बेन झोऊ ने भरोसा दिलाया कि केवल एक वॉलेट पर हमला हुआ है और अन्य वॉलेट्स पर कोई असर नहीं पड़ा है और निकासी सामान्य रूप से हो रही है। बायबिट का कहना है कि यदि चोरी हुए क्रिप्टो एसेट्स वापस नहीं मिलते हैं, तो भी यूजर्स को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। कंपनी ने आश्वासन दिया कि वह खुद इस नुकसान की भरपाई करेगी और ग्राहकों के एक-एक पैसे की सुरक्षा तय करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक २०२४ में क्रिप्टो फ्रॉड रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इसका एक बड़ा कारण पिग बुचरिंग स्कैम है, जिसमें अपराधी लोगों से दोस्ती बढ़ाकर उन्हें फर्जीवाड़े में फंसाते हैं।

१३ फरवरी को आई रिपोर्ट के मुताबिक २०२४ में इस स्कैम का रेवेन्यू ४० फीसदी तक बढ़ गया। पिछले साल क्रिप्टो मार्केट में कम से कम ९९० करोड़ डॉलर की चोरी हुई लेकिन जब पूरा डेटा सामने आएगा तो यह आंकड़ा १,२४० करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है।

आरजी कर मामला : पीड़िता को न्याय तो छोडिए..साहब मृत्यू प्रमाण पत्र तक नहीं दिला पाई सरकार

कोलकाता (ईएमएस): करीब ६ माह पहले कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या का मामला सामने आया था। इस पर जमकर हंगामा हुआ और तमाम यूनियन सक्रिय होकर न्याय दिलाने की मांग करते रहे। राज्य की ममता सरकार और यूनियन के बीच तीखी बहस हुई और तमाम वादे किए गए।

हर एक यहां पीड़िता को हर हाल में न्याय दिलाने का वादा करता देखा गया। अब हालात ये हैं कि पीड़ता को न्याय तो छोड़ए साहब उसका मृत्यू प्रमाण पत्र तक सरकार नहीं दिला पाई। शर्मसार और चौंकने वाली इस अनदेखी से दुखी पीड़िता का पिता अपनी बेटी के मृत्यू प्रमाण पत्र के लिए दर दर भटक रहा है।

ट्रेनी महिला डॉक्टर के पिता ने गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता के पिता का कहना है कि उनकी बेटी की मृत्यु के बाद, अस्पताल से मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने में उन्हें अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल के अधिकारियों द्वारा कई बार उन्हें यह कहा गया कि प्रमाणपत्र जल्द ही जारी किया जाएगा, लेकिन महीनों बीतने के बावजूद उन्हें अब तक मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं मिला।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पीड़िता के पिता ने बताया कि उन्होंने शुरुआत में अस्पताल के एमएसवीपी से संपर्क किया और मृत्यु प्रमाणपत्र की मांग की। उन्होंने कहा कि ठीक है, मैं आपको दे दूंगा। लेकिन उन्होंने छह महीने तक यही कहा। इसके बाद, मैंने एमएसवीपी को लिखित सूचना दी। उन्होंने कहा कि जब मैंने फिर से संपर्क किया तो एमएसवीपी ने कहा कि वह मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं जारी कर सकते।

इसके बाद उन्हें संबंधित ब्योरे के लिए दफ्तर जाने की सलाह दी गई। २०-२१ दिन बीतने के बाद, मुझे यह बताया गया कि विशेष अनुमति से स्वास्थ्य विभाग से प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। इस पर मैंने कहा कि अगर सोमवार तक प्रमाणपत्र नहीं मिला, तो मुझे लिखित कारण बताना होगा कि क्यों नहीं दिया जा सका। उन्होंने कहा कि कोर्ट में जब वकील ने मृत्यू प्रमाणपत्र के बारे में पूछा, तो अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने मृत्यु सूचना प्रमाणपत्र दिया था, लेकिन यह स्वीकार किया कि कोई मृत्यु प्रमाणपत्र नहीं जारी किया गया। वह कोर्ट में एक बात कहते हैं और बाहर आकर दूसरी बात करते हैं।

महाकुंभ गया पुण्य कमाने, किराए का कमरा लेकर कर दी पत्नी की हत्या

पुलिस ने दबोचा तो उगला राज, दूसरी महिला के संबंधों के खिलाफ थी पत्नी

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में रहने वाले एक शख्स ने अपनी पत्नी को महाकुंभ में गंगा स्नान कराने के लिए संगम नगरी ले गया था। वहां उसने १८ फरवरी को उसकी हत्या कर दी।

आरोपी दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला अशोक कुमार है। उस पर हत्या और सबूतों से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि अशोक के अपनी पत्नी के साथ अच्छे संबंध नहीं थे। वह उसके किसी अन्य महिला से अवैध संबंध के खिलाफ थी।

डीसीपी (सिटी) ने बताया कि अशोक कुमार ने साजिश रची और कुंभ मेले को अपनी पत्नी से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा मौके तलाश की। आरोपी दिल्ली नगर निगम में सफाई कर्मचारी है। उसने अपने कुंभ दौरे और स्नान के कई वीडियो भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड किए हैं। आरोपी ने अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद उसी दिन संबंधित पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई और फिर छिप गया।

पुलिस ने कहा कि आरोपी अपनी पत्नी के साथ दिल्ली से प्रयागराज आया था और आजाद नगर, केतवाना में एक कमरा किराए पर लिया। इस दौरान उसने अपना पहचान पत्र जमा नहीं किया। अगली सुबह महिला का शव बाथरूम में मिला था, लेकिन अशोक का कोई पता नहीं था। घटना के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने सुराग पाने के लिए सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को खंगाला।

पुलिस ने कहा कि २१ फरवरी को सबूत मिले जब महिला के भाई प्रवेश कुमार और दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी उसके बेटों अश्वनी और आदर्श ने झंसी पुलिस से संपर्क किया और कपड़ों और फोटो की मदद से उसकी पहचान की। उन्होंने शव की पहचान मीनाक्षी के रूप में की। जब पुलिस ने परिवार के सदस्यों से पूछताछ की तो उन्हें दंपति के बीच संबंधों के बारे में पता चला।

झंसी पुलिस की सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी का पता लगाया और उसे गिरफ्तार किया।

बाद में आरोपी ने खून से लथपथ कपड़े और चाकू को मेला क्षेत्र में कूड़ेदान में फेंककर फरार हो गया था। अधिकारी ने बताया कि आरोपी पिछले तीन महीने से अपनी पत्नी की हत्या की साजिश रच रहा था।

खाने से पहले दही में मिलाएं 4 में से 1 चीज, नहीं तो बढ़ेगा वजन, हड्डियों तक नहीं पहुंचेगा कैल्शियम

मजबूत हड्डियों या वेट लॉस के लिए दही खाना चाहते हैं तो इसका सही टाइम मालूम कर लें। गलत तरीके से खाने पर वजन बढ़ सकता है। कई क्रॉनिक और इंफ्लामेटरी डिजीज हो सकती है। जिन्हें ठीक करने के लिए दवाओं का सहारा लेना पड़ता है। दही को दूध जमाकर बनाया जाता है। इसलिए यह हड्डियों के लिए बहुत अच्छी होती है। जमने से इसके अंदर बैक्टीरिया पनप जाते हैं, जो आंतों को फायदा पहुंचाते हैं। प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन, मिनरल का यह अच्छा सोर्स है। लेकिन सही टाइम और तरीके से खाने पर इसके फायदे मिलते हैं। आयुर्वेद के अनुसार अगर गलत व्यक्ति दही खा ले तो उसे सूजन की दिक्कत हो सकती है। इसे खाने से पित्त दोष बढ़ता है और वजन काबू से बाहर हो सकता है। यह क्रॉनिक डिजीज और पाचन से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। अच्छी तरह पच न पाने के कारण हड्डियों को कैल्शियम नहीं मिल पाता।

दही खाने से क्या होता है?

डॉक्टर ने कहा कि अगर सही आदमी के सही वक्त पर इस डेयरी प्रोडक्ट को खाने से कई फायदे मिलते हैं। जिसमें वात संतुलित होता है, शुक्राणुओं की गुणवत्ता सुधरती और हड्डियों की कमजोरी नहीं होती। यह इसके प्रमुख लाभ हैं।

दही को जल्दी कैसे पचाएं?

दही में सेंधा नमक, काली मिर्च, शहद या घी मिलाकर खाना चाहिए। इन चार में से किसी भी एक चीज को डालने से इसका डायजेशन तेज होता है। काला नमक व काली मिर्च मेटाबॉलिज्म तेज करते हैं जिससे आपका अतिरिक्त वजन नहीं बढ़ेगा और वजन कम करने में सपोर्ट मिलेगी।

किसे खानी चाहिए?

नियमित रूप से एक्सरसाइज करने या अच्छी भूख वालों के लिए दही अनुकूल है। जिन लोगों को गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, कब्ज, स्किन डिजीज, मोटापा, ज्यादा वजन की समस्या नहीं है, वो भी रोज इसका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा इंफ्लामेशन या क्रॉनिक डिजीज भी ना हो।

किस वक्त खाएं?

अक्सर लोग इसे गलत टाइम पर खा लेते हैं, जिसकी वजह से नजला, जुकाम, खांसी, गैस, पेट दर्द हो सकता है। आयुर्वेद डॉक्टर के मुताबिक दही को केवल लंच में खाना चाहिए। इस टाइम के अलावा कभी भी खाने की गलती ना करें।

इसकी जगह क्या खाएं?

अगर आपका वजन ज्यादा है, मोटापा है या खाना ढंग से नहीं पचता तो दही ना खाएं। इसकी जगह छाछ पीएं। इसमें काफी मात्रा में प्रोबायोटिक होते हैं। साथ में कैल्शियम, प्रोटीन मिल जाता है और जल्दी पच भी जाता है।

शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए इन 6 चीजों का सेवन करें

विटामिन, कैल्शियम आदि पोषक तत्व की तरह आयरन शरीर के लिए जरूरी है। इसकी कमी से शरीर में भारी कमजोरी आती है और खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। आयरन बढ़ाने के लिए 6 चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

जिस जमीन में नमी, पोषण और ताकत नहीं होती, उसे बंजर कहते हैं। इसी तरह आयरन की कमी शरीर को बंजर बना देती है। यह बॉडी का खून, रेड ब्लड सेल्स और ऑक्सीजन कम कर देती है। आयरन डेफिशिएंसी को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाते रहने चाहिए। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा ने जानकारी दी है।

आयरन की कमी से होने वाले रोग

आयरन की कमी के कारण हीमोग्लोबिन और रेड ब्लड सेल्स कम हो जाती हैं। जिस वजह से एनीमिया यानी खून की कमी का खतरा बढ़ जाता है। यह दिक्कत महिलाओं को सबसे ज्यादा होती है। इसलिए सरकारी स्कूलों में बचपन से ही लड़कियों को आयरन की गोली खिलाई जाती है। शरीर में आयरन बढ़ाने के लिए 6 उपाय हैं। इन 6 खाद्य पदार्थों को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। जो कि आयरन की गोली खाने की नौबत नहीं आने देंगे। आइए पहले आयरन कम होने के लक्षण जानते हैं।

ये लक्षण कर देंगे बुरा हाल

ऑस्ट्रेलिया की सरकारी हेल्थ बेवसाइट के अनुसार आयरन की कमी शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। जिसकी वजह से निम्नलिखित लक्षण व संकेत दिख सकते हैं।

- हमेशा थकावट रहना
- सांस फूलना
- सिर घूमना
- खून की कमी
- रंग पीला पड़ना
- हाथ-पैर ठंडे होना
- जीभ में सूजन आना
- बार-बार इंफेक्शन होना
- इम्यून सिस्टम की कमजोरी
- बच्चों का विकास रुकना
- भूख ना लगना
- कमजोर नाखून, आदि

आयरन बढ़ाने के उपाय

इन 6 फूड्स को आयरन का भंडार बताया है। इन वेज फूड को डाइट में शामिल करने के बाद आयरन कम होने का खतरा काफी कम हो जाता है। इसके लिए आप राजगिरा (चौलाई), रागी, किशमिश, दाल, सोयाबीन, करी पत्ता का सेवन बढ़ाए।

किसमें कितना आयरन?

- 25 ग्राम राजगिरा में 2.8 मिलीग्राम आयरन
- 20 ग्राम रागी में 1.2 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम किशमिश में 0.7 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम दाल में 6.6 मिलीग्राम आयरन
- 30 ग्राम सोयाबीन में 2.4 मिलीग्राम आयरन
- 10 ग्राम करी पत्ता में 0.87 मिलीग्राम आयरन

इस वजह से भी कम हो सकता है आयरन

खून बहना, पर्याप्त पोषण ना मिलना आदि कारणों से आयरन डेफिशिएंसी होती है। लेकिन कई बार इसके पीछे आयरन का खराब अवशोषण भी होता है। मतलब आप आयरन देने वाली चीजें खा तो रहे हैं, लेकिन शरीर उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है।

आयरन का इस्तेमाल बढ़ाने के तरीके

- आयरन फूड के साथ विटामिन-सी देने वाले फूड भी खाएं
- खाने के बाद कॉफी और चाय पीने से बचें
- अनाज को खाने से पहले पानी में भिगोएं, अंकुरित और फर्मेंट करें
- लोहे की कढ़ाई या पैन में खाना बनाएं
- लाइसीन अमिनो एसिड और आयरन देने वाला क्विनोआ और फलियां खाएं

यूरिक एसिड को जोड़ों में गला देंगे ये आयुर्वेदिक तरीके

शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने से आपको गाउट या किडनी की पथरी की समस्या हो सकती है, इस अपशिष्ट पदार्थ को बाहर निकालने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आप कुछ आयुर्वेदिक तरीके आजमा सकते हैं, जो असरदार हैं।

यूरिक एसिड बढ़ना एक आम समस्या बनती जा रही है. शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा अधिक होने से हाइपरयुरिसीमिया या गाउट की बीमारी हो सकती है। बढ़ा हुआ यूरिक एसिड जोड़ों में गंभीर सूजन और दर्द पैदा कर सकता है। यह किडनी की पथरी का भी कारण बन सकता है। प्यूरीन नामक रसायन के टूटने से यूरिक एसिड निकलता है। प्यूरीन मानव शरीर में पहले से मौजूद होता है। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में भी यह रसायन होता है। वैसे तो यूरिक एसिड किडनी द्वारा फिल्टर होकर पेशाब के जरिए बाहर निकल जाता है लेकिन जब इसका लेवल ज्यादा हो जाता है, तो यह जोड़ों में इकट्ठा हो जाता है और परेशानी पैदा करता है।

यूरिक एसिड कैसे कम करें?

यूरिक एसिड कम करने के लिए कई दवाएं और मेडिकल ट्रीटमेंट उपलब्ध हैं लेकिन आप कुछ गाउट या यूरिक एसिड के लिए आयुर्वेदिक उपचार भी आजमा सकते हैं।

यूरिक एसिड का आयुर्वेदिक उपचार त्रिफला

आयुर्वेद की तीन शक्तिशाली जड़ी बूटियों भीभीतकी, हरीतकी और आंवला से मिलकर बना त्रिफला यूरिक एसिड का बढ़िया उपचार है। इसके एंटीऑक्सिडेंट, एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण इसे मजबूत औषधि बनाते हैं। इसके लिए आप सुबह खाली पेट एक गिलास गर्म पानी के साथ एक चम्मच त्रिफला पाउडर ले सकते हैं।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार- हल्दी

लगभग सभी आयुर्वेद दवाओं में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें करक्यूमिन होता है, जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। हल्दी गठिया का असरदार इलाज है। सूजन और दर्द को कम करने के लिए प्रभावित हिस्से में हल्दी का पेस्ट लगाया जा सकता है, फायदा मिलेगा।

यूरिक एसिड की रामबाण दवा है अदरक

गाउट या गठिया के रोगियों के लिए निर्धारित हर्बल दवाओं में अदरक मिलाया जाता है। इसमें हाई यूरिक एसिड को कम करने के ताकत होती है। यूरिक एसिड कम करने और इसके लक्षणों को कम करने के लिए आपको अपने खाने और चाय में अदरक का इस्तेमाल करना चाहिए।

यूरिक एसिड का घरेलू इलाज है गिलोय जड़ी बूटी

गिलोय को मूल रूप से एक ज्वरनाशक जड़ी बूटी कहा जाता है। इसे शरीर में एक्स्ट्रा यूरिक एसिड को बेअसर करने के लिए जाना जाता है। यूरिक एसिड लेवल कम करने के लिए आप एक्सपर्ट की सलाह पर गिलोय जूस ले सकते हैं या इसका पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड की आयुर्वेदिक दवा है नीम

नीम को सदियों से औषधीय पौधा माना जाता रहा है। नीम में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो इसे गाउट के उपचार के लिए एक बढ़िया जड़ी बूटी बनाते हैं। अगर आप यूरिक एसिड के मरीज हैं, तो दर्द और सूजन कम करने के लिए प्रभावित हिस्से पर नीम का पेस्ट लगाएं।

ब्रेन स्ट्रोक से काफी पहले पड़ता है छोटा अटैक

ब्रेन स्ट्रोक में दिमाग की नस फट जाती है। लेकिन इससे काफी पहले छोटा अटैक दिख सकता है। जिसके लक्षणों को पहचानकर ब्रेन स्ट्रोक से बचा जा सकता है।

जब दिमाग की कोई नस ब्लॉक हो जाती है तो ब्रेन स्ट्रोक आता है। यह एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें समय पर इलाज ना मिलने पर मौत हो सकती है। लेकिन क्या आप मिनी ब्रेन स्ट्रोक के बारे में जानते हैं। जो कि बड़े अटैक से काफी वक्त पहले दिख सकता है। इसके लक्षण हल्के होते हैं, जिन्हें वक्त पर पहचानकर बड़े अटैक से बच सकते हैं। इसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक भी कहते हैं।

दिमाग का छोटा अटैक कब आता है?

ब्रेन स्ट्रोक की तरह छोटा अटैक भी दिमाग की नस ब्लॉक होने से आता है। इसकी वजह से दिमाग को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाती है। लेकिन ये डैमेज परमानेंट नहीं होती है और 24 घंटे में खुद ही ठीक हो जाती है। मगर इसके लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

पैरालिसिस या स्ट्रोक से कैसे बचें?

- शरीर के एक तरफ पर चेहरे, हाथ या पैर में सुन्नपन या कमजोरी
- अचानक बोलने में दिक्कत आना
- अचानक देखने में दिक्कत
- अचानक शारीरिक संतुलन खो जाना
- अचानक चलने में दिक्कत आना
- चक्कर आना
- अकारण तेज और गंभीर सिरदर्द
- निगलने में कठिनाई
- चेहरे की मांसपेशियां गिरना

24 घंटे में गायब हो जाते हैं लक्षण

नसों में ब्लड क्लॉट जमने से मिनी स्ट्रोक पड़ता है। जिससे खून पूरी आजादी के साथ घूम नहीं पाता है। लेकिन ये ब्लड क्लॉट छोटे और अस्थाई होते हैं और कुछ ही देर में वापस घुल जाते हैं। लेकिन इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

मिनी स्ट्रोक से बचने के टिप्स

- धूम्रपान और शराब का सेवन बंद कर दें।
- ताजे फल, सब्जी और साबुत अनाज का सेवन करें।
- शरीर का वजन कंट्रोल रखें।
- नियमित एक्सरसाइज करें।
- फैट का सेवन कम कर दें।
- टाइप 2 डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी जैसी बीमारियों की दवा लेते रहें।

स्ट्रोक से बचाने वाली डाइट

ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए लो फैट, कम नमक के साथ हाई फाइबर डाइट लेनी चाहिए। जिसके लिए आप इन फूड्स को खा सकते हैं। नाशपाती, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो, सेब, केला, गाजर, चुकंदर, ब्रोकली, पालक, टमाटर, दालें, राजमा, छोले, क्विनोआ, ओट्स, बादाम, चिया सीड्स, शकरकंद

कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है मोमबत्ती उत्पादन

मोमबत्ती उत्पादन एक क्रिएटिव काम है। एक अच्छा आर्टिस्ट अच्छा मोमबत्ती उत्पादक बन सकता है। मोमबत्ती उत्पादन में डिजाइन के साथ कलर कॉम्बिनेशन की समझ होना जरूरी है, पर इसकी मैन्युफैक्चरिंग को समझने के लिए ट्रेनिंग लेना जरूरी है। यह एक ऐसा घरेलू उद्योग है, जिसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है।

कच्चा माल

आपको इस उद्योग को करने के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है जिन्हें हम कच्चा माल कहते हैं। पहली चीज है सूत और दूसरी चीज है मोम। सूत तो आपको कहीं भी मिल जायेगा और मोम आपको रिफायनरी से प्राप्त हो जायेगा। आप इन दोनों चीजों की सहायता से मोमबत्ती बनाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा जैल मोमबत्ती बनाने के लिए जैल, खुशबूदार मोमबत्ती के लिए कुछ खास तरह के परफ्यूम और इन्हें सजाने के लिए पत्थर, मोती, सितारे और ग्रेड, वैक्स पिघलाने के लिए बड़े बर्तन और चूल्हा और मोमबत्ती को विभिन्न आकारों में ढालने के लिए सांचों की जरूरत होती है।

प्रशिक्षण

मोमबत्ती उत्पादन (कैंडल मेकिंग) में डिप्लोमा तीन महीने से एक साल की अवधि का होता है। प्रशिक्षण के दौरान मोम बनाना, ढांचे का चयन, लौह शीट में धागा डाल कर मोम ढालने का तरीका सिखाया जाता है। इसी कोर्स में डिजाइनर मोमबत्तियां बनानी सिखाई जाती हैं। इसमें मोमबत्ती निर्माण की कला का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकार की तरफ से व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत उद्यमियों को विभिन्न उद्योगों में सशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

मोमबत्ती बनाने के बाद

मोमबत्ती बनाने के बाद आप अपने निकट बाजार में दुकानों से संपर्क बनाइए और कुछ सस्ते में अपना माल, इन लोगों तक पहुंचाने का काम करें। मोमबत्ती बनाने का काम जितना आसान है उतना ही आसान इनको बेचना भी है। आप सिर्फ मोमबत्ती लेकर भी पास की बाजार में बैठ सकते हैं और लोगों को मोमबत्ती बेचकर धन कमा सकते हैं। या फिर सायकिल के द्वारा किसी व्यक्ति से गली-गली में बेच सकते हैं।

शुरुआती खर्च

मोमबत्ती उद्योग कुटीर उद्योग है, इसलिए इसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है। आप दस हजार से एक लाख रुपये तक की पूंजी में इस व्यवसाय को शुरू कर सकते हैं।

सरकारी मदद

मोमबत्ती उत्पादन लघु उद्योग की श्रेणी में आता है। केंद्र और राज्य सरकारों का खादी ग्रामोद्योग इसे बढ़ावा देने के लिए नए-नए प्रोत्साहन और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती रहता है। एक सर्वे के अनुसार भारत में मोमबत्ती का बाजार लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। नए उद्यमियों को सरकार हर तरह की सहायता देती है। महिलाओं, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति वर्ग से जुड़े लोगों को ऋण में 30 प्रतिशत तक छूट भी मिलती है।

लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट से करें करियर की ब्रांडिंग

ब्रांड मैनेजमेंट एक चुनौतीपूर्ण करियर फील्ड है, जिसमें रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। अगर आपके अंदर सौंदर्यबोध है तो लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए अच्छा करियर हो सकता है। भारत में जिस तरह से टिनोटिन लग्जरी मार्केट विकसित हो रहा है, उसे देखते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित रिटेल और सर्विस के प्रोफेशनल्स के लिए मौके ही मौके हैं।

आज का समय ऐसा है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। ऐसे में सभी छोटी-बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट को आगे बढ़ाने की जुगत में लगी हैं। जम कर ब्रांडिंग कर रही हैं और इन कामों को बखूबी अंजाम देने का काम कर रहे हैं कंपनी के ब्रांड मैनेजर और ब्रांड मैनेजमेंट टीम। ब्रांडिंग के बढ़ते इस्तेमाल ने ब्रांड मैनेजमेंट को युवाओं के लिए एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभारा है। इन्ही में से एक हैं पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट का कोर्स जिसे करने के बाद आपके लिए करियर के रास्ते खुल जाते हैं।

कोर्स का विवरण

पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट 16 महीनो का कोर्स है जो अभी-अभी ग्रेजुएट हुए स्टूडेंट्स और किसी भी फील्ड में काम कर चुके प्रोफेशनल्स, लग्जरी की फील्ड में अपने करियर को एक बेहतर रूप देना चाहते हैं उनके लिए है। इस कोर्स के दौरान 10 महीनो का एकेडमिक सेशन होता है, जिसमे एकेडमिक्स के साथ-साथ जॉब ट्रेनिंग भी दी जाती है। एकेडमिक सेशन के बाद स्टूडेंट्स को 6 महीनो की इंडस्ट्री में इंटर्नशिप प्रदान कराई जाती है।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, विजुअल मर्चेंडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड हेड, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं ऐसा कहना है एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओ अभय मुग्ला का।

कुछ हटकर

रिटेल में लग्जरी सेक्टर 20 फीसदी सालाना की दर से आगे बढ़ रही है। यह तेजी पिछले कई सालों से जारी है। 2028 तक इस क्षेत्र में लगभग 28 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऑटोमोबाइल्सल, ज्वैलर्स, घड़ियां, रियल एस्टेटट, वाइन, ट्रैवल एंड टूरिज्म में नए अवसर रोजगार के लिए वरदान साबित होगा। अभी इसमें सबसे बड़ी समस्या कुशल लोगों की है क्योंकि लग्जरी ब्रांड की सर्विस का अंदाज अलग होता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एलसीबीएस के डायरेक्टर के मुताबिक, पोस्टस ग्रेजुएट डिप्लोएमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट अपनी तरह का अनूठा और बिलकुल नया कोर्स है, रिटेल की जरूरतें बढ़ रही हैं लेकिन इसमें कुशल लोगों की बेहद कमी है। यह एक शानदार रोजगार का क्षेत्र है जहां संभावनाओं की कमी नहीं है। मौजूदा विश्व परिवेश को देखकर पता चलता है कि आने वाले समय में इस सेक्टर में असीम रोजगार की संभावनाएं हैं। यह उन युवाओं के लिए एक सफल लांचिंग पैड है जिन्होंने अब तक कुछ न कुछ मिस कर दिया है।

वेतन

इस कोर्स के पूरा होने के बाद कॉलेज स्टूडेंट्स को अलग-अलग कंपनीयों में इंटर्नशिप के लिए भेजा जाता है जिसमें बतौर स्टाइपेंड 15 से 25 हजार रुपए मिलते हैं, कोर्स पूरा करते ही अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 40,000 रु. से 50,000 रु. के बीच हो सकता है। तजुर्बे के साथ-साथ सैलरी में इजाफा होता रहता है। इन नौकरियों में वेतन के अलावा कई तरह के इन्सेंटिव और अन्य सुविधाएं भी शामिल हो सकती हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन रिटेल स्कूहल, नई दिल्ली
- लग्जरी कनेक्ट बिजनेस स्कूईल, गुडगांव, हरियाणा
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड स्टनडीज, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे
- बिमटेक, ग्रेटर नोएडा, उत्तरप्रदेश
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च ऐंड इंटरप्रेन्योरशिप, बेंगलुरु, कर्नाटक

कस्टमर केयर जॉब की कमी नहीं

कस्टमर को समझना और उसकी डिमांड का रिस्पेक्ट कर उसे उत्पाद बेचना इतना आसान काम नहीं है। इसके लिए धैर्य और लगन की जरूरत होती है, साथ ही लगातार आगे बढने के जज्बे की भी जरूरत होती है। वर्तमान में सेवा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कस्टमर को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो और उनकी उत्पाद के बारे में क्या राय है आदि के बारे में काफी ध्यान रखा जाता है। इसके अलावा कंपनियाँ लगातार अपने उत्पादों में सुधार करने के लिए ग्राहकों से ही सर्वे के माध्यम से यह जानना चाहती है कि ग्राहक उत्पादों में क्या बदलाव चाहता है। इन सभी के लिए कस्टमर केयर के विशेषज्ञ की जरूरत होती है।

कस्टमर का रखा जाता है पूरा ध्यान

कस्टमर केयर अब केवल निजी क्षेत्र में नहीं, बल्कि सरकारी क्षेत्र में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कई सरकारी संस्थान अपने यहाँ पर कस्टमर केयर अधिकारी की नियुक्ति करने लगे हैं, जो समय समय पर ग्राहकों से न केवल बातचीत करते हैं, बल्कि सर्वे आदि भी करते हैं। इन सर्वे के माध्यमों से वे अपनी संस्थानों को यह भी बताते हैं कि कहाँ पर गलती हो रही है और ग्राहकों को क्या पसंद है। विदेशी कंपनियाँ अपने साथ यह कल्चर लाई है, पर ऐसा भी नहीं है कि इसके पहले देश में कस्टमर केयर की बातें नहीं होती थीं।

इसमें है कई विकल्प

विदेशी कंपनियाँ अपने कस्टमर केयर अधिकारी को किसी भी तरह की समस्या आने पर समस्या को सुलझाने के बाद कस्टमर केयर अधिकारी को उस व्यक्ति के घर पर भेजती है और अधिकारी संपूर्ण बातचीत करने के बाद इस बात का निष्कर्ष निकालता है कि आखिर समस्या कहाँ पर है! कुल मिलाकर कस्टमर केयर का क्षेत्र काफी बड़ा है और इसमें कई तरह के विकल्प युवाओं के लिए मौजूद हैं। सर्विस सेक्टर में कस्टमर केयर को सबसे ज्यादा तरजीह दी जाती है। सर्विस सेक्टर काफी तेजी से बढ़ रहा है और इसमें कई कंपनियाँ अपने उपभोक्ताओं के बीच इस कारण प्रसिद्ध हैं, क्योंकि उनका कस्टमर केयर काफी अच्छा है।

बहुभाषी को है फायदा

बेहतरीन कम्युनिकेशन स्कील्ज और आकर्षक व्यक्तित्व होना पहली जरूरत होती है। अगर आप बहुभाषी हैं तो एयरलाइंस से लेकर पर्यटन के क्षेत्र में आपको काफी महत्व मिल सकता है। इस क्षेत्र में युवा साथी को समाधान खोजी और पहल करने वाला होना चाहिए। ग्राहक को यह लगना चाहिए कि हमारी बात सुनी जा रही है। उत्साह से लबरेज कस्टमर केयर अधिकारी अपनी शालीनता और बोलचाल के माध्यम से कस्टमर को संतोषजनक जवाब दे सकता है। इतना ही नहीं, उन्हें यह भी लगना चाहिए कि आप उनके हित की बात कर रहे हैं।

केवल कॉल सेंटर ही नहीं है कस्टमर केयर

कस्टमर केयर का मतलब केवल कॉल सेंटर से नहीं, बल्कि इसमें कई स्तर है, जिसमें आपको ग्राहकों से न केवल संवाद स्थापित करना है, बल्कि उनकी समस्याओं को सुनकर उचित मार्गदर्शन देकर समस्या को हल भी करना है। ग्राहक सेवा का पर्यटन से लेकर बैंकिंग क्षेत्र में ध्यान रखना पड़ता है। यह धैर्य और समझदारी भरा काम होता है, जिसमें ग्राहक की बातों को ध्यानपूर्वक सुनना शामिल है।

भाग्य से नहीं, परिश्रम से मिलती है सफलता

हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

प्राय- सफलता हमारे बहुत निकट होती है, लेकिन उसको देखने में चूक हो जाने के कारण ही हम असफल हो जाते हैं एक बार एक व्यक्ति ने जल्दी धनवान बनने के इरादे से एक ऐसी जमीन का टुकड़ा खरीदा, जिसमें हीरों के भंडार होने की पूरी संभावना थी। जमीन खरीदने के बाद उसने वहां पर खुदाई का काम प्रारंभ कर दिया। वह महीनों तक दिन-रात खुदाई के काम में लगा रहा, लेकिन उसे कहीं भी हीरों का नामो-निशान नहीं दिखलाई पड़ा। वह निराश हो गया और उसने फैसला किया कि वह यहां और अधिक समय व साधन नष्ट नहीं करेगा। उसने अपना काम समेटकर उस जमीन को कौडियों के दाम बेच दिया और अन्यत्र हीरे की खानों की खोज के लिए निकल पड़ा। वह जमीन खरीदता और उसमें खुदाई करवाता लेकिन हीरे न मिलने पर उस जमीन को सस्ते-मंदे में बेचकर आगे का रास्ता लेता। उसने कहां-कहां नहीं अपने भाग्य को आजमाया, लेकिन वह जहां भी गया असफलता ही उसके हाथ लगी और अंत में एक दिन समुद्र में डूबकर मर गया। इस दौरान जिस व्यक्ति ने उसकी पहली जमीन खरीदी थी, उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ी थी वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी। उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई।

प्रश्न उठता है कि पहले वाले व्यक्ति को काफी दिनों तक लगातार खुदाई करने के बावजूद हीरों वाली सतह क्यों नहीं मिली जबकि बाद वाले व्यक्ति को जल्दी ही हीरों वाली सतह मिल गई। उत्तर स्पष्ट है कि पहले वाले व्यक्ति ने निराश होकर जमीन की खुदाई करना बंद कर दिया था जबकि हीरों की सतह उस जगह से केवल तीन इंच नीचे उपस्थित थी। ऐसा कोई संकेत भी नहीं था कि अब हीरे नहीं मिलेंगे इसलिए खुदाई बंद करने का कोई औचित्य भी नहीं था। अगर वह काम करना बंद नहीं करता, तो उसे बहुत जल्दी ही हीरों की सतह मिल जाती और उसे पूरी दुनिया में भटकना व समुद्र में डूबकर मरना नहीं पड़ता। जहां तक दूसरे व्यक्ति की सफलता का प्रश्न है वह एक समझदार व्यक्ति था और समझदार व्यक्ति के लिए यह अनुमान लगाना कठिन नहीं था कि अब तक की खुदाई में हीरों की सतह नहीं मिल पाई है तो थोड़ा और खोदने पर वह जरूर मिल जाएगी। हीरे तो इसी जमीन में हैं अत- उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ दी थी, वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी और उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई। पहले व्यक्ति ने अपने अविश्वास व निराशा के कारण कार्य करना छोड़ दिया। उसने जिस बिंदु पर कार्य करना छोड़ा वहां सफलता उसके एकदम करीब थी। यदि वह थोड़ा सा और प्रयास करता तो उसका जीवन ही बदल जाता। हमारे साथ भी तो प्राय- ऐसा ही होता है। हम कार्य करते-करते एकदम ऊब उठते हैं और कह देते हैं कि बस अब और नहीं। हम प्राय- उस समय हथियार डाल देते हैं जब सफलता हमारे बहुत करीब होती है। अब इस स्थिति से बचने का क्या उपाय है?

जब तक पूर्ण रूप से सफलता नहीं मिल जाती, तब तक न तो प्रयास करना ही छोड़ें और न विश्वास ही कमजोर पडने दें। जीवन का कोई भी क्षेत्र क्यों न हो, हमें अपने संघर्ष को बीच में कदापि नहीं छोडना चाहिए। हम निरंतर प्रयास करते रहें इसके लिए हमें अपने अंदर धैर्य विकसित करने का प्रयास करते रहना चाहिए। बस अब और नहीं कहना है तो अपने अविश्वास, भाग्यवादिता, अकर्मण्यता व अपने कमजोर इरादों को कहिए कि बस अब और नहीं। निरंतर अभ्यास करने से न जाने कितने जड़मति व्यक्ति महान विद्वान बन गए। एक तथ्य और बहुत महत्वपूर्ण है और वह यह कि यदि दुनिया में कोई भी व्यक्ति सफल हो सकता है तो हम भी हो सकते हैं। हम इस विश्वास के साथ कार्य करें कि हमें भी अवश्य ही सफलता मिलेगी। कई बार सफलता मिलने में जो थोड़ी सी देर या तीन इंच की दूरी होती है उसी को पार करने पर ही सफलता मिल सकती है अत- घबराकर या निराश होकर काम बीच में छोडकर भागने से पहले इस तथ्य पर विचार अवश्य कर लें कि कहीं में उसी बिंदु पर तो नहीं हूं, जहां अगले ही कदम पर सफलता स्वागत करने को तैयार बैठी है। यही वास्तविकता है अत- छोड़ने से पहले एक अतिम प्रयास अवश्य करें। यह अतिम प्रयास तब तक करते रहें जब तक पूर्ण सफलता नहीं मिल जाती। हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो परिश्रम व लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

संक्षिप्त समाचार

सर्वे ने उड़ाई चांसलर शुल्ज की नींद, कट्टरपंथी एलिस को बढ़त; मत्ज जीत की ओर

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में आम चुनाव को लेकर वोटिंग होगी, लेकिन इससे पहले सर्वे में मौजूदा चांसलर की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी पिछड़ती दिख रही है। विपक्षी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन के फ्रेडरिक मत्ज चांसलर की रेस में आगे हैं। सर्वे में एलिस वीडेल की कट्टरपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी को भी बढ़त मिलती दिख रही है। सर्वे के मुताबिक 29 प्रतिशत लोग मत्ज की पार्टी के समर्थन में हैं और कट्टरपंथी एलिस की पार्टी को 21 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलता दिख रहा है। चांसलर शोल्ज की पार्टी को सिर्फ 16 प्रतिशत लोगों का समर्थन प्राप्त होता दिख रहा है और वो तीसरे नंबर की पार्टी बवती दिख रही है। सत्तारुढ़ गठबंधन में शामिल ग्रीन पार्टी को 12त्न और फ्री डेमोक्रेटिक पार्टी को 7त्न वोट मिल सकता है और ये दोनों पार्टी किंग मेकर की भूमिका निभा सकती है। जर्मनी में सुबह आठ से लेकर शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। जर्मनी की आबादी 8.4 करोड़ है और करीब 6 करोड़ लोग वोटिंग में हिस्सा लेंगे। वोटिंग खत्म होने के बाद एग्जिट पोल आएंगे और वोटों की गिनती भी शुरू हो जाएगी। सोमवार सुबह तक परिणाम की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। जर्मनी के आम चुनाव में एलन मस्क के दखल ने इस चुनाव को और भी ज्यादा दिलचस्प बना दिया है। शनिवार को एलन मस्क ने कट्टरपंथी नेता एलिस वीडेल को अपना समर्थन जताया है। इसके साथ ही रूस का भी इस चुनाव में दखल सामने आया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, डोपेलगैंगर और स्टॉर्म-1516 जैसे ग्रुप रूस से हजारों बॉट आर्मी के जरिए चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। ये ग्रुप रोजाना हजारों वीडियोज-फेक न्यूज सोशल मीडिया खासकर एक्स पर पोस्ट कर रहे हैं। ये पोस्ट ब्रष्ठ पार्टी के समर्थन में हो रहे हैं। सर्वे में मत्ज की पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनती दिख रही है लेकिन 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट इस पार्टी को मिलता नहीं दिख रहा है। जर्मनी में सत्ता में आने के लिए किसी भी पार्टी को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट लाना पड़ता है। इसलिए अक्सर यहां गठबंधन की सरकार बनती है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया ने वामपंथियों पर जमकर हमला बोल

वाशिंगटन। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने वामपंथियों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने वैश्विक राजनीतिक वामपंथ के दोहरे मापदंड की आलोचना की। मेलोनी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वाशिंगटन डीसी में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली समेत दुनिया के तमाम नेता एक नए वैश्विक कंजर्वेटिव आंदोलन को आकार दे रहे हैं। मेलोनी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद वामपंथियों की चिड़चिड़ाहट हिस्टिरिया में बदल चुकी है। यह सिर्फ इसलिए नहीं है कि कंजर्वेटिव जीत रहे हैं बल्कि इस वजह से है कि वे वैश्विक स्तर पर सहयोग भी कर रहे हैं। मेलोनी ने वामपंथियों के दोहरे मापदंड का पर्दाफाश किया। उन्होंने कहा कि जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाया तो उन्हें राजनेता कहा गया। मगर आज जब डोनाल्ड ट्रंप, मेलोनी व माइली या पीएम मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह वामपंथियों का डबल स्टैंडर्ड है। उन्होंने कहा कि मगर हम इसके आदी हो चुके हैं।

बंटी हुई है दुनिया, जी20 की अखंडता बनाए रखना जरूरी; चीन ने मिलाए भारत के सुर में सुर

जोहानिसबर्ग एजेंसी। ब्रिक्स समूह को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेतुके बयानों के बीच भारत ने जी-20 समूह की अखंडता बनाए रखने पर जोर दिया है। चीन ने भी भारत के इस अह्वान पर सहमति जताई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ''ध्रुवीकृत'' वैश्विक स्थिति के बीच, जी-20 समूह की अखंडता बनाए रखने में भारत और चीन के संयुक्त प्रयासों पर शुक्रवार को जोर दिया। जयशंकर जी-20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की दो दिवसीय यात्रा पर जोहानिसबर्ग में हैं।

उन्होंने यहां जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान अपने संबोधन में कहा, ''हमें यह समझना चाहिए कि ध्रुवीकृत वैश्विक स्थिति में, दोनों देशों ने एक संस्था के रूप में जी-20 को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह अपने आप में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व को प्रमाणित करता है।''

दक्षिण अफ्रीका 2025 के लिए जी-20 की मेजबानी कर रहा है, और इस बैठक से पूरे वर्ष के लिए निर्धारित कार्यक्रमों की श्रृंखला की शुरुआत होगी। अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में, जी-20 वैश्विक अर्थव्यवस्था को उसके समक्ष पेश आने वाली चुनौतियों से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जी-20 में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका, अफ्रीकी संघ और यूरोपीय संघ शामिल हैं। चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वांग ने कहा कि पिछले वर्ष रूस के कजान में राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच सफल बैठक के बाद, दोनों देशों के बीच सभी स्तरों पर आदान-प्रदान व्यवस्थित तरीके से बहाल हो गया है।

वांग ने कहा कि सीमा मुद्दों पर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक में विशिष्ट मतभेदों को उचित तरीके से निपटाने पर आम सहमति बन गई है। वांग और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भारत-चीन सीमा तंत्र के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं। दोनों देशों के बीच पिछले वर्ष दिसंबर में मुलाकात हुई थी और वे सीमा पर शांति बनाए रखने तथा भारत-चीन संबंधों को स्थिर बनाए रखने के लिए कदम उठाने पर सहमत हुए थे।

वांग ने कहा कि यह दोनों देशों के लोगों की आम उम्मीदों के अनुरूप है कि वे आपसी विश्वास बहाल करें। वहीं, जयशंकर ने कहा कि जी-20 जैसे मंचों ने भारत और चीन को अपने द्विपक्षीय संबंधों में चुनौतीपूर्ण दौर के दौरान भी बातचीत करने के अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा, ''ऐसी बैठकों ने हमारे बीच बातचीत का अवसर प्रदान किया, उस समय भी जब हमारे संबंध कठिन दौर से गुजर रहे थे।

जयशंकर ने कहा, ''हमारे एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) और विदेश सचिव चीन का दौरा कर चुके हैं और हमारे संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई है। इसमें सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता के प्रबंधन के साथ-साथ हमारे संबंधों के अन्य आयाम भी शामिल हैं। मुझे आज विचारों के आदान-प्रदान पर खुशी है।''

उन्होंने यह जिक्र किया कि भारत और चीन जी-20, एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) और ब्रिक्स के सदस्य हैं। अपने संबोधन में वांग ने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक को द्विपक्षीय संबंधों में ''पिछले वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण बात'' बताया। उन्होंने कहा, ''यह संबंध सुधार की दिशा में और आगे की ओर अग्रसर है।''

भारत की महिला शांति सैनिक मिशनों के परिणामों को बेहतर बनाती हैं: संयुक्त राष्ट्र शांति प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। . संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका बनी हुई है और भारत की महिला शांति सैनिकों ने यह साबित किया है कि अधिक महिला प्रतिनिधित्व वाले मिशन संचालन के परिणामों को बेहतर बनाते हैं और स्थायी शांति में योगदान करते हैं, यह बात संयुक्त राष्ट्र के शांति संचालन प्रमुख ने कही।

संयुक्त राष्ट्र के शांति संचालन के अवर सचिव इस सप्ताह नई दिल्ली का दौरा करेंगे और 24-25 फरवरी को भारत द्वारा आयोजित शांति मिशनों में महिलाओं की भूमिका को बढ़ाना एक ग्लोबल साउथ अनुभव नामक सम्मेलन में भाग लेंगे। कहा, भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों की एक बुनियादी स्तंभ बना हुआ है और भारत की महिला शांति सैनिक शांति मिशनों की परिभाषा को फिर से लिख रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में इस सम्मेलन में भाग लेना उनके लिए आत्म-सम्मान की बात है। इस सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के लगभग 50 देशों की महिला अधिकारी एकत्रित होंगी, जो शांति मिशनों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका पर चर्चा करेंगी। कहा, शांति मिशनों में अधिक महिलाओं का होना अधिक प्रभावी शांति संचालन का कारण बनता है। भारत लंबे समय से शांति मिशनों में महिलाओं, शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में नेता रहा है। यह न केवल एक शीर्ष सैनिक और पुलिस योगदानकर्ता के रूप में है, बल्कि जेंडर समानता को बढ़ावा देने में भी एक अग्रणी के रूप में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में नेतृत्व करने वाला और मिशनों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का संकल्प रखने वाला देश है। उन्होंने कहा, भारत की महिला शांति सैनिकों की उपस्थिति यह साबित करती है कि मिशनों में अधिक महिलाओं का प्रतिनिधित्व समुदायों के साथ मजबूत संबंध बनाने, संचालन के परिणामों को सुधारने और स्थायी शांति में योगदान करने में सहायक होता है।

नताली हार्प ट्रंप के लिए जेल भी जाने के लिए थीं तैयार?

राष्ट्रपति के लिए दीवानगी बनी सीक्रेट सर्विस की चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी न किसी वजह से हमेशा चर्चा में रहते हैं। अब अमेरिकी पत्रकार माइकल वोल्फ की नई किताब सब कुछ या कुछ भी नहीं- ट्रम्प ने अमेरिका पर कैसे पुनः कब्जा किया में उनको लेकर एक खुलासा हुआ है।

उनकी किताब में 33 साल की नताली हार्प का जिक्र किया गया है, जिन्हें ट्रम्प की करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। बता दें कि नताली हार्प चालीज एंजेल्स नामक महिला सहयोगियों के समूह का हिस्सा थीं, जिनके साथ ट्रम्प का व्यवहार फ्लर्टिंग से भरा था।

सीक्रेट सर्विस को ट्रंप की चिंता: नताली हार्प की उनके प्रति दीवानगी इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि इसको लेकर सीक्रेट सर्विस को चिंता सताने लगी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हार्प ने ट्रंप को कई पत्र लिखे हैं, जिनमें से एक में उन्होंने लिखा था- आप ही मेरे लिए सब कुछ हैं।

वोल्फ के मुताबिक, हार्प का ट्रम्प के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि जब उन्हें ट्रंप से मिलने नहीं दिया जाता, तो वह गुस्से में आ जाती थीं। इस वजह से सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें ट्रंप की सुरक्षा में जोखिम माना। हालांकि, ट्रंप ने उनकी इन सब बातों को खारिज कर दिया है और ट्रंप ने कहा,यह बकवास है... वह बस अपने राष्ट्रपति से प्यार करती हैं।

कोर्ट में ट्रम्प के पीछे ही बैठती थीं हार्प: यहां तक कि हार्प, ट्रंप के मुकदमे के दौरान कोर्ट में उनके पीछे बैठती थीं। उन्होंने ट्रम्प के लिए एक पोर्टेबल प्रिंटर भी रखा था, जिससे वह लगातार उनकी तारीफ में छपी खबरें निकालकर उन्हें सौंपती थीं। जब एक बार ट्रंप पर जज ने मीडिया में बयानबाजी पर रोक लगा दी थी तो, तब हार्प ने कहा था, मैं उनके बयान अपने नाम से पोस्ट कर दूंगी। मुझे जेल भी जाना पड़े तो मैं जाऊंगी।

वहीं ट्रम्प के बेटे एरिक ट्रम्प ने भी इस मुद्दे पर संदेह जताया है और उन्होंने इस समस्या का समाधान करने के लिए कानूनी टीम से सवाल-जवाब भी किए। वोल्फ ने इस मामले में कहा, सीक्रेट सर्विस ने इस मामले में हस्तक्षेप किया , लेकिन कोई भी ट्रंप को यह बताने की हिम्मत नहीं कर पाया है।

ट्रंप का जवाब?: रिपोर्ट के अनुसार, हार्प ने वॉर्डरोब पर ज्यादा से ज्यादा से खर्च किया, क्योंकि ट्रंप ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा कैमरे के सामने आने के लिए कहा था। साथ ही वह ट्रंप के ट्रूथ सोशल मीडिया पोस्ट भी लिखने लगी थीं। इस किताब में किए गए कई बड़े खुलासों को ट्रंप कैंप ने नकार दिया है।

अब नोरोवायरस का खतरा!

लंदन, एजेंसी। अब एक नया वायरस लोगों को डरा रहा है, पिछले कुछ दिनों से कावासाकी नोरोवायरस का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। नोरोवायरस संक्रमण के प्रकोप के कारण यू.के. में अस्पताल के अधिकारियों को तत्काल नोटिस जारी करने पड़ रहे हैं, जिसमें लोगों से अधिक संक्रमण से बचने के लिए अस्पताल में आने की संख्या सीमित करने को कहा गया है। अत्यधिक संक्रामक वायरस, जिसे विंटर वोमिटिंग बग भी कहा जाता है, इस वायरस के मामलों में तीव्र बढ़ोतरी हो रही है। इसमें अचानक उल्टी और दस्त की समस्या जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि अकेले 2025 के पहले सात हफ्तों के दौरान, 400 मामले सामने आए थे और सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी अलार्म बजा रहे है।

ब्रिटिश स्वास्थ्य और सुरक्षा कार्यकारी (एचएसई) ने बढ़ती चिंता की ओर इशारा करते हुए कहा है कि स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में बढ़ती गतिविधि पहले से ही तनावग्रस्त सर्दियों की स्वास्थ्य प्रणाली पर भारी दबाव डाल रही है। नोरोवायरस बीमारी में यह बढ़ोतरी केवल यू.के. तक सीमित नहीं है क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका में भी इसी तरह की बढ़ोतरी देखी गई है, जो वायरस के संभावित रूप से व्यापक अंतरराष्ट्रीय प्रसार का संकेत देती है।

थोप नहीं रहा; गाजा प्लान पर ट्रंप की सफाई, इजरायल की 2005 वाली डील पर भी उठाए सवाल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में शांति बहाल करने के लिए दिए अपने प्लान का बचाव किया है। ट्रंप ने कहा कि इजरायल और फिलिस्तिनियों के बीच में शांति बहाल करने के लिए उन्होंने गाजा पुनर्विकास की जो योजना बताई है उसे लेकर वह कोई जबरदस्ती नहीं कर रहे हैं। यह उस क्षेत्र में एक शांति स्थापित करने के लिए जरूरी है। ट्रंप ने 2005 में इजरायल द्वारा गाजा कि जमीन को वापस किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुझे आश्चर्य होता है कि इजरायल ने तब एकतरफा वापसी क्यों की। उन्होंने ऐसा किया इसी वजह से हमास ने दोबारा वहां पर अपनी पकड़ को मजबूत कर लिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दोहराया कि गाजा के पुनर्विकास के लिए उन्होंने जो योजना बताई है वह सर्वश्रेष्ठ है। फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए यह योजना सबसे सही है। यह मेरी योजना है मैं आपको बताऊंगा कि इसे कैसे लागू करना है। मुझे लगता है कि ऐसी योजना काम करेगी लेकिन मैं इसके लिए किसी को मजबूर नहीं कर रहा

हूं। मैं बस आराम से बैठूंगा और इसकी अनुशंसा करुंगा। जब वहां से सब निकल जाएंगे तो हम एक साफ स्लेट की तरह एक नई शुरुआत करेंगे। इस पूरे क्षेत्र पर अमेरिका का स्वामित्व होगा तब आप देखेंगे कि वहां पर कोई हमास नहीं है। हम इस पूरे क्षेत्र को विकसित करेंगे। शांति के लिए यह योजना सबसे सही है। ट्रंप भले ही अपने इस गाजा प्लान को लेकर आश्वस्त हों लेकिन मिस्त्र और जॉर्डन समेत तमाम अरब देशों ने फिलिस्तीनियों को गाजा से निकालने और फिर इसे पुनर्विकसित करने की योजना को खारिज कर दिया है। इस पर नाराज अमेरिका ने इन देशों को मिलने वाली विदेशी सहायता बंद करने की धमकी भी दी। इसके बाद जॉर्डन गाजा में बीमार 2000 बच्चों को अपने देश में शरण देने के लिए तैयार हो गया। डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल द्वारा 2005 में गाजा में जमीन छोड़ दिए जाने पर भी आश्चर्य व्यक्त किया। ट्रंप ने कहा मुझे समझ नहीं आता कि आखिर इजरायल ने 2005 में सैन्य प्रतिष्ठानों और बस्तियों को लेकर गाजा से एक तरफा वापसी क्यों की। उन्होंने ऐसा किया इसी की वजह से हमास एक बार फिर से ताकतवर हो गया। ट्रंप ने कहा कि मैं आपको नाम नहीं बता सकता.. लेकिन इजरायल में से ही किसी ने इस जमीन को छोड़ने का फैसला किया। यह दुनिया का सबसे खराब रियल स्टेट सौदों में से एक था। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था।

ट्रंप ने नेतन्याहू को अपना पूर्ण समर्थन देने का वादा करते हुए कहा कि यदि इजरायल बंधकों को छुड़ाने या हमास को खत्म करने के लिए हमास के खिलाफ दोबारा लड़ाई शुरू करने का फैसला करते हैं तो अमेरिका उनका समर्थन करेगा।

19 साल छोटी सिंगर संग काश पटेल का रिश्ता, 3 साल पहले हुई थी मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप के भारतवंशी दोस्त कश्यप प्रमोद विनोद, काश पटेल ने शुक्रवार को अमेरिका की सबसे बड़ी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डायरेक्टर की शपथ ले ली है। काश पटेल ने भगवत गीता पर हाथ रख कर शपथ ली। वह एजेंसी को लीड करने वाले नौवें व्यक्ति बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह के मौके पर काश पटेल के बगल में खड़ी एक महिला भी नजर आईं, जिनको देखने के बाद सब के जहन में आया होगा कि यह कौन हैं? दरअसल, यह काश पटेल की गर्लफ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस हैं।

कौन हैं एलेक्सिस विल्किन्स?

एलेक्सिस विल्किन्स का जन्म 3 नवंबर 1999 को बोस्टन, मैसाचुसेट्स में हुआ था। उनका परिवार बाद में फेयेटविले, अर्कांसस शिफ्ट हो गया था, लेकिन उन्होंने इंग्लैंड और स्विट्जरलैंड में भी काफी समय बिताया। अपनी म्यूजिक करियर को बढ़ावा देने के लिए वह नैशविले, टेनेसी चली गईं। एलेक्सिस विल्किन्स आज एक जानी-मानी कंट्री सिंगर, राइटर और पॉलिटिकल

कमेंटेटर हैं। वह रिपब्लिकन प्रतिनिधि अब्राहम हमेडे की प्रेस सेक्रेटरी के रूप में कार्य कर रही हैं और प्रगर नामक संस्था से भी जुड़ी हुई हैं, जो अमेरिकी मूल्यों को बढ़ावा देने वाली एक प्रमुख शैक्षिक मीडिया कंपनी है।

राजनीति और संगीत - दोनों में सक्रिय

एलेक्सिस केवल म्यूजिक इंडस्ट्री में ही सक्रिय नहीं हैं, बल्कि राजनीति में भी उनकी खास पहचान है। उन्होंने बेलमोंट यूनिवर्सिटी से बिजनेस और पॉलिटिकल साइंस में डिग्री हासिल की है और विभिन्न रूढ़िवादी राजनीतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं।

काश पटेल और एलेक्सिस विल्किन्स की मुलाकात

काश पटेल और एलेक्सिस विल्किन्स की पहली मुलाकात अक्टूबर 2022 में अमेरिका को पुन : जागृत करो रैली के दौरान हुई थी। इस रैली में दोनों की मुलाकात के बाद, जनवरी 2023 में उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया और उस समय से ही दोनों का रिश्ता और भी मजबूत हुआ।

अमेरिकी सेना के पूर्व सैनिकों के लिए एलेक्सिस की मुहिम

एलेक्सिस विल्किन्स अमेरिकी सेना के पूर्व सैनिकों के लिए भी सक्रिय रूप से काम करती हैं। उन्होंने कई संस्थाओं जैसे वॉरियर राउंड्स, ऑपरेशन स्टैंडडाउन, और सोल्जर का बच्चा के साथ मिलकर इन सैनिकों और उनके परिवारों की मदद के लिए कई सामाजिक पहल की हैं। उनकी यह समाज सेवा उन्हें अमेरिकी समाज में एक सम्मानित और प्रभावशाली शख्सियत बनाती है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी -भारत-पाकिस्तान

मोहम्मद शमी ने पहले ही ओवर में फेंकी 5 वाइड गेंदें, बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

यूएई (एजेंसी)। मोहम्मद शमी ने रविवार को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान वनडे में किसी भारतीय द्वारा संयुक्त रूप से सबसे लंबा ओवर फेंकने का रिकॉर्ड बनाया। पारी का पहला ओवर इमाम-उल-हक को फेंकते हुए शमी ने 11 गेंदें फेंकी और छह रन दिए। पांच रन वाइड रहे क्योंकि शमी अपनी स्विंग को नियंत्रित करने में संघर्ष कर रहे थे और लाइन से भटक गए।

वह जहीर खान और इरफान पठान के बाद 11 गेंद का ओवर फेंकने वाले तीसरे भारतीय हैं। रविवार को शमी का ओवर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का तीसरा सबसे लंबा ओवर भी था। बांग्लादेश के हसीबुल हुसैन और जिम्बाब्वे के तिनाशे पन्यांगरा ने प्रतियोगिता में सबसे लंबे ओवर (13 गेंद) फेंके हैं।

गौर हो कि दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चैम्पियंस ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे भारत-पाकिस्तान मैच में पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। रिजवान ने टॉस जीतने के बाद कहा, %पहले बल्लेबाजी करेंगे, पिच अच्छी लग रही है। अच्छा लक्ष्य रखना चाहते हैं। आईसीसी इवेंट में हर मैच महत्वपूर्ण होता है, हम चीजों को सामान्य रखेंगे। लड़के इन परिस्थितियों से परिचित हैं, हमने यहां अच्छा प्रदर्शन किया है और हम आज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम अपना पिछला मैच हार गए थे, लेकिन अब वह हमारे लिए अतीत की बात है। एक बदलाव - फखर बाहर हैं, इमाम को शामिल किया गया है।

रोहित शर्मा ने कहा, इससे (टॉस) कोई फर्क नहीं पड़ता, उन्होंने टॉस जीता इसलिए हम पहले गेंदबाजी करेंगे। पिछले मैच जैसा ही लग रहा है, पिच धीमी है। हमारे पास बल्लेबाजी में अनुभवी खिलाड़ी हैं इसलिए हम जानते हैं कि अगर पिच धीमी होती है तो हमें क्या करना चाहिए। टीम से बल्ले और गेंद से समग्र प्रदर्शन की जरूरत है। पिछला मैच हमारे लिए आसान नहीं था, जो हमेशा अच्छा होता है। आप दबाव में रहना चाहते हैं और खुद को परखना चाहते हैं। हम उसी टीम के साथ खेल रहे हैं।

ऐसा रहा शमी का पहला ओवर

पहली गेंद - 0
दूसरी गेंद - वाइड
दूसरी गेंद - 0
तीसरी गेंद - लगातार दो वाइड
तीसरी गेंद- 0
चौथी गेंद - एक रन
पांचवीं गेंद - 0
छठी गेंद - फिर लगातार दो वाइड
छठी गेंद - 0

प्लेइंग 11

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव

पाकिस्तान - इमाम-उल-हक, बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर/कप्तान), सलमान आगा, तैयब ताहिर, खुशदिल शाह, शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, अबरार अहमद

तड़फड़ाते बाबर आजम को यूं किया ठंडा, रोहित शर्मा ने बिछाया जाल, फिर हार्दिक पंड्या ने किया शिकार

बाबर आजम जब आउट होकर पवेलियन जाने लगे तो हार्दिक पंड्या ने करारा सेंड ऑफ दिया

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के महामुकाबले में भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी पाकिस्तान टीम को पहले ही ओवर में थोड़ी छूट मिल गई। मोहम्मद शमी ने पांच वाइड गेंदें कीं तो पाकिस्तानी ओपनर इमाम उल हक और बाबर आजम का उत्साह थोड़ा बढ़ गया। देखते ही देखते दोनों ने पहले विकेट के लिए 8.1 ओवर में 41 रनों की साझेदारी भी कर डाली। ऐसा लग रहा था कि शुरुआती छूट भारत के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकती है, लेकिन 9वें ओवर की दूसरी गेंद पर हार्दिक पंड्या ने राह का सबसे बड़ा कांटा निकाला। उन्होंने विकेट के पीछे केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराया।

इससे पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने फील्ड में थोड़ा बदलाव किया था। कवर को थोड़ा ऊपर लेकर आए थे, जिससे बाबर आजम पर अतिरिक्त दबाव बना। दरअसल, बाबर ने कवर्स पर पहली गेंद पर चौका लगाया था। हार्दिक पंड्या गेंद में वैरिएशन के लिए मशहूर हैं। गेंद को देखकर ऐसा लगा कि रफ्तार में बदलाव किया गया था। बाबर के बल्ले पर लगने के बाद विकेट से काफी दूर खड़े केएल राहुल के पास गई, जिन्होंने गेंद को लपकने में कोई गलती नहीं की। इस तरह से पाकिस्तान को पहला झटका लगा। फॉर्म में वापसी के लिए तड़फड़ा रहे बाबर की पारी 26 गेंदों में 23 रन पर खत्म हुई, जबकि 5 चौके उनके बल्ले से निकले।

इससे पहले पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल करने वाली अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है जबकि पाकिस्तान ने चोटिल सलामी बल्लेबाज फखर जमां के स्थान पर इमाम उल हक को अंतिम एकादश में शामिल किया। भारत ने अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराया था और वह इस मैच में जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करना चाहेगा। दूसरी तरफ पाकिस्तान अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से 60 रन से हार गया था और उसके लिए यह मैच करो या मरो जैसा है।

अक्षर पटेल का ऐसा गन थ्रो, गोली की रफ्तार से उखाड़ दिए स्टंप्स... फ्रेम में भी नहीं इमाम उल हक

दुबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबला हो रहा है। बांग्लादेश के खिलाफ पिछले मैच में भारत की फील्डिंग काफी खराब रही थी। मैदान पर कई खिलाड़ियों ने कैच गिराए। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम बेहतरीन फील्डिंग दिखा रही है। ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने इमाम उल हक को रन आउट कर पवेलियन भेजा। अक्षर के सीधे थ्रो ने इमाम की पारी का अंत किया।

अक्षर ने नहीं दिया इमाम को मौका - पाकिस्तान की पारी का 10वां ओवर चल रहा था। कुलदीप यादव की गेंद पर इमाम ने मिड-ऑन की तरफ शॉट खेला। रन लेने के चक्कर में तेजी दिखाते हुए इमाम क्रीज से बाहर निकल गए। 30 गज के घेरे के अंदर मौजूद अक्षर ने गेंद को लपका और तेजी से थ्रो मारकर स्टंप्स उड़ा दिए। इमाम इस समय क्रीज से बाहर थे और उन्हें पवेलियन भेज दिया। इस शानदार रन आउट से भारत को दूसरी सफलता मिली।

इमाम को फखर की जगह मौका- इमाम उल हक 26 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें फखर जमान की जगह खेलने का मौका मिला है। वह तो इस चैंपियंस ट्रॉफी टीम का भी हिस्सा नहीं थे। पहले मैच में फखर जमान चोटिल हो गए थे, उनकी जगह टीम में इमाम को शामिल किया गया। वह वर्ल्ड कप 2023 से ही पाकिस्तानी वनडे टीम से बाहर चल रहे थे। वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने अपना आखिरी वनडे मैच खेला था।

आस्ट्रेलिया-इंग्लैंड

एलेक्स केरी का गजब कैच, फिल साल्ट के उड़ा दिए होश

लाहौर (एजेंसी)। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में एलेक्स केरी ने फिल सॉल्ट का गजब कैच पकड़कर सबके होश उड़ा दिए। इंग्लैंड की टीम जब पहले खेलने उतरी थी तो सॉल्ट ने पहले ही ओवर में कुछ शॉट लगाए थे। दूसरा ओवर द्वारशुइस ने फेंकना था। मैच की तीसरी गेंद तेजी से साल्ट के बल्ले से टकराकर मिड-ऑन बाउंड्री की ओर निकल गई। कैरी वहां खड़े थे, उन्होंने जमीन को कवर किया और गोता लगाते हुए गेंद को हवा में पकड़ लिया। कैच देखते ही फैंस उत्साहित हो गए।

कमेंट्री कर रहे माइकल एथरटन ने कहा कि क्या कैच है, यह एक अविश्वसनीय कैच है... कैरी, जिन्हें हम आम तौर पर स्टंप के पीछे देखते हैं, ने खुद को दाईं ओर उछाला है और मिड-ऑन पर काफी शानदार कैच लिया है। वहीं, मेल जोन्स ने कहा कि अगर वह कभी विकेटकीपिंग में वापस जाना चाहेगा तो शायद वह अब ऐसा नहीं करेगा, अगर वह इसी तरह कैच पकड़ता रहा। वहीं सोशल मीडिया पर भी केरी की तारीफ हुई। एक फैन ने लिखा- केरी सुपरमैन फील्डर! यह डेढ़ गुना ज्यादा चिढ़ाने वाला है... अपमानजनक कैच!! दूसरे ने लिखा- फ्लाइंग एलेक्स कैरी का एक स्टनर... आपके द्वारा देखे गए सर्वश्रेष्ठ कैचों में से एक।

मैच की बात करें तो लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन का रिकॉर्ड चेज कर लिया।

ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज जोश इंग्लिस ने 86 गेंदों पर 120 रन की पारी खेली। इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए बेन डकेट के 165 तो जो रूट के 68 रनों की बदौलत 8 विकेट खोकर 351 रन बनाए थे। डकेट चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। लेकिन मैथ्यू शॉर्ट ने 63 तो लबुशेन ने 47 रन बनाकर स्कोर पटरी पर ला दिया। आखिर जोश इंग्लिस ने एक छोर संभाला और 120 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। जोश को एलेक्स कैरी का बाखूबी साथ मिला जिन्होंने 63 गेंदों पर 69 रन बनाए। मैक्सवेल ने भी 32 रनों का सहयोग किया।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

ऑस्ट्रेलिया- मैथ्यू शॉर्ट, ट्रैविस हेड, स्टीवन स्मिथ (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), एलेक्स कैरी, ग्लेन मैक्सवेल, बेन द्वार्शिस, नाथन एलिस, एडम जम्पा, स्पेंसर जॉनसन

इंग्लैंड - फिलिप साल्ट, बेन डकेट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जो रूट, हैरी ब्रूक, जोस बटलर (कप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड

युवराज सिंह का बाऊंड्री रोप पर जोरदार कैच, टीम 4 रन से जीती

मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई की डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में इंडिया मास्टर्स ने खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान श्रीलंका मास्टर्स को 4 रन से हरा दिया। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 के तहत खेले गए इस मुकाबले में इंडिया मास्टर्स ने पहले खेलते हुए गुरकीरत के 33, स्टुअर्ट बिन्नी के 68, यूसुफ पठान ने 56 रन बनाकर स्कोर 222 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम ने एक समय संगाकारा और थिरमाने की बदौलत मजबूत शुरुआत की लेकिन तभी 8वें ओवर में इंडिया मास्टर्स के युवराज सिंह ने बाऊंड्री रोप पर जोरदार कैच पकड़कर कैच का पासा ही पलट दिया। थिरमाने ने इरफान पठान की गेंद पर सीधी शॉट लगाई थी जिसे बाऊंड्री रोप पर पहले से मुस्तैद खड़े युवराज ने छलांग लगाकर पकड़ लिया।

इंडिया मास्टर्स - 222/4 (20 ओवर) - इंडिया मास्टर्स ने खराब शुरुआत के बाद अपने मध्य और निचले क्रम की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर 20 ओवरों में 222/4 का मजबूत स्कोर बनाया। सचिन तेंदुलकर तीसरे ओवर में 8 गेंदों में 10 रन बनाकर सुरंगा लकमल की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद नमन ओझा आए, जिससे 4 ओवर के बाद भारत का स्कोर 26/2 हो गया। गुरकीरत सिंह मान (32 में से 44) और स्टुअर्ट बिन्नी ने एक महत्वपूर्ण साझेदारी की। बिन्नी ने श्रीलंकाई गेंदबाजों पर आक्रमण करते हुए 22 गेंदों में अर्धशतक बनाया। फिर यूसुफ पठान और युवराज सिंह ने चौकों और छक्कों की बौछार कर दी। बिन्नी 30 गेंदों में 68 रन बनाकर (एक छक्के सहित) इसुरु उदाना की गेंद पर बोल्ड हुए। यूसुफ पठान 22 गेंदों में 56 रन बनाकर नाबाद रहे, उन्होंने 20 गेंदों में अर्धशतक बनाया, जबकि युवराज सिंह ने 22 गेंदों में 31 रन का योगदान दिया। इस जोड़ी ने अंतिम 5 ओवरों में 76 रन जोड़े।

श्रीलंका मास्टर्स : 218/9 (20 ओवर) - कुमार संगकारा और उपुल थरंगा ने मजबूत इरादे के साथ शुरुआत की। थरंगा 10 रन बनाकर कुलकर्णी की गेंद पर आउट हो गए। लेकिन संगकारा ने 30 गेंदों में 51 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। लाहिरू थिरिमाने (17 में से 24) ने युवराज सिंह द्वारा पठान की गेंद पर कैच आउट होने से पहले तेज कैमियो का रोल निभाया। 10वें ओवर में संगकारा के आउट होने के बाद श्रीलंका का स्कोर 99/3 हो गया। जीवन मेंडिस और इसरु उडाना ने मैच को संभालने की कोशिश की। जीवन ने जहां 17 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 42 रन बनाए तो वहीं, इसरु ने 7 गेंदों पर 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। आखिरी ओवरों में गिरे 2 विकेटों के कारण श्रीलंका को चार रन से हार झेलनी पड़ी।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

श्रीलंका मास्टर्स - कुमार संगकारा (विकेटकीपर/कप्तान), उपुल थरंगा, लाहिरू थिरिमाने, असेला गुणरत्ने, जीवन मेंडिस, अशान प्रियंजन, चतुरंगा डी सिल्वा, इसुरु उदाना, सुरंगा लकमल, सीकुगे प्रसन्ना, नुवान प्रदीप

इंडिया मास्टर्स - सचिन तेंदुलकर (कप्तान), गुरकीरत सिंह मान, युवराज सिंह, अंबाती रायडू (विकेटकीपर), यूसुफ पठान, इरफान पठान, स्टुअर्ट बिन्नी, शाहबाज नदीम, विनय कुमार, अभिमन्यु मिथुन, धवल कुलकर्णी

चहल-धनश्री का तलाक फाइनल नहीं हुआ

वकील ने कहा, मामला कोर्ट में चल रहा; परिवार बोला- युजवेंद्र से 60 करोड़ नहीं मांगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का तलाक फाइनल नहीं हुआ है। धनश्री की वकील ने मीडिया से कहा, मामला फिलहाल कोर्ट में चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में ही बताया गया था कि दोनों का तलाक फाइनल हो चुका है।

टीओआई की रिपोर्ट अनुसार, धनश्री के परिवार ने यह भी कहा कि उन्होंने युजवेंद्र या उनके परिवार से 60 करोड़ रुपए नहीं मांगे हैं। चहल और धनश्री की शादी दिसंबर 2020 में हुई थी, दोनों 2023 से अलग-अलग रह रहे थे।

वकील ने कहा- तलाक फाइनल होना बाकी - धनश्री की वकील अदिति मोहन ने कहा, मामला फिलहाल कोर्ट में है, तलाक फाइनल नहीं हुआ है। मीडिया को रिपोर्ट करने से पहले फैक्ट चेक करना चाहिए। दोनों को लेकर कई गलत जानकारियां फैलाई जा रही हैं।

परिवार बोला- चहल से 60 करोड़ नहीं मांगे - धनश्री के परिवार ने कहा, एलिमनी (गुजारा भत्ता) की गलत खबरों से हम दुखी हैं। हमने चहल से किसी भी तरह की रकम नहीं मांगी। न ही उन्होंने सामने से कुछ ऑफर किया है। 60 करोड़ रुपए मांगने की बात गलत है। हम मीडिया से निवेदन कर रहे हैं कि इस तरह की खबरें न फैलाएं।चहल ने कुछ समय पहले इंस्टाग्राम से धनश्री के साथ सभी फोटोज डिलीट कर दी थीं।

दोनों 18 महीने से अलग रह रहे थे - वकील ने यह भी खुलासा किया कि अंतिम फैसला लेने से पहले दोनों पिछले 18 महीनों से अलग रह रहे थे। चहल और उनकी पत्नी धनश्री के तलाक की अफवाहें काफी समय से सोशल मीडिया पर चल रही थीं। हालांकि, चहल और धनश्री का अभी तक ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

झलक दिखला जा-11 शो में लव स्टोरी सुनाई थी - धनश्री वर्मा ने झलक दिखला जा-11 के एक एपिसोड के दौरान युजवेंद्र चहल के साथ अपनी लव स्टोरी के बारे में खुलासा किया था। उन्होंने बताया कि कैसे चहल ने लॉकडाउन के दौरान उनसे डांस सीखने के लिए संपर्क किया था। इसके बाद धनश्री उन्हें डांस सिखाने के लिए राजी हो गई। बाद में दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया।

2023 में धनश्री ने हटाया था चहल का नाम - साल 2023 में युजवेंद्र चहल ने अपने सोशल मीडिया पर एक स्टोरी शेयर की थी, जिसमें लिखा था, नई जिंदगी आ रही है। इसके बाद एक्ट्रेस धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम में यूजर नेम से सरनेम चहल हटा दिया था। इसके बाद उनके तलाक की अफवाहें तेज हो गई थीं। हालांकि, बाद में क्रिकेटर ने तलाक की खबरों को अफवाह करार दिया।

टीम इंडिया से बाहर हैं युजवेंद्र चहल - युजवेंद्र चहल अभी टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। वह टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। जनवरी 2023 में उन्होंने भारत के लिए आखिरी वनडे, जबकि अगस्त 2023 में आखिरी टी-20 खेला था। इसके बाद भी आईपीएल 2025 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने उन्हें 18 करोड़ में खरीदा।

राजकुमार राव क्रिकेट टीम के दादा का रोल निभाएंगे

सौरव गांगुली की बायोपिक फिल्म में एक्टर के नाम का ऐलान, रिलीज डेट को लेकर इश्यू

मुंबई (एजेंसी)। राजकुमार राव जल्द ही अपकमिंग बायोपिक फिल्म में पूर्व भारतीय क्रिकेट कैप्टन सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे। काफी समय से हीरो को लेकर चर्चा हो रही थी कि ऑन-स्क्रीन सौरव की भूमिका में कौन नजर आएगा। अब खुद क्रिकेटर ने अनाउंस किया है कि बड़े पर्दे पर उनकी भूमिका राजकुमार राव अदा करेंगे।

राजकुमार राव बनेंगे सौरव गांगुली - पश्चिम बंगाल के बर्धमान में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए सौरव गांगुली ने कहा, 'जो मैंने सुना है, उसके अनुसार राजकुमार राव लीड रोल निभाएंगे, लेकिन डेट को लेकर इश्यू है। इसलिए इस बायोपिक फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने में एक साल से ज्यादा का समय लग जाएगा।'

यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग 2025 में हासिल की पहली जीत, हेनरी बनी हीरो

बेंगलूर (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग के तहत बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में उलटफेर करते हुए यूपी वारियर्स ने मजबूत नजर आ रही दिल्ली कैपिटलस को 33 रन से हरा दिया है। पहले खेलते हुए यूपी वारियर्स ने कमजोर शुरुआत के बावजूद हेनरी के 32 गेंदों में 62 रनों की बदौलत 177 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी दिल्ली टीम जेमिमा के 56 रनों के बावजूद 144 रन ही बना पाई।

यूपी वारियर्स महिला = 177/9 (20 ओवर) - दीप्ति शर्मा के उत्कृष्ट प्रदर्शन और उनके मध्य क्रम के योगदान की बदौलत यूपी वारियर्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 177 रन बनाए। मारिजेन कप्प के नेतृत्व में दिल्ली के गेंदबाजों ने यूपी के टॉप क्रम को बिखेर दिया था। कॅप ने ग्रेस हैरिस को आउट कर यूपी वारियर्स को नाजुक स्थिति में पहुंचा दिया। जब दीप्ति शर्मा भी जल्द आउट हो गई थी चिनेले हेनरी ने आगे आकर टीम को संभाला। उन्होंने दिल्ली की मजबूत गेंदबाजी लाइनअप को चुनौती दी। उन्होंने 23 गेंदों पर 2 चौके और 8 छक्कों की मदद से 62 रन बनाए

और स्कोर 177 तक ले गई। दिल्ली की ओर से जोनासन ने 31 रन देकर 4 विकेट लीं। वहीं, अरूंधति और मेरिजाना ने 2-2 विकेट लिए।

दिल्ली कैपिटल्स महिला = 144/10 (19.3 ओवर) - पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। यूपी वारियर्स के गेंदबाजों खासकर सोफी एक्लेस्टोन और दीप्ति शर्मा ने शुरुआत में ही दबाव बना दिया। दिल्ली को अपने शीर्ष क्रम के साथ संघर्ष करना पड़ा और उसने अनुशासित गेंदबाजी के सामने महत्वपूर्ण विकेट गंवाए। दिल्ली की ओर से अकेली जेमिमा रॉड्रिग्स ने फाइट की। उन्होंने 35 गेंदों पर 8 चौके और 1 छक्के की मदद से 56 रन बनाए। लेकिन वह टीम को 33 रन की हार से नहीं बचा पाई। यह डब्ल्यूपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की पहली जीत थी।

मेग लैनिंग ने कहा कि पहले 15 ओवरों में (गेंद से) काफी अच्छा प्रदर्शन किया। हमने सही लेंथ पर गेंद डाली। विकेट में थोड़ा सा हिस्सा था। हेनरी ने शानदार बल्लेबाजी की। हमारे पास उत्तर नहीं थे, वह बहुत अच्छी थी। हमारे पास ऐसे पैच हैं जहां हमने अच्छा खेला है। निश्चित तौर पर कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है।

वहीं, ग्रेस हैरिस ने कहा कि हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं थी। हम अपने समय का आनंद ले रहे हैं और डब्ल्यूपीएल को पसंद कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह (जीत) हमारे लिए स्थिति बदल देगी। मैं आज गेंदबाजों की बैठक में मजाक कर रही थी कि आज हैट्रिक लेने जा रही हूं। मैं प्रतियोगिता में आगे बढ़ते हुए बल्ले से कुछ करके दिखाना चाहता हूं। आशा करते हैं कि हम मुंबई इंडियंस और आरसीबी को आगे बढ़ाएंगे।

दीप्ति शर्मा ने कहा कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण जीत थी। जब आप इस तरह के मैच जीतते हैं तो सकारात्मक विचार प्राप्त करें। बल्लेबाजों की मानसिकता साफ थी। हेनरी ने अच्छी पारी खेली, उसने अपनी ताकत का समर्थन किया, हमें आगे बढ़ने के लिए अपनी फील्डिंग में सुधार करने की जरूरत है। एक टीम के तौर पर हमें आगे भी जीतते रहना होगा।

प्लेयर ऑफ द मैच चिनेले हेनरी ने कहा कि मेरा रोल बिल्कुल स्पष्ट है। खिलाड़ियों को मेरे लिए चीजें तैयार करनी होंगी ताकि मैं इसे पूरा कर सकूं। मुझे अपने कौशल का समर्थन करने की आवश्यकता है। वहां जाकर अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने की जरूरत है। गेंद अभी भी घूम रही थी, यह सिर्फ खुद का समर्थन करने और अपने कौशल का समर्थन करने के बारे में था। आज रात यह मेरे लिए अच्छा था।